रांची का तापमान

कांके	रांची
अधिक. 28.0°	अधिक. 28.2°
न्यून. 22.0°	न्यून. 23.0°

रांची, रविवार
06 जुलाई 2025
वर्ष-26, अंक-154, पृष्ठ-12

आषाढ़ शुक्ल पक्ष 11, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹2.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 12

वैश्विक स्तर पर भारत को मिली बड़ी सफलता

विश्व बैंक ने सर्वाधिक 'समतामूलक समाज' में किया शामिल

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारत न केवल विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, बल्कि आज यह सर्वाधिक समतामूलक समाजों में से एक भी है। विश्व बैंक के अनुसार, भारत का गिनी सूचकांक 25.5 है, जो इसे स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया और बेलारूस के बाद दुनिया का चौथा सबसे समतामूलक देश बनाता है। यह भारत जैसे बड़े और विविधता वाले देश के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

गिनी सूचकांक 25.5 दर्शाता है कि भारत की आर्थिक प्रगति का लाभ लोगों में समान रूप से पहुंच रहा है। इस सफलता के पीछे गरीबी को कम करने, वित्तीय पहुंच का विस्तार और कल्याण सहायता

● स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया और बेलारूस के बाद दुनिया का चौथा सबसे समतामूलक देश बना

को सीधे उन लोगों तक पहुंचाने पर लगातार नीतिगत ध्यान केंद्रित करना है, जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।

विश्व बैंक के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत का गिनी इंडेक्स 25.5 है। यह भारत को सापेक्ष रूप से दुनिया के सबसे समान देशों में से एक बनाता है। भारत का स्कोर चीन के 35.7 से बहुत कम है और अमेरिका से भी बहुत कम है, जो 41.8 पर है। यह हर जी-7 और जी-20 देश के भी प्रत्यक्षतः समान है, जिनमें से कई उन्नत अर्थव्यवस्थाएं मानी जाती हैं।

भारत 'सामान्य से कम' असमानता श्रेणी में आता है, जिसमें गिनी स्कोर 25 से 30 के बीच है। यह 'कम असमानता' समूह में शामिल होने से थोड़ा ही दूर है, जिसमें स्लोवाक गणराज्य जैसे देश शामिल हैं, जिनका स्कोर 24.1 है। स्लोवेनिया 24.3 है और बेलारूस 24.4 है। इन तीनों के अलावा, भारत का स्कोर उन सभी 167 देशों से बेहतर है, जिनके लिए विश्व बैंक ने डाटा जारी किया है।

वैश्विक स्तर पर, सिर्फ 30 देश 'सामान्य से कम' असमानता श्रेणी में आते हैं।

शेष पेज 11 पर

25.5 का गिनी इंडेक्स सिर्फ एक संख्या नहीं, यह वास्तविक बदलाव को दर्शाता है

प्रधानमंत्री जन धन योजना, आधार और डिजिटल पहचान, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), आयुष्मान भारत, स्टैंड-अप इंडिया, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई), पीएम विश्वकर्मा योजना आदि काफी अहम हैं। वहीं, आय समानता के लिए भारत का मार्ग स्थिर और केंद्रित रहा है। 25.5 का गिनी इंडेक्स सिर्फ एक संख्या नहीं है, यह लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव को दर्शाता है। अब ज्यादा परिवारों की भोजन, बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवा और नौकरियों तक पहुंच है। भारत को जो बात अलग बनाती है, वह है आर्थिक सुधार और मजबूत सामाजिक सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की इसकी क्षमता। जन धन, डीबीटी और आयुष्मान भारत जैसी लक्षित योजनाओं ने लंबे समय से चली आ रही कमियों को दूर करने में मदद की है। साथ ही, स्टैंड-अप इंडिया और शेष पेज 11 पर

गिनी सूचकांक में 0 स्कोर का अर्थ है पूर्ण समानता

गिनी सूचकांक यह समझने का एक सरल तरीका है कि किसी देश में घरों या व्यक्तियों के बीच आय, संपत्ति या उपभोग के वितरण में कितनी समानता है। इसका मूल्य 0 से 100 तक होता है। 0 स्कोर का अर्थ पूर्ण समानता है, यानी आय आदि समान रूप से सभी लोगों के बीच वितरित हो रही है। 100 स्कोर का अर्थ है कि एक ही व्यक्ति के पास पूरी आय, संपत्ति या उपभोग है और दूसरों के पास कुछ भी नहीं है, इसलिए पूर्ण असमानता है। गिनी इंडेक्स जितना अधिक होगा, देश उतना ही असमान होगा।

चीन से जुड़े साइबर क्राइम नेटवर्क का खुलासा

सात लोग गिरफ्तार

● झारखंड के अपराध अनुसंधान विभाग ने किया पर्दाफाश
● यह गिरोह निवेश घोटालों और डिजिटल अरेस्ट में था शामिल

नवीन मेल डेस्क

रांची। राज्य के अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) के साइबर क्राइम थाने ने एक बड़े और सुनियोजित साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का खुलासा किया है। यह गिरोह निवेश घोटालों और डिजिटल अरेस्ट जैसी गतिविधियों में शामिल था, जिसमें चीनी जालसाजों की मिलीभगत से अवैध वित्तीय लेनदेन किए जा रहे थे। यह जानकारी शनिवार को साइबर डीएसपी नेहा बाला ने दी।

सीआईडी के डीजी अनुराग गुप्ता के आदेश पर सीआईडी की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में बिहार के सिवान निवासी कुमार दीपक, प्रभात कुमार, नांलदा निवासी कुमार सौरभ, नवादा निवासी शिवम कुमार, पटना निवासी अनिल कुमार व प्रदीप कुमार और मध्य प्रदेश के गोपालगंज निवासी लखन चौरसिया शामिल हैं। इन साइबर अपराधियों के पास से 12 मोबाइल फोन, 11 सिम कार्ड, 14 एटीएम कार्ड और व्हाट्सएप व टेलीग्राम चैट से प्राप्त 60 बैंक खातों का विवरण बरामद हुआ है। साइबर डीएसपी नेहा बाला ने शनिवार को बताया कि गत 4 जुलाई को साइबर क्राइम थाने को एक गुप्त सूचना मिली थी कि जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के ओलिव गार्डन होटल में एक संगठित साइबर गिरोह इकट्ठा हुआ है। यह गिरोह म्यूल बैंक खातों (धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल होने वाले बैंक खाते) की व्यवस्था करने और चीनी जालसाजों के साथ मिलकर काम करने में संलिप्त है।

साइबर डीएसपी ने कहा कि यह सूचना मिलते ही सीआईडी ने तत्काल कार्रवाई की और मौके से सात एजेंटों को गिरफ्तार कर लिया। ये एजेंट देश के अलग-अलग हिस्सों से म्यूल बैंक खातों की आपूर्ति में शामिल थे। इनके साथ ही एक विशेष एजेंट भी पकड़ा गया, जो मून पे, ड्रेगन पे, सुपर पे और मैंगो पे इंडिया जैसी चीनी कंपनियों के लिए काम कर रहा था। गिरफ्तार किए गए चीनी नेटवर्क से जुड़े एजेंटों के व्हाट्सएप और टेलीग्राम चैट्स से बड़ी संख्या में बैंक खातों की जानकारी और कई डिजिटल सबूत बरामद किए गए हैं।

डीएसपी नेहा बाला ने बताया कि चीनी गिरोह के लिए काम करने वाले एजेंटों को टेलीग्राम के माध्यम से एक विशेष एप्लिकेशन (एपीके फाइल) भेजी जाती थी। एजेंट इस एप्लिकेशन को उन सिम कार्ड में इंस्टॉल करते थे, जो बैंक खातों से जुड़े होते थे। एक बार इंस्टॉल होने के बाद, यह एप्लिकेशन स्वचालित रूप से बैंक से संबंधित ओटीपी और अलर्ट्स को शेष पेज 11 पर

हेमंत सोरेन सरकार साइबर क्राइम रोकने को प्रतिबद्ध

हेमंत सोरेन सरकार साइबर क्राइम कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने साइबर क्राइम रोकने को लेकर बैठकें भी हैं और पुलिस अधिकारियों को निर्देश भी दिए हैं। साइबर क्राइम रोकने के लिए राज्य में स्ट्रांग सेटअप तैयार करने और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल करने का निर्देश दिया है।

सैनिक भाइयों को कोटि-कोटि नमन

राष्ट्रीय नवीन मेल

छाया प्रसाद

अभी हाल में हुए पहलगाम आतंकी हमले ने हमारे कितने बच्चे, जवानों, बूढ़ों की निर्मम हत्या की, हमारी कितने बहनों के सिंदूर पोंछ डाले। धर्म पूछ-पूछ कर हिंदुओं को धर्म की आड़ में मार डाला, तभी हमारी सेना और हमारी सरकार ने ये कसम खा ली थी कि इस खून का बदला लेकर ही दम लेंगे। देश के दुश्मन आतंकियों का नाश करके रहेंगे। हमें खुशी है और गर्व है कि हमारे वीर जाबांज देशभक्त जवानों ने अपने साहस, वीरता और शौर्य दिखाते हुए पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों को अपने मिसाइलों और ड्रोन से हमला कर उड़ा डाला। पाकिस्तान के एयरबेस को तहस-नहस कर डाला और लगभग सौ आतंकियों को मार डाला। ऐसा करके निर्दोष लोगों के निर्मम हत्या का बदला ले लिया। पाकिस्तान की ऐसी करारी हार हुई, जिसकी कल्पना उनलोंगो ने सपने मे भी नहीं की थी।

शेष पेज 11 पर

सीसीएल करमा परियोजना की खुली खदान में बड़ा हादसा

अवैध कोयला खनन में चाल धंसी, 4 की मौत, कई घायल

● परिजनों ने इलाज के लिए घायलों को अस्पताल में कराया भर्ती

● ग्रामीणों ने पीओ कार्यालय गेट पर शव रखकर मुआवजे की मांग की

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ जिला अंतर्गत सीसीएल करमा परियोजना की खुली खदान में कोयले के अवैध खनन के क्रम में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। इसमें चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कुछ लोग मलबे के नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना वाली जगह पर देर शाम तक स्थानीय लोगों की भीड़ जुटी हुई थी। लोग दबे हुए लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे थे। मलबे को हटाने में पोकलेन मशीन व स्थानीय लोग लगे हुए थे। जानकारी के मुताबिक महुआ टुंगरी व सुगिया के रहने वाले लोग शनिवार की सुबह करमा खुली खदान में अवैध कोयला खनन के लिए गए थे। खनन के दौरान जोरदार आवाज के साथ चाल धंस गई। इसके बाद खनन कर रहे लोगों में भगदड़ मच गई। बताया गया कि दुर्घटना में चार लोगों की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। जबकि, कई लोग घायल हो गए हैं। घायलों को परिजनों द्वारा इलाज के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना की सूचना के बाद रामगढ़ एसडीओ अनुराग तिवारी ने घटनास्थल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने रेस्ट सेल्टर में तैनात कर्मी से घटना के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मौजूद करमा पीओ समेत कनीय पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मौके पर एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, सीओ विमल कुमार सिंह, मांडू इंस्पेक्टर रजत कुमार, करमा पीओ रामेश्वर मुंडा, मैनेजर संजय सिंह, कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह समेत शेष पेज 11 पर

मृतक और घायल महुआ टुंगरी व सुगिया के निवासी

करमा खुली खदान में अवैध खनन के क्रम में सुगिया और महुआ टुंगरी के रहने वाले निर्मल मुंडा (40वर्ष), वकील करमाली (50 वर्ष), इम्तियाज अंसारी उर्फ लल्लू (40 वर्ष) और रामेश्वर मांझी (40 वर्ष) की मौत हो गई। वहीं, घायलों में मृतक इम्तियाज की पत्नी रोजिदा खातून, नान्हू महतो धनबेड़वा, सरिता देवी और अरुण टुडू महुआटुंगरी का नाम शामिल हैं।

हादसे की गहन जांच की जाएगी : उपायुक्त

रामगढ़ के उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज ने कहा कि हादसे की गहन जांच की जाएगी। इसके लिए जिम्मेदार दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीसी ने इस पूरे मामले का गंभीरता पूर्वक जांच करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि 19 जून को जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक में इन्हीं दुर्घटनाओं को रोकने के लिए स्पष्ट निर्देश दिया गया था कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो। इसके बावजूद करमा खदान में आज सुबह हादसा हो गया, जिसमें चार मजदूरों की जान चली गई। उन्होंने कहा कि सीसीएल के सभी जीएम को एक बार फिर निर्देश भेजा जाएगा। जिस क्षेत्र में घटना हुई है, वहां के जीएम को शोकॉज नोटिस भी भेजा जाएगा।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत
समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है।
आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं।
संपर्क/व्हाट्सएप
82925 53444 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क
+91 82923 73444
कार्यकारी संपादक।

ईडी ने जीएसटी घोटाले में चार के खिलाफ दायर किया आरोप पत्र

नवीन मेल डेस्क

रांची। ईडी ने शनिवार को रांची पीएमएलए कोर्ट में 730 करोड़ रुपए के जीएसटी घोटाले में चार लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। इन आरोपियों में घोटाले का मास्टर माइंड शिव कुमार देवड़ा, उसका बेटा मोहित देवड़ा, अमित गुप्ता और अमित अग्रवाल उर्फ विक्की भालोटिया शामिल हैं। इन पर 135 कागजी कंपनियों के सहारे फर्जी 5000 करोड़ का फर्जी व्यापार दिखा कर 730 करोड़ रुपए का इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) लेने और मनी लांड्रिंग का आरोप लगाया गया है। ईडी ने आठ मई को गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) घोटाले से जुड़े लोगों के रांची, जमशेदपुर और कोलकाता स्थिति ठिकानों पर छापेमारी की थी। जमशेदपुर से व्यापारी अमित अग्रवाल उर्फ विक्की भालोटिया, कोलकाता से शिवकुमार देवड़ा, मोहित देवड़ा और अमित गुप्ता को गिरफ्तार किया गया था। ईडी ने जांच के दौरान पाया कि इन आरोपितों ने बिना वास्तविक व्यापार के ही जीएसटी बिल अपने ही द्वारा बनाई गई शेल कंपनियों के नाम जारी किया और आईटीसी का गलत लाभ लिया। शेष पेज 11 पर

● 730 करोड़ रुपए का है घोटाला मनी लांड्रिंग का भी है आरोप

ब्राउन शुगर के तीन तस्कर गिरफ्तार

गुमला। गुमला जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने हेतु पुलिस अधीक्षक हरिश बिन जमां के नेतृत्व में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। शनिवार को गुप्त सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, गुमला के नेतृत्व में गठित विशेष छापामारी दल ने 25 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्करों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में तीन मोबाइल फोन और दो महंगी मोटरसाइकिलें भी जब्त की गई हैं। पुलिस अधीक्षक हरिश बिन जमां ने रविवार को आयोजित शेष पेज 11 पर

गुमला पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

जाली नोट के साथ तीन गिरफ्तार

● 1. 30 लाख मूल्य के जाली नोट बरामद, अर्टिगा कार मोबाइल भी जब्त

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। जिले में नकली नोटों की तस्करी को लेकर चल रहे गुप्त सूचना तंत्र को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक हरिश बिन जमां को मिली एक पुख्ता गुप्त सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चैनपुर ललित मीणा के नेतृत्व में गठित विशेष छापामारी दल ने 1. 30 लाख मूल्य के जाली नोट के साथ तीन अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से नकली नोट, एक सफेद रंग की अर्टिगा कार, दो मोबाइल और अन्य सामान जब्त किए गए हैं। शनिवार को गुप्त सूचना मिली कि एक सफेद रंग की अर्टिगा कार में सवार तीन व्यक्ति जाली नोट लेकर गुमला से जशपुर (छत्तीसगढ़) की ओर जा रहे हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए रायडीह थाना गेट पर छापामारी दल द्वारा बेरिकेटिंग कर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया।

शेष पेज 11 पर

इंडिया

आदिवासी राजा के नागवंशी को उत्तराधिकारी बनाने से लड़ाने तक

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

शोषण और भ्रष्टाचार के कारण पूर्व दक्षिण बिहार से वर्तमान के झारखंड ऐतिहासिक रूप से आक्रोशित रहा है ।आजादी के पहले की बात करें तो सन 64 से लेकर 1952 तक एक ही नागवंशी परिवार का राजवंश छोटानागपुर में लोकप्रिय रहा और इन्हें प्रारंभिक दौर में राजा मदरा मुंडा ने राजगद्दी इस आधार पर सौंपी थी कि वह उनके बड़े पोष्य पुत्र थे जो फणिमुकुट राय थे जिनसे नागवंशियों का झारखंड में राजवंश चला ।तब राजा और प्रजा में कोई अंतर नहीं था आज भी रांची के निकट पिठौरिया के मुड़हर पहाड़ के ऊपर वह पत्थर रखा हुआ है जिस पर फणिमुकुट राय के पूर्व उनके पोष्य पिता मदरा मुंडा बैठकर निष्पक्ष राजनीतिक निर्णय लेते थे। नागवंशी इतिहास के पन्नों में प्रसिद्ध और मान्य एस सी राय सहित अनेक लेखकों ने सप्रमाण इस बात की चर्चा की है कि जब आगरे के किले में राजा दुर्जन साल अन्य राजाओं के साथ मुगलों की कैद में थे और हीरे की असली पहचान की कला के कारण बादशाह ने उन्हें कुछ मांगने को कहा तो उन्होंने सभी राजाओं को मुक्त करने के लिए कहा जिससे बादशाह बहुत प्रभावित हुए और उन्हें अपने लिए कुछ मांगने को कहा तब राजा दुर्जन साल ने मुगलों के दरबार व्यवस्था और विशेषज्ञ भेजने की बात कही, जिससे सिसई स्थित नवरत्न गढ़ बना और रक्षा के लिए क्षत्रिय, मार्गदर्शन के लिए ब्राह्मण और अन्य कार्यों के लिए पेशेवर रूप से दक्ष लोगों को बुलाकर राज दरबार में जगह दी गई ।यहां एक बात महत्वपूर्ण है कि समन्वयवादी संस्कृति के पोषक इस वन प्रांतर में कभी भी राजा और प्रजा के बीच में अंतर नहीं रहा राजकाज के समय राजा फिर सामान्य ग्रामीण ।मुगलों को तब बहुत आश्चर्य हुआ था जब उन्हें पता चला कि छोटानागपुर का राजा एक मिट्टी के घर में सामान्य लोगों की तरह बिना किसी सेना या सुरक्षा के रहता है। यही झारखंड की मूल पहचान रही है जहां जातीय या धार्मिक विवाद या संघर्ष था ही नहीं। कई बार मुगलों सहित अन्य बाहरी आक्रमणकारियों ने हीरा नागपुर के नाम से मशहूर इस क्षेत्र में आक्रमण किया जिसका झारखंड वासियों ने मिलकर मुकाबला किया। जब अंग्रेज आए तब उन्होंने राजा को प्रजा से दूरी बनाकर रखना, लगान की वसूली करने और अपने लिए भव्य महल बनाने का आईडिया दिया। 1903 में रातू का किला अंग्रेजों का ही बनवाया हुआ है जिन्होंने इसके पूर्व ही भेदभाव की राजनीति की नींव रखी थी और जिस प्रकार भारत की विभिन्न जातियों और धर्मों के बीच आपसी लड़ाई करा कर मुट्ठी भर अंग्रेज भारत पर लगभग 200 वर्षों तक राजपाट करते रहे। अंग्रेजों के यहां आगमन के बाद पहली बार आदिवासी समुदाय संगठित होकर विद्रोह करने लगा। यह विद्रोह मूलत अंग्रेज और उनके पिट्ठुओं के विरुद्ध था ना कि गैर आदिवासियों के विरुद्ध जो सदियों से इस क्षेत्र में रहते आए थे और सहिया संस्कृति के नाम से मशहूर यहां की आपसी एकता जो आज भी गांव में थोड़ी बहुत बची है उन्हीं दिनों का प्रतिनिधित्व करती है। इसमें एक करमडाइर या सहिया किस जाति का या धर्म का है इससे कोई मतलब नहीं था। झारखंड बनते ही खनिज संपदा से समृद्ध इस राज्य में राजनीतिक पार्टियों के माध्यम से अपना खोया प्रभुत्व फिर से जमाने के लिए जातीय और धार्मिक आधार पर वर्चस्व की राजनीति करने वाले तत्वों का प्रवेश हुआ तब से अगड़े पिछड़े, धर्म जाति और आदिवासी गैर आदिवासी, मूल निवासी, आदिवासी हिंदू नहीं हैं जैसे मुद्दे बहुत ही सुनियोजित ढंग से गांव-गांव में विभिन्न पार्टियों द्वारा फैलाए जा रहे हैं। वोट बैंक की राजनीति के लिए जिस प्रकार पंजाब, उत्तर पूर्व और सबसे बुरी हालत कश्मीर की हुई या जातीय आधार पर राजनीति में बिहार की दुर्गति हुई इस प्रकार की राजनीति यहां की मुख्य धुरी बनती जा रही है। बड़ी-बड़ी गाड़ियों से लेकर महंगी मोटरसाइकिल, ब्रांडेड कपड़े और संगठित ढंग से प्रशिक्षण देकर महाराष्ट्र,आंध्रप्रदेश,छत्तीसगढ़ और बंगाल के अलावा विदेशी तत्व झारखंड में जो आग सुलगाने की तैयारी में है उसकी झलक कभी-कभी दिखती है जो कभी मदरसों से लेकर मंदिरों की बढ़ती संख्या, तो कभी पत्थलगड़ी से विकास रोकने के अभियान की बात करती तो कभी दिउड़ी मंदिर को 16 भुजी दुर्गा मंदिर नहीं दिरी बताती है तो बेड़ो के महादानी मंदिर को घेरने की बात करती है । सूत्रों का कहना है की झारखंड के गांव-गांव में जहां प्रशासन को भी जाने में झिझक महसूस होती है वहां गोल घेरे में जय झारखंड लिखी गाड़ियां रात दिन बे रोकटोक कैसे जाती हैं और विदेशी खासतौर पर अमेरिका मूल की कुछ स्वयंसेवी संस्थाएं क्या कार्य कर रही हैं और उनके पास जातीय धार्मिक जनसंख्या जन समूह को प्रभावित करने वाले लोगों की सूची का जो डाटा उपलब्ध है और उनमें से कुछ धार्मिक लोगों की विदेश यात्राओं की या दक्षिण भारत या दिल्ली यात्राओं की यदि एनआईए जांच करें तो झारखंड को भविष्य में सुलगने से बचाए जा सकता है। सबसे बड़ी भूमिका सोशल मीडिया के माध्यम से हो रहे दुष्प्रचार की है जिसपर सुरक्षा एजेंसियों को नजर रखनी चाहिए।

रांची के एक शिक्षण संस्थान में सीआईडी ने की छापेमारी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सीआईडी ने शनिवार को रांची के चुटिया थाना क्षेत्र के केतारी बगान घाट रोड स्थित पुष्पांजलि पैलेस भवन में संचालित हो रहे एक शिक्षण संस्थान में छापेमारी की। इस शिक्षण संस्थान पर कोई आधिकारिक बोर्ड भी नहीं पाया गया। वहीं, सीआईडी ने दस से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया है। लगभग दस से अधिक वाहनों में सवार होकर सीआईडी की टीम जैसे ही संस्थान पहुंची, वहां मौजूद लड़के-लड़कियों में अफरातफरी मच गई।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई नौकरी दिलाने के नाम पर युवाओं से ठगी के संदेह में की गई थी। फिलहाल, सीआईडी पूरे मामले की गहन जांच कर रहा है। जांच के बाद ही पूरा मामला स्पष्ट हो सकेगा।

● नौकरी के नाम पर ठगी की आशंका

● एक छात्र के शिकायत पर हुई छापेमारी

सीआईडी से मिली जानकारी के अनुसार ठगी का शिकार हुए एक छात्र ने झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता तक अपनी फरियाद पहुंचाई थी।

मामले का संज्ञान लेते हुए डीजीपी ने सीआईडी को जांच का जिम्मा दिया, जिसके बाद ट्रेनिंग सेंटर पर छापेमारी की गई। सीआईडी ने मामले की पुष्टि की है।

घुरती रथ यात्रा का आज होगा आयोजन

भगवान जगन्नाथ को लगा गुंडिचा का भोग

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जगन्नाथपुर मंदिर में आगामी रविवार (6 जुलाई) को घुरती रथ यात्रा का आयोजन होगा। रविवार को भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा मौसीबाड़ी से अपने धाम लौटेंगे।

इससे ठीक एक दिन पहले शनिवार को भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के श्रीविग्रहों को गुंडिचा (गंज) भोग लगाया गया। गुंडिचा (गंज) भोग का खास महत्व है। वैसे तीनों भगवान को सैकड़ों बार भोग अर्पित किए जाते हैं। लेकिन, भगवान को अर्पित किए जाने वाले गुंडिचा (गंज) भोग स्वामी जगन्नाथ को साल में सिर्फ दो ही बार अर्पित किए जाते हैं। एक बार रथ यात्रा (चलती रथ) के समय और दूसरी बार घूरती रथ (उल्टा रथ) यानी वापसी यात्रा से ठीक पहले।

श्रद्धालुओं की रही भारी भीड़

घुरती रथयात्रा के पूर्व शनिवार को बारिश की फुहारों के बीच भी भक्तों की भारी भीड़ रही। भक्त भगवान का दर्शन कर निहाल हुए। वे थाली, नारियल, सिंदूर, अगरबत्ती और माचिस की डिब्बियां लिए कतारबद्ध होकर मंदिर में प्रवेश का इंतजार करते नजर आए।

मुख्य पुजारी रामेश्वर पाढ़ी के अनुसार, गुंडिचा (गंज) भोग का गहरा संबंध भगवान जगन्नाथ की मौसीबाड़ी यात्रा से है। जब भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र गुंडिचा मंदिर (मौसीबाड़ी) जाते हैं, तब वहां रात को विशेष रूप से यह भोग अर्पित किया जाता है। मान्यता है कि देवी लक्ष्मी और गुंडिचा माता मिलकर यह भोग तैयार करती हैं, ताकि भगवान को घर वापसी से पहले विशेष रूप से तृप्त किया जा सके। इस भोग को प्रेम, क्षमा और पुनर्मिलन का प्रतीक भी माना जाता है।

जगन्नाथपुर मंदिर के प्रथम सेवक और सेवायित सह जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति के सदस्य ठाकुर सुधांशु नाथ शाहदेव के अनुसार, गुंडिचा (गंज) भोग एक पूर्ण सात्विक भोग है। इसमें खास तौर पर खिचड़ी (देशी घी में बनी सब्जियां), मिष्ठान्न (जैसे खीर, पुरी), मौसमी सब्जियों से बने व्यंजन, देसी चावल और मूंग की दाल को शामिल किया जाता है। यह भोजन पूरी तरह देवताओं के स्वाद और नियमों के अनुरूप तैयार होता है। माना जाता है कि गुंडीचा भोग देवी लक्ष्मी की भावनात्मक प्रतीकात्मक क्षमा याचना भी है, क्योंकि भगवान उन्हें बिना बताए मौसीबाड़ी चले गए थे।

गुंडिचा भोग भगवान को अर्पण करने के बाद भक्तों में प्रसाद रूप में वितरित किया जाता है। इसे ग्रहण करने से पाप नाश, मनोकामना पूर्ति और पारिवारिक सुख की प्राप्ति होती है। पुरी में यह परंपरा हजारों वर्षों से निभाई जा रही है और रांची के जगन्नाथपुर मंदिर में भी यह पूरी श्रद्धा के साथ मनाई जाती है।

मंत्री इरफान अंसारी ने दिल्ली में केसी वेणुगोपाल से की मुलाकात

- झारखंड में कांग्रेस पार्टी की स्थिति और भविष्य की रणनीतियों पर की चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री एवं कांग्रेस विधायक डॉ इरफान अंसारी ने दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल से शनिवार को मुलाकात की। वहां उनसे झारखंड कांग्रेस संगठन की स्थिति और भविष्य की रणनीतियों पर व्यापक चर्चा की। मंत्री ने शनिवार को प्रेस रिलीज जारी करते हुए कहा कि उन्होंने वेणुगोपाल को अपने विभागों की प्रगति कार्य रिपोर्ट और संगठन को मजबूत करने के लिए चल रहे प्रयासों की विस्तार से जानकारी दी है।

वेणुगोपाल ने अंसारी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मंत्री के समर्पण और ऊर्जा प्रेरणादायक है। संगठन को आप जैसे कर्मठ नेतृत्व की जरूरत है।

डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि वेणुगोपाल का मार्गदर्शन हमेशा प्रेरणादायी रहा है। वे पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ पार्टी और जनसेवा के कार्य करते रहेंगे। मौके पर मंत्री इरफान अंसारी के साथ बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला भी मौजूद थे।

प्रदेश कांग्रेस ने हातमा बस्ती में विद्यालय में किया पौधरोपण

रांची। प्रदेश कांग्रेस समिति की ओर से राजकीयकृत मध्य विद्यालय, हातमा बस्ती में शनिवार को पौधरोपण किया गया। इसका आयोजन राष्ट्रीय पौधरोपण सप्ताह के अवसर पर हुआ था। कार्यक्रम में कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव निरंजन पासवान, अरुण चावला, स्कूल के प्रधानाध्यापक संतोष मिश्र, डॉ जया कुमारी, सुष्मिता, स्वाति सिंह, नौमिता रुंडा, प्रियंका, अनुपा जायसवाल ने नीम, अमरुद, सीताफल और आम के पौधे लगाए। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों में टॉफियां भी वितरित की गई। पौधरोपण के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए प्राचार्य संतोष मिश्र ने उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं को अपने जीवनकाल में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने की शपथ दिलाई। मौके पर स्कूल के कई शिक्षक और छात्र-छात्राएं एवं अन्य लोग मौजूद थे।

दूसरा पंचशील नगर बनाने की है तैयारी

पंडरा पुल को घेर कर सात एकड़ 39 डिसमिल जमीन निगलने में लगे हैं रांची के भूमाफिया

- हेहल अंचल अधिकारियों को अतिक्रमण की नहीं है जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। नदी नालों का अतिक्रमण एक साजिश के तहत और पूरी प्लानिंग के साथ की जाती है। इसकी पूरी प्रक्रिया को अगर हम समझे तो इस तरह से समझ सकते हैं कि नदी नालों के बगल में सबसे पहले एक झोपड़ी बनाई जाती है झोपड़ी भी ना कहे है प्लास्टिक का एक तंबू लगाया जाता है। उसके बाद उसमें छोटी दुकान खोली जाती है, कुछ महीनो के बाद इस तंबू वाले प्लास्टिक लगाई दुकान के पीछे पक्का मकान बन जाता है। जानकारी मिलती है पक्का मकान बन रहा है लेकिन उसमें मैरिज हॉल या बड़े होटल चलने लगते हैं। इसी प्रक्रिया को दूसरे लोग भी पालन करना शुरू करते हैं और एक से दो से तीन करते हुए बढ़ते बढ़ते कई दुकानें, कई घर, कई शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बन जाते हैं। सिलसिला यहां तक ही नहीं रुकता, धीरे-धीरे इसके आसपास नदी की जमीनों का अतिक्रमण शुरू हो जाता है और भूमाफिया नदी के जमीन का सौदा करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। वे राज्य से बाहर के भी लोगों को रांची में जमीन कम मूल्य पर मिलने का लालच देते हैं। वे लालच में फंस जाते हैं और नदी नालों की जमीन का अतिक्रमण हो जाता है और जमीन की बिक्री हो जाती है। भू माफिया करोड़ों कमाते हैं और लोगों को कम लागत में राजधानी में बसने का आशियाना मिल जाता है सब खुश।

राष्ट्रीय नवीन मेल दैनिक समाचार पत्र के संवाददाता ने जब हेहल अंचल के अधिकारियों से बात की तो उन्होंने कहा कि पंडरा पुल के पास अतिक्रमण की जानकारी नहीं है वहां पंडरा पुल के पास के क्षेत्र को रातू अंचल का बताया है जबकि खतियान उस जमीन को हेहल अंचल का बताता है।

मगर जब बरसात का मौसम आता है और नदी का पानी नीचे उतरना शुरू हो जाता है तो लोगों के घरों में पानी घुसने शुरू हो जाते हैं गलियों में तीन से चार फीट तक पानी भरा होता है। ऐसा ही कुछ हाल पंचशील नगर में हुआ था इसके बाद से बरसात के मौसम में हाहाकार मच जाता है लेकिन हाहाकार की गूंज कहीं सुनाई नहीं देती है।

सुनाई देती है तो मीडिया की आवाज जो घरों के अंदर पानी घुसने की घटना की जानकारी प्रशासन तक पहुंचाते हैं। कोई आम आदमी बोलने को तैयार नहीं होता है और बोलेंगे भी कैसे नदी की भूमि पर घर जो बना रखे हैं। उन्हें इस बात का डर सताता है कि अगर वे पानी घुसने की शिकायत करेंगे तो उनके जमीनों का कच्चा चिट्ठा खोला जा सकता है और जब कच्चे चिट्ठे खोले जाएंगे तो पाया जाएगा की जमीन नदी की है और उस पर घर अवैध बने हैं।

इसी तरह की घटना हेहल अंचल अंतर्गत पंडरा पुल के पास की है। नदी के किनारे जमीन को अतिक्रमण किया गया सबसे पहले प्लास्टिक के तंबू की एक दुकान खोली बाद में उसके ठीक पीछे एक मकान बनाया गया। कमर्शियल काम शुरू हुए और लोग अच्छी कमाई कर रहे हैं। फिर और लोगों ने भी देखा कि किसी को कोई समस्या नहीं हो रही है न ही प्रशासन घर बनाने पर किसी को नहीं टोक रहा है तो और लोग भी घर बनाने लगे, दुकान खोली जाने लगी देखा देखी का यह सिलसिला चलता रहा और आज पंडरा पुल की नदी को घेर कर सात एकड़ 39 डिसमिल जमीन निगलने का प्रयास किया जा रहा है और दूसरे पंचशील नगर बनाने की तैयारी की जा रही है। इस घपले बाजी में सरकारी बाबू भी शामिल रहते हैं वहीं कुछ सफेदपोशो का भी हाथ होता है। कई ऐसे मामले आए हैं जिसमें सरकारी बाबू के मिली भगत की पुष्टि हुई है।

राज्य के छह जिलों में आज भारी बारिश की संभावना

- मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मौसम विभाग ने राज्य के छह जिलों के कुछ स्थानों पर रविवार को भारी बारिश होने की संभावना जताई है। राज्य के जिन जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान है, उनमें पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला -खरसावां, सिमडेगा, लोहरदगा और कोडरमा शामिल हैं। इसे लेकर मौसम विभाग ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, आठ जुलाई तक गर्जन, बारिश और 30-40 किमी की गति से तेज हवा चलने की आशंका है।

इधर, शनिवार को रांची और आसपास के इलाकों में बादल छाए रहे। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश धनबाद के पुटकी में 60.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

इस दौरान राज्य के अन्य इलाकों में भी बारिश दर्ज की गई। इनमें धनबाद 36.4, पालगंज 34.6, तोपचांची 34.6, जरमुंडी 31, बोकारो थर्मल 30, नारायणपुर 30, गोविंदपुर डीवीसी 29, महारो 26.4, दुमका 25.2, नंदाडीह 20, फुसरो 19 और जमशेदपुर में 18.9 मिमी शामिल है।

सावन में रांची से भागलपुर के बीच स्पेशल ट्रेन चलाई जाए : रघुवर

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने रेल मंत्रालय को एक पत्र लिखा है। अपने पत्र में उन्होंने श्रावणी मेले पर रांची से भागलपुर के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का आग्रह किया है। रघुवर दास ने पत्र में लिखा है कि श्रावणी मेला हिंदू धर्म के अनुयायियों के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है। इस दौरान हजारों श्रद्धालु रांची और आसपास के क्षेत्रों से सुलतानगंज से गंगाजल लेकर लगभग 105 किलोमीटर की पदयात्रा कर देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में जल अर्पण करने जाते हैं। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ने पत्र में लिखा है कि वर्तमान में रांची-भागलपुर एक्सप्रेस सप्ताह में केवल तीन दिन (मंगलवार, गुरुवार और शनिवार) चलती है। इससे श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है। रघुवर दास ने मांग की है कि 11 जुलाई से 31 अगस्त 2025 तक अन्य चार दिन (रविवार, सोमवार, बुधवार और शुक्रवार) भी विशेष ट्रेन का संचालन किया जाए। इससे अधिक से अधिक श्रद्धालु आसानी और सुरक्षित तरीके से यात्रा कर सकेंगे।

करमा हादसा मामले में सरकार को देना होगा हर एक जान का हिसाब : बाबूलाल

- कहा, यह कोई हादसा नहीं, हत्या है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि रामगढ़ के करमा प्रोजेक्ट में हुए दर्दनाक हादसे की खबर सुनकर मन अत्यंत व्यथित और आक्रोशित है। उन्होंने कहा कि हम इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हैं। यह मौत का सिलसिला अब बंद होना चाहिए। इस सरकार को हर एक जान का हिसाब देना होगा।

मरांडी ने शनिवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा, कोयले की अवैध खदान में हमारे कई श्रमिक भाइयों के दबे होने की आशंका है। मैं ईश्वर से उनकी सलामती की प्रार्थना करता हूं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। लेकिन यह कोई हादसा नहीं, यह हत्या है। यह हत्या उस भ्रष्ट और गैर जिम्मेदार सरकार की लापरवाही से हुई है, जो दिन के उजाले में चल रहे इस अवैध कारोबार से अपनी आंखें मूंदे बैठी है। कब तक झारखंड के गरीब यूं ही अपनी जान गंवाते रहेंगे?

नेता प्रतिपक्ष ने कहा, रामगढ़ हो या धनबाद, हजारीबाग हो या बोकारो, चौतरफा मौत का यह काला कारोबार फल-फूल रहा है और सरकार दावा करती है कि उसे कुछ पता नहीं। हर एक जान की जिम्मेदार यह राज्य सरकार है। यह अपराध किसके संरक्षण में हो रहा है, यह किसी से छिपा नहीं है। यह पूरी तरह से पुलिस और सरकारी संरक्षण में हो रहा है। जब राज्य को ही एक अवैध डीजीपी चला रहे हों, तो फिर किससे क्या ही पूछना? सीसीएल ने खदान बंद कर दी थी, लेकिन सरकार के नाक के नीचे माफिया ने उसे फिर से शुरू कर दिया। यह सरकार की नाकामी नहीं, तो और क्या है? बाबूलाल मरांडी ने कहा, हम इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हैं। यह मौत का सिलसिला अब बंद होना चाहिए। इस सरकार को हर एक जान का हिसाब देना होगा।

करमा खदान में हुए हादसे की उच्चस्तरीय जांच हो : नायक

- कहा, यह हादसा माफिया के संरक्षण में हो रहे अवैध खनन का खूनी परिणाम है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने शनिवार को कहा कि रामगढ़ जिले के कुजू ओपी क्षेत्र में सीसीएल करमा परियोजना की खुली खदान में आज सुबह हुए दिल दहलाने वाले हादसे ने एक बार फिर हेमंत सोरेन सरकार की नाकामी और भ्रष्टाचार को उजागर कर दिया है। चाल धंसने से चार गरीब मजदूरों, निर्मल मुंडा (42), वकील करमाली (55), इम्तियाज खान उर्फ लालू खान (38) और रामेश्वर मांझी (35), की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि, तीन अन्य, रोजिदा खातून (35), सरिता देवी (40) और अरुण मांझी (22), गंभीर रूप से घायल हैं। नायक ने कहा कि यह कोई सामान्य हादसा नहीं, बल्कि हेमंत सोरेन सरकार की लापरवाही और माफिया के संरक्षण में फल-फूल रहे अवैध खनन का खूनी परिणाम है।

विजय शंकर नायक ने घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे सीधे तौर पर दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग के लोगों की हत्या करार दिया और कहा कि यह हत्या उस भ्रष्ट व्यवस्था की है, जो दिन-रात अवैध कोयला खनन को संरक्षण दे रही है। सरकार की नाक के नीचे माफिया खुलेआम काला कारोबार चला रहे हैं और पुलिस-प्रशासन मूकदर्शक बने हुए हैं।

उन्होंने कहा, क्या यह संयोग है कि सीसीएल द्वारा बंद की गई खदान को माफिया ने फिर से शुरू कर दिया, और सरकार को इसकी भनक तक नहीं? यह सरकार की नाकामी नहीं, तो और क्या है? इन्होंने यह भी आगे कहा कि झारखंड के गरीब दलित, आदिवासी और मूलवासी रोजी-रोटी की तलाश में अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं और सरकार की लापरवाही उनकी जिंदगी छीन रही है। रामगढ़, धनबाद, हजारीबाग, बोकारो, हर जगह मौत का यह काला खेल बेरोकटोक चल रहा है। यह स्पष्ट है कि यह अपराध पुलिस और सरकारी संरक्षण के बिना संभव नहीं है। जब राज्य का नेतृत्व ही भ्रष्टाचार में डूबा हो, तो गरीबों की जान की कीमत क्या रह जाती है। विजय शंकर नायक ने राज्य सरकार से मांग की कि इस हादसे की उच्चस्तरीय जांच हो, जिसमें माफिया और उनके संरक्षकों का पदार्फाश हो। साथ ही, अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाई जाए और दोषी अधिकारियों व नेताओं को कठोर सजा दी जाए। उन्होंने मांग की कि मृतकों के परिजनों को 50 लाख रुपए मुआवजा और घायलों को मुफ्त इलाज व 5 लाख रुपए मुआवजा दिया जाए।

भक्तों की सेवा के लिए देवघर में सेवा शिविर लगाएगा न्यास

- 11 जुलाई से सभी कांवरिया, डाक बम, दंडी बम को दी जाएगी सेवा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बोलबम डाक सेवा न्यास सावन में इस वर्ष भी रांची सेवा शिविर के नाम से सुल्तानगंज-देवघर कांवरिया पथ पर गोविंदपुर गांव में कांवरियों की सेवा के लिए शिविर लगाएगा। यह सेवा शिविर कुमारसर से तीन किलोमीटर पहले (सुल्तानगंज से 30 किलोमीटर की दूरी पर) लगाया जा रहा है।

सेवा शिविर में भोले बाबा के भक्तों को शीतल जल, नींबू चाय, नींबू शरबत, दोपहर में नारायण सेवा (खिचड़ी), महाभंडारा का भोजन, दर्दनिवारक सेंक, दर्द निवारक दवाओं से सेवा प्रदान की जाएगी। 11 जुलाई 2025 से सभी कांवरिया, डाक बम, दंडी बम को यह सेवा दी जाएगी।

शिविर के लिए समिति के अध्यक्ष सागरमल अग्रवाल और मुरारी गोयल के नेतृत्व में शिविर सामग्री लेकर ट्रक को समिति के गण्यमान्य सदस्यों की उपस्थिति में हर हर महादेव के जयघोष के साथ रवाना किया गया। इस मौके पर समिति के रमेश अग्रवाल, सुनील सिंघानिया, सुनील जालान, गोपाल शर्मा, भरत बगड़िया, भरत अग्रवाल, संतोष जायसवाल, चमनलाल टांक, जुगल जालान सहित कई सदस्य मौजूद थे।

रांची विश्वविद्यालय के एसएस मेमोरियल कॉलेज में न्यूरोमार्केटिंग पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

दिमाग पर कब्जा, बाजार पर राज, यही है न्यूरोमार्केटिंग : डॉ तनुज

- न्यूरोमार्केटिंग ग्राहक और ब्रांड के बीच एक मानसिक संवाद है
- कस्टमर के दिमाग में उतर कर अपना टारगेट पूरा कर रहीं कंपनियां

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय के एसएस मेमोरियल कॉलेज के बीबीए विभाग में शनिवार को एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का विषय 'न्यूरोमार्केटिंग : उपभोक्ता के मस्तिष्क को समझना' था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बीबीए विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ तनुज खत्री ने कहा, आज के मार्केटिंग युग में वही मार्केटर या कंपनी टिक सकती है, जो ग्राहक के मस्तिष्क को समझती है, क्योंकि अब हमें उत्पाद हमारे सोचने के ढंग, भावनाओं और निर्णय लेने की क्षमता को ध्यान में रखकर बेचे जा रहे हैं।

डॉ तनुज ने न्यूरोमार्केटिंग की विस्तृत व्याख्या करते हुए बताया कि यह एक ऐसा क्षेत्र है, जो न्यूरोसाइंस (मस्तिष्क विज्ञान) और मार्केटिंग के संगम से बना है। इसके अंतर्गत यह अध्ययन किया जाता है कि ग्राहक किस प्रकार सोचता है, महसूस करता है, निर्णय लेता है और प्रतिक्रिया देता है।

डॉ तनुज खत्री ने स्पष्ट किया, आज की बड़ी कंपनियां न्यूरोमार्केटिंग की तकनीकों को प्रत्यक्ष रूप से शोध प्रयोगशालाओं में सीमित उपभोक्ताओं पर परीक्षण करती हैं, और अप्रत्यक्ष रूप से आम ग्राहकों तक ये प्रभाव वीडियो विज्ञापनों, ऐप डिजाइन और वेबसाइट लेआउट के माध्यम से पहुंचाया जाता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में ओटीटी ऐप्स, फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स, ई-कॉमर्स वेबसाइट्स और मोबाइल ऐप्स उपभोक्ता के ब्रेन रिस्पांस को ध्यान में रखकर अपने डिजाइन, रंग, फीचर्स और विज्ञापन तैयार करते हैं, जिससे ग्राहक का ध्यान खिंचे और भावनात्मक जुड़ाव बने। कार्यशाला में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं में रेशू सिंह, दीप्ति कुमारी, राजकुमारी, पल्लवी, शिवांश, तनु, प्रखर, मोहित सुजल, अरुणा, कृतिका, स्वीटी, अनमोल, राजलक्ष्मी, सिमरन साहिल जितेश ऋतिक, रौशन, रणबीर, अभिनव, श्रेया, माही, श्वेता, आयुष, मयंक, हर्ष, सौरभ, आदित्य, सूरज, शिवम आदि मौजूद थे।

कार्यशाला में इन प्रमुख बिंदुओं पर हुई चर्चा

- **न्यूरो मार्केटिंग क्या है :** ब्रेन सिग्नल्स, हार्ट रेट, आई ट्रैकिंग और ईईजी जैसी तकनीकों से यह जाना जाता है कि उपभोक्ता किसी विज्ञापन या उत्पाद पर कैसी प्रतिक्रिया देता है।
- **ब्रेन का रोल :** इंसानी दिमाग दो हिस्सों, भावनात्मक और तार्किक, में बंटा होता है। ज्यादातर खरीद निर्णय भावना से प्रभावित होते हैं, जिसे न्यूरोमार्केटिंग भलीभांति समझता है।
- **आई ट्रैकिंग :** यह तकनीक यह जानने में मदद करती है कि ग्राहक किसी विज्ञापन में सबसे पहले कहां देखता है, और सबसे ज्यादा ध्यान किस रंग या शब्द पर जाता है।
- **ब्रांडिंग में न्यूरोमार्केटिंग का उपयोग :** कई अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स अपने विज्ञापनों में न्यूरो तकनीकों का उपयोग कर उपभोक्ता की भावनात्मक प्रतिक्रिया को समझते हैं और उसी आधार पर अपने उत्पाद डिजाइन करते हैं।
- **रंग और डिजाइन का महत्व :** रंगों का हमारे दिमाग पर सीधा प्रभाव पड़ता है, जैसे लाल रंग भूख बढ़ाता है। इसलिए इसे खाद्य उत्पादों की ब्रांडिंग में अधिक उपयोग किया जाता है।
- **साउंड और सुगंध :** रिटेल स्टोर या ऐप पर उपयोग होने वाली ध्वनि और सुगंध ग्राहकों को मानसिक रूप से ब्रांड से जोड़ने का कार्य करती हैं।
- **उपभोक्ता व्यवहार :** ग्राहक अपने निर्णय केवल तर्क से नहीं, बल्कि भावनाओं, अनुभवों और स्मृतियों के आधार पर लेता है। यही न्यूरोमार्केटिंग का मूल आधार है।

रामविलास पासवान के विचार और संघर्ष पार्टी के लिए प्रेरणा : बीरेंद्र

नवीन मेल संवाददाता

रांची। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के संस्थापक रामविलास पासवान की जयंती पर शनिवार को रांची में स्मरण सभा और संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बीरेंद्र प्रधान के नेतृत्व में पार्टी कार्यालय में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में रामविलास पासवान के योगदान, विचारों और दलित-पिछड़ा समाज के प्रति उनके संघर्षों को याद किया गया। संगठनात्मक मजबूती, सदस्यता अभियान और भविष्य की कार्ययोजना पर भी विचार-विमर्श हुआ। इस मौके पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बीरेंद्र प्रधान ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया।

करोड़ों के एलिवेटेड कॉरिडोर में 4 किमी आने में लगते हैं 5 मिनट

कचहरी के पास पहुंचने के बाद बाहर निकलने में लग जाते हैं 20 मिनट

काजल मेहता। रांची। राजधानी रांची को करोड़ों के एलिवेटेड कॉरिडोर की सौगात मिली है। इस एलिवेटेड कॉरिडोर से लोगों को रातू रोड के जाम से निजात मिल गई है। एलिवेटेड कॉरिडोर के कारण घंटों का सफर मिनटों में पार हो जाता है। पिस्का मोड़ की ओर से कचहरी की ओर आने में सिर्फ 5 मिनट का समय लगता है, लेकिन परेशानी अब भी खत्म नहीं हुई है। कारण, कचहरी के पास पहुंचने के बाद वहां से किसी भी दिशा में जाने के लिए लगभग 20 मिनट का समय लग जाता है। खासतौर पर रातू रोड चौक जाने में सबसे अधिक समय लगता है। दूसरी तरफ, इटकी रोड से कॉरिडोर पर सिर्फ उतरने का प्रावधान है, ना की चढ़ने का। लेकिन, कुछ लोग जानबूझकर या अंजाने में चढ़ रहे हैं, जिस से लोगों को खुद ही परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इटकी रोड की तरफ कोई ट्रैफिक पुलिसकर्मी नहीं है, जो लोगों को हिदायत दे सके।

मिनी बसों की सड़क पर और चौराहे पर मनमानी पार्किंग

अंडर ग्राउंड पास में लोग कर रहे पार्किंग, ठेले वाले लगा रहे दुकान

यू टर्न के लिए बने अंडर पास में अवैध पार्किंग और दुकानें

कचहरी के पास उतरने के बाद गलत साइड से कचहरी की ओर बढ़ने वाले लोगों को और नागाबाबा खटाल की तरफ से कचहरी की तरफ जाने वाले लोग जो गलत डायरेक्शन से जा रहे हैं, उन्हें ट्रैफिक पुलिस के द्वारा हिदायत दी गई। वहीं, पुलिस का कहना है कॉरिडोर के नीचे किशोरी यादव चौक से पहले अंडर ग्राउंड पास है, जिस से लोग यू-टर्न लेकर सही डायरेक्शन में जा सकते हैं। हालांकि, वहां अभी किसी तरह का सांकेतिक बोर्ड नहीं लगाया गया है कि वहां अंडर ग्राउंड जगह किस लिए छोड़ा गया है। इस कारण लोग वहां कार पार्क कर रहे हैं, ठेले वाले अपना ठेला लगा रहे हैं, अन्य दुकानदार दुकान लगा रहे हैं। जाम का दूसरा बड़ा कारण है नागा बाबा खटाल के भीतर स जी दुकानदारों को जगह दिए जाने के बाद भी स जी विक्रेता सड़क पर स जी बेचते हैं।

मनमाने ढंग से लगती हैं मिनी बस और ऑटो

रातू रोड के पहले किशोरी यादव चौक पर एलपीएन शाहदेव चौक की तरफ जाने वाले रास्ते में मिनी बसें लगी रहती हैं। ऑटो चालक भी बेतरतीब ढंग से ऑटो खड़ी करके यात्री बैठाते रहते हैं, जिस से जाम की स्थिति अक्सर ही बनी रहती है। सैकड़ों ऑटो राजधानी में चलते हैं, जिसमे कई ऑटो बिना परमिट के भी चल रहे हैं, वे भी जाम का कारण बन रहे हैं। इसमें कई सवाल खड़े होते हैं। कोई व्यक्ति पिस्का मोड़ से कचहरी तक एलिवेटेड कॉरिडोर से 4 किमी का सफर 5 मिनट में करके आया और नीचे उतरने के बाद रातू रोड चौक, जो की 500 मीटर की दुरी पर है, जाने में उसे 20 मिनट का समय लग रहा है।

ऑटो वालों की मनमानी पार्किंग

वाहनों के परमिट की होगी चेकिंग : डीटीओ अखिलेश कुमार

डीटीओ अखिलेश कुमार ने राष्ट्रीय नवीन मेल दैनिक समाचार पत्र के संवाददाता से विशेष बातचीत में कहा कि पहले रातु रोड में बस स्टैंड था अभी भी स्टैंड की परमिट है क्या। यह चेक करना होगा। अगर परमिट है तो संशोधन की जरूरत होगी। वहीं सड़कों पर मिनी बसों के ठहराव पर बोले कि यातायात पुलिस के साथ मिलकर वाहनों के परमिट की जांच की जाएगी।

रांची उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण बैठक

पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक का आयोजन रांची के लिए गौरव की बात : उपायुक्त

- कहा, सभी कोषांग अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में समन्वय बनाकर कार्य करें

नवीन मेल संवाददाता। रांची

पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक 10 जुलाई 2025 को रांची में आयोजित होने जा रही है। इस महत्वपूर्ण बैठक के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस क्रम में शनिवार को रांची के उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपायुक्त ने कार्यक्रम के सुचारु और सफल आयोजन के लिए जिला स्तर पर गठित विभिन्न कोषांगों के वरीय पदाधिकारियों को उनके कार्यों और दायित्वों के निर्वहन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी कोषांगों को अभी से कार्य प्रारंभ करने का निर्देश देते हुए कहा कि इस बैठक का आयोजन रांची के लिए गौरव की बात है। रांची के उपायुक्त भजंत्री ने विशेष रूप से कहा कि सभी कोषांग अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में समन्वय बनाकर कार्य करें। उन्होंने सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, आतिथ्य, आवास, परिवहन, और अन्य सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध और व्यवस्थित रूप से पूरा करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही, उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को नियमित समीक्षा और प्रगति की निगरानी करने के लिए कहा, ताकि किसी भी स्तर पर कोई कमी न रहे। बैठक में उप विकास आयुक्त, सौरभ कुमार भुवनिया, अनुमंडल पदाधिकारी, उत्कर्ष कुमार, अपर समाहर्ता रांची, रामनारायण सिंह, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी रांची, केके राजहंस, पीडीआईटीडीए, संजय कुमार भगत, अपर जिला दंडाधिकारी राजेश्वरनाथ आलोक, जिला जन संपर्क पदाधिकारी रांची, उर्वशी पांडेय, सहित विभिन्न कोषांगों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। सभी अधिकारियों ने अपने-अपने कोषांगों के कार्यों की प्रगति और भावी योजनाओं पर चर्चा की।

उपायुक्त ने सभी कोषांगों से आपसी तालमेल और समयबद्ध कार्य निष्पादन सुनिश्चित करने का आह्वान किया, ताकि पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की यह अहम बैठक सफल हो सके।

एडमिशन दलाली को लेकर ऑडियो क्लिप हो रहा वायरल : अभिषेक झा

रांची। छात्र नेता अभिषेक झा ने शनिवार को कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) इन दिनों एक गंभीर शिक्षा घोटाले के कारण चर्चा में है। उन्होंने कहा कि हाल ही में एक ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें विश्वविद्यालय से जुड़े एक कथित एडमिशन दलाल को एक गरीब छात्र से 35,000 रुपए लेकर एडमिशन दिलवाने और 3000 रुपए लेकर परीक्षा में पास करवाने की बात करते सुना जा सकता है। वह यह भी कहता है कि उपस्थिति, पढ़ाई और फेल होने जैसी समस्याओं से घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि इस ऑडियो से स्पष्ट होता है कि विश्वविद्यालय में एक सुनियोजित दलाली सिंडिकेट सक्रिय है, जिसमें शिक्षकों, कर्मचारियों और बाहरी दलालों की संलिप्तता की आशंका जताई जा रही है।

कलकत्ता पब्लिक स्कूल में प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

- छात्रों ने प्रदर्शित किए 114 प्रोजेक्ट

नवीन मेल संवाददाता। रांची

ओरमांझी स्थित कलकत्ता पब्लिक स्कूल में शनिवार को छात्रों द्वारा वृहद प्रदर्शनी 'मंथन' का आयोजन किया गया। यह प्रदर्शनी दिन में 9:30 बजे से शुरू हुई। स्कूल के रेक्टर मिथिलेश कुमार मिश्र ने बताया कि भौतिकी, रसायन शास्त्र, जीव विज्ञान, गणित, मानवीकी, वाणिज्य, अंग्रेजी आदि विषयों से संबंधित कुल 114 प्रोजेक्ट छात्रों द्वारा प्रदर्शित किए गए। इस प्रदर्शनी में धरती की संरचना, मानव विकास से लेकर सिंधु घाटी सभ्यता, विभिन्न प्रकार के सिक्कों सहित वर्षा जल संरक्षण, कचरा निष्पादन, पवन ऊर्जा, हाइडल पावर प्रोजेक्ट, कचरा से विद्युत उत्पादन, चालक विहीन कार, जो आवाज एवं सेंसर द्वारा संचालित हो, विद्युत चुंबकीय प्रभाव (एटक), हृदय, किडनी, प्रकाश संश्लेषण, पत्तियों के विवरण, इलेक्ट्रोप्लेटिंग, गैलवेनाइजेशन, रेस्पिरेशन, मृदा संरचना, बैंकिंग बीमा क्षेत्र, मुद्रा का विकास क्रम, डिजिटाइजेशन, दूरबीन, श्रेणीबद्ध एवं समानांतर क्रम में विद्युतसंयोजन का प्रभाव, स्टार्टअप, वैदिक गणित, गणित पार्क, ज्यामिति पार्क, पाइथागोरस साध्यके प्रभाव, अंग्रेजी व्याकरण के विभिन्न अंग को जीवंत प्रोजेक्ट के माध्यम से दर्शाया गया। बताया गया कि विद्यालय के कुल 114 प्रोजेक्ट में प्राथमिक कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा तक के 500 से अधिक छात्रों ने अपने सहभागिता दी। समस्त प्रोजेक्ट विद्यालय समूह के वाइस चेयरमैन प्रभाष कुमार झा, प्राचार्य प्रियंवदा झा, विनीता चौधरी आदि के मार्गदर्शन में संपन्न हुए।

पौध-आधारित भोजन स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए बेहतर : अभिषेक

नवीन मेल संवाददाता। रांची

- डॉ हृषिकेश ने कहा, युवाओं में उचित आहार को बढ़ावा देना है इस वेबिनार का उद्देश्य

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और वीगन आउटरीच नामक संस्था के संयुक्त तत्वाधान में 'फूड-प्लैनेट-हेल्थ' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वीगन आउटरीच संस्था से अभिषेक दुबे (आउटरीच कोऑर्डिनेटर) ने वेबिनार के विषय पर प्रकाश डाला। अभिषेक दुबे ने बताया कि पशु-आधारित भोजन आज वैश्विक स्तर पर पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य और पशु पक्षियों के सामने गंभीर संकट उत्पन्न कर रहा है। अतः पौध-आधारित भोजन की ओर वापस मुड़ने की बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पौध-आधारित भोजन से अपनी आवश्यकता के सारे पोषक पदार्थ प्राप्त करके ज्यादा स्वस्थ रहा जा सकता है और साथ ही जलवायु परिवर्तन, प्रजातियों के विलुप्तीकरण, जंगलों की कटाई, भुखमरी आदि समस्याओं को कम किया जा सकता है। उन्होंने सभी से पौध-आधारित भोजन को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी भरा उपभोग आज संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास के लक्ष्यों में से एक है और इसपर कार्य करना हम सबकी प्राथमिकता होनी चाहिए। झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक डॉ हृषिकेश महतो ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को पर्यावरण-हितैषी, स्वास्थ्यवर्धक एवं मानवीय भोजन पद्धति अपनाने में बड़ा मददगार होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य धरती के संरक्षण के लिए युवाओं में उचित आहार को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के विभिन्न कार्यक्रम अधिकारी, प्राध्यापक एवं लगभग 100 विद्यार्थी मौजूद थे।

आज / कल

श्री श्याम मंदिर हरमू रोड में 2500 से ज्यादा भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

नवीन मेल संवाददाता। रांची

श्री श्याम मित्र मंडल ने हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में शनिवार को 162वें श्री श्याम भंडारा का भव्य आयोजन किया। भंडारे का प्रसाद 2500 से ज्यादा भक्तजनों ने प्राप्त किया।श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, मंत्री श्याम सुंदर शर्मा, उपमंत्री अनिल नारनौली, मनोज अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, मयंक, राहुल एवं परिवार के सदस्यों ने संयुक्त रूप से श्री श्याम भोग का भजन गायन किया। ठाकुर जी से भोग स्वीकार करने का अनुरोध किया। खाटूनरेश, बजरंगबली, शिव परिवार, लड्डू गोपाल जी, शालिग्राम जी, गरुड़ जी, गुरुजनों का भोग लगाकर महाप्रसाद को विशाल भंडारे में मिश्रित किया गया। अग्रवाल परिवार ने सर्वप्रथम मंदिर के आचार्यों को भोग प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद प्रथम देव श्री गणेश जी महाराज के जयकारों के बीच श्री श्याम भंडारे के प्रसाद का वितरण किया गया। श्री श्याम मंदिर में निर्मित प्रसाद में आज के भंडारे में नमक अजवाइन का पूड़ी, आलू चना की सब्जी एवं केसरिया जलेबी के प्रसाद का वितरण किया गया। श्री श्याम भंडारे में अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य अजय मारू, उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, गोपाल मुरारका, मनोज खेतान, मनोज अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, राहुल मारू, रतन शर्मा, अनुज मोदी, आशीष डालमिया, सन्नी टिबरेवाल, कमलेश सावा, वेद भूषण जैन, रोहन अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, कौशल चौधरी, कृष्णा अग्रवाल, हर्ष कुमार, मनोज खेतावत, उपेंद्र पांडे सहित 50 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने सहयोग किया।

मारवाड़ी सम्मेलन से संचालित अन्नपूर्णा सेवा में 425 लोगों ने किया भोजन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

- स्वर्णभूमि अन्नपूर्णा सेवा केंद्र में 215 और श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर अन्नपूर्णा सेवा केंद्र पर 210 लोगों को कराया गया भोजन

रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से संचालित दो अन्नपूर्णा सेवा केंद्रों में शनिवार को 425 जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। सबसे पहले पुरुलिया रोड स्थित स्वर्णभूमि अन्नपूर्णा सेवा केंद्र में 215 लोगों ने भोजन किया। वहीं, पहाड़ी मंदिर रोड स्थित श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर अन्नपूर्णा सेवा में 210 लोगों ने भोजन किया।

आज की अन्नपूर्णा सेवा अमृता गुप्ता (अमृता मेटल) द्वारा प्रायोजित थी। अन्नपूर्णा सेवा के संयोजक सुरेश चंद्र अग्रवाल ने इसे सेवा भाव की प्रेरणा बताते हुए माता अन्नपूर्णा से सभी के कल्याण की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए अन्नपूर्णा सेवा निरंतर चलती रहेगी। दोनों अन्नपूर्णा सेवा विगत चार वर्षों से प्रतिदिन निरंतर सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है। रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि दोनों अन्नपूर्णा सेवा स्व. सत्यनारायण नारसरिया एवं स्व. शारदा देवी नारसरिया की स्मृति में संचालित है। इसका संचालन रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन कर रहा है। इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन के जिला अध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार, महामंत्री विनोद कुमार जैन, प्रमोद अग्रवाल, पुरुषोत्तम विजयवर्गीय, प्रदीप नारसरिया, मनोज रुइया, द्वारका प्रसाद अग्रवाल, निर्भय शंकर हरित, सांवरमल बुधिया, संजय सर्राफ, रमेश बंका सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

कैलाश राय की कबड्डी टीम क्षेत्रीय स्तर पर विजेता बनी

नवीन मेल संवाददाता

कोडरमा। कैलाश राय सरस्वती विद्या मंदिर झुमरी तिलैया की कबड्डी टीम विद्या भारती द्वारा आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में उत्तर पूर्व क्षेत्र अर्थात बिहार और झारखंड मे चैंपियन बनी। यह विदित है कि यह टीम सर्वप्रथम प्रांत स्तर पर अर्थात पूरे झारखंड में चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त की थी। कबड्डी की यह प्रतियोगिता हजारीबाग में आयोजित की गई थी। हजारीबाग में विजयी होने के पश्चात टीम को भागलपुर जाने का अवसर प्राप्त हुआ। भागलपुर में भी अपनी टीम सभी प्रतियोगिताओं को जीतकर प्रथम स्थान पर रही। आज उस टीम के सभी खिलाड़ी भैया और टीम के कोच धीरज कुमार पांडे को हजारीबाग विभाग के प्रमुख ओमप्रकाश सिन्हा और प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष नारायण सिंह, सचिव अनुराग सिंह, और कोषाध्यक्ष नवल कुमार के द्वारा सबों को सम्मानित कर उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए विभाग प्रमुख ओमप्रकाश सिन्हा ने कहा यह विद्यालय के लिए गौरव के क्षण हैं। अतिथि परिचय मनोज कुमार सिंह मंच संचालन प्रदीप कुमार और आभार ज्ञापन नीरज कुमार के द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य रामानुज पांडेय, विजय मिश्रा, वीरेंद्र प्रसाद, वीरेंद्र मिश्रा, विजय तिवारी, उमाशंकर कुमार, दीपक विश्वकर्मा, पवन शर्मा, कुमार मुरलीधर, चंद्रशेखर कुमार, मुन्ना सिंह, जितेश महतो, किशोर प्रसाद, रंजीत कुमार, अशोक कुमार, श्वेता श्रीवास्तव, रानी प्रसाद, शर्मिष्ठा शाहा, अर्चना सिंहा, सोनिया, संजना कुमारी आदि आचार्य जी और दीदी जी उपस्थित थे।

मोहर्रम को लेकर निकाला गया फ्लैग मार्च

बुढ़मू। मोहर्रम को लेकर बुढ़मू चौक से चकमे, मतवे तक फ्लैग मार्च किया गया. जिसमें मुख्य रुप से खलारी ग्रामीण डीएसपी राम नारायण चौधरी के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकला गया, जिसमें मांडर सर्किल इंस्पेक्टर शशि भूषण चौधरी, ठाकुर गांव थाना प्रभारी विनीत कुमार, बुढ़मू थाना प्रभारी रितेश कुमार, एसआई संजीव कुमार, मंडार थाना प्रभारी अरविंद कुमार,शामिल हुए. इस और कई पदाधिकारी और पुलिस जवान मौजूद रहे. मोहर्रम को लेकर शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी और सामाजिक तत्वों पर नजर रखे जा रही हैं.।सोशल मीडिया पर भी पुलिस की पैनी नजर हैं, माहौल बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्ती से बुढ़मू ठाकुर गाँव, और मांडर पुलिस निपटेगी. मोहर्रम के जुलूस को लेकर ट्रैफिक में बदलाव भी किया गया हैं।पांच से छह की संख्या में विभिन्न चौक चौराहा पर जवान तैनात किए जा रहे हैं. डीएसपी रामनारायण चौधरी ने कहा कि फ्लैग मार्च का मकसद लोगों को यह भरोसा दिलाना है कि वे निर्भीक होकर मुहर्रम मनाएं. शांति भंग करने की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी. और कहा की जुर्माना के साथ जेल भी जाना पड़ेगा।

न्यूज बॉक्स

अंडर-17 सब जूनियर विश्व कुश्ती के चयन ट्रायल के लिए स्नेहा व प्रशिक्षक बबलू दिल्ली रवाना

रांची। अंडर 17 सब जूनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2025 के लिए भारतीय कुश्ती टीम का चयन ट्रायल दिनांक 7 जुलाई 2025 को आईजी स्टेडियम दिल्ली में आयोजित किया गया है। उक्त चयन ट्रायल में पिछले महीने राष्ट्रीय प्रतियोगिता की पदक विजेता झारखण्ड की पहलवान स्नेहा कुमारी) इसके लिए क्वालीफाई की है जो भाग लेने के लिये आज राँची से दिल्ली रवाना हुए एवं साथ मे उनके प्रशिक्षक बबलू कुमार शामिल हैं। झारखंड के पहलवानो को विश्व कुश्ती प्रतियोगिता के लिए चयन ट्रायल में उम्दा प्रदर्शन करने के लिए, झारखंड राज्य कुश्ती संघ के अध्यक्ष-श्री जीशान कमर, खेल निदेशक- श्री शेखर जमुआर, अभिभावक-के रवि कुमार,हमारे मार्गदर्शक-भोलानाथ सिंह, महासचिव-रजनीश कुमार, बिजय शंकर सिंह, सभी जिला कुश्ती अध्यक्ष/ सचिव एवं झारखंड राज्य कुश्ती परिवार एवं खेल विभाग झारखंड तथा JSSPS के पदाधिकारीयों द्वारा शुभकामनाएं दी गई।

कोडरमा की कबड्डी खिलाड़ी मनीषा का चयन इंडिया कैंप में

कोडरमा। आगामी 22 से 31 अक्टूबर 2025 तक बहरीन में आयोजित होने वाली तीसरी एशियन यूथ गेम्स 2025 के लिए भारतीय कबड्डी बालक एवं बालिका टीम के चयन को अंतिम रूप दिया जाना है। इसके लिए इंडिया कैंप लगाया जा रहा है। इस कैंप में झारखण्ड राज्य अंतर्गत कोडरमा जिले की होनहार बालिका खिलाड़ी मनीषा कुमारी का चयन हुआ है। उक्त की जानकारी कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड के अध्यक्ष गोपाल ठाकुर ने एकेएफआई द्वारा प्राप्त पत्र के आलोक में दी। विदित हो किए केएफआई के महासचिव ने पत्र में विगत दिनों हरिद्वार में सम्पन्न प्रथम राष्ट्रीय अंडर 18 बालक एवं बालिका कबड्डी प्रतियोगिता में मनीषा ने जर्सी नंबर 5 पर लेफ्ट कवर खेलते हुए अपना उल्लेखनीय प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं के नजर में अपना स्थान बनाने में सफलता प्राप्त करने का जिक्र करते हुए शुभकामना प्रेषित किया है। मनीषा के चयन पर बधाई देते हुए एसोसिएशन के चेयरमेन बिपिन कुमार सिंह ने बताया कि विंध्यवासिनी के बाद झारखण्ड की एक और महिला खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय बनने की ओर अग्रसर है, इससे पूरे कबड्डी परिवार में उत्साह एवं हर्ष का माहौल है।

बेड़ो में बारिश से गरीब मजदूर का कच्चा घर क्षतिग्रस्त

बेड़ो। बेडो.प्रखंड के करांजी गांव में शनिवार को भारी बारिश की चपेट में आकर एक गरीब परिवार का आशियाना उजड़ गया। करांजी गांव की सरोज मिंज पति सुकरा मिंज का कच्चा मकान का एक बड़ा हिस्सा तेज बारिश के कारण भरभराकर गिर गया। सरोज मिंज और उनके पति दैनिक मजदूरी कर अपने चार बच्चों का पालन-पोषण करते हैं। पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहे इस परिवार पर अब छत का भी सहारा नहीं बचा है। ग्रामीणों के अनुसार, परिवार के पास कोई दूसरा मकान या जमीन नहीं है, जहां वे अस्थायी रूप से भी शरण ले सकें।

मोहर्रम आज, मंगलवार को घाघरा और बुधवार को करांजी में निकाल जाएगा ताजिया जुलूस

बेड़ो। बेडो. और लापुंग प्रखंड में मोहर्रम के मौके पर अलग-अलग इमामबाडाओं में रविवार को मातमी जुलूस का आयोजन किया जाएगा। वहीं घाघरा और सिंगार सरई का संयुक्त रूप से मंगलवार को ताजिया जुलूस एवं मेला का आयोजन किया जाएगा। जबकि करांजी गांव में बुधवार को ताजिया जुलूस निकाला जाएगा और मोहर्रम मेला का आयोजन किया जाएगा। हाठू गांव में पूरी सादगी के साथ मातमी जुलूस का आयोजन होगा। इस दौरान मसिया पतराटोली, केनाभिट्ठा, महरू, कादोजोरा और हाठु गांव का संयुक्त रूप से लगने वाला मेला और ताजिया जुलूस स्थगित कर दिया गया है। इस दौरान इमामबाड़ा में ही शांतिपूर्ण तरीके से मातमी जुलूस का आयोजन किया जाएगा। उधर मोहर्रम को लेकर तुको, चचकोपी, केशा सहित अन्य गांवों में सादगी के साथ मातमी जुलूस का आयोजन किया जाएगा। वहीं नरकोपी थाना क्षेत्र के मंदरो, बिल्टी और नरकोपी सहित दर्जनों गांवों के लोगों से शांति पूर्ण तरीके से मोहर्रम मनाए जाने को लेकर नरकोपी पुलिस थाना प्रभारी नागेश्वर साव के नेतृत्व में पूरी तरह अलर्ट है। संवेदनशील स्थानों पर विशेष चौकसी से बरतने का निर्देश दिया गया है।

खलारी में मुहर्रम नवमी पर निशान के साथ निकला अखाड़ों का जुलूस

खलारी। कोयलांचल क्षेत्र में मुहर्रम पर्व को लेकर शनिवार की संध्या विभिन्न अखाड़ों से नवमी का जुलूस निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए। जुलूस निशान और गाजे-बाजे के साथ अपने-अपने क्षेत्रों से निकला और फिर अखाड़ों में लौट आया। इस दौरान युवाओं ने लाठी-डंडों से हैरतअंगेज करतब दिखाए, जिसने लोगों का दिल जीत लिया। मुहर्रम के मद्देनजर शनिवार को दसमी का विशाल जुलूस निकाला जाएगा और पहलाम का आयोजन होगा। इसके लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बैंक चौक में लगने वाले पारंपरिक मुहर्रम मेले की भी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस मेले में क्षेत्र के दर्जनों गांवों और मोहल्लों से लोग जुटते हैं और अपने-अपने अखाड़ों का प्रदर्शन करते हैं। प्रशासन ने भी सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं।

मुरी रिटायरमेंट कोलोनी में घुरती रथ का हुआ समापन

सिल्ली/मुरी:-शनिवार के दिन कॉलोनी में घुरती रथ को लेकर कॉलोनी स्थित शिवशक्ति मन्दिर में शाम 5 बजे कॉलोनी की महिलाएँ और बच्चे एकत्र हुए , जहाँ विश्राम कर रहे भगवान् जगन्नाथ को शंख व घन्टा बजा कर जगाया। तत्पश्चात् विधिवत पूजा अर्चना कर बच्चों द्वारा सुसज्जित रथ में सवार करा कर खिंचते हुए पुरा कॉलोनी में भ्रमण कराया गया। इस दौरान जय जगन्नाथ के नारे भी लगते रहे। कॉलोनी के रास्ते में द्वार पर खड़े श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद भी वितरण किया गया। इस रथयात्रा को सफल बनाने में अनिमा विश्वास,तापसी नाथ,रजन्ती देबी,शान्तनु आदि का सराहनीय योगदान रहा।

आजसू की खूंटी की बैठक का हुआ समापन

खूंटी। अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) की बैठक बिरसा कॉलेज खूंटी में बैठक हुई । बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष बबलू महतो, एवं राजेश सिंह, रोशन नायक, अमन साहू उपस्थित हुए।ैठक में संगठन के मजबूती, एवं विस्तार ,कॉलेज कमिटी,महानगर कमिटी जिला कमिटी को पुनः गठन एवं आगामी कार्यक्रम इत्यादि विषय को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक बिरसा कॉलेजों में कमिटी बनाने तथा महानगर कमिटी बनाने हेतु 5 सदस्य संयोजक मंडली का गठन किया गया। बिरसा कॉलेज खूंटी से विशेष चौहान, अनिल लिंडा, डेविड दौड़ाई, रोहित सहदेव शामिल हैं। खूंटी महानगर कमिटी में अनमोल कुमार, विवेक गुप्ता, आकाश गुप्ता,माखन कुमार, अतुल सिंह हैं। इस बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष बबलू महतो,कुश साहू, अनुज कुमार,राजेश सिंह,रोशन नायक,अमन साहू,जगरनाथ भेंगरा,सचिन टोप्पो,अनुराग नाग, आकाश कुमार,योगेश कुमार,सौरभ ,हर्षवर्धन ,सचिन टोप्पो,इत्यादि उपस्थित थे ।

पिठौरिया पुलिस की बड़ी कार्रवाई चार घंटे में हत्यारा गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

पिठौरिया। पिठौरिया थाना क्षेत्र के मुरेठा गांव में पाहन टोली गुरेढ़ा निवासी राजेश मुंडा (38) हत्याकांड के आरोपी प्रदीप मुंडा(36) को प्राथमिकी दर्ज होने के चार घंटे के भीतर पुलिस ने गिरफ्तार किया.घटना गुरुवार शाम की है.इस संबध में थाना प्रभारी अभय कुमार ने बताया कि मृतक राजेश मुंडा गुरुवार सुबह लगभग 7 बजे असाढ़ी पूजा करने चिरवा गांव गया हुआ था.जिसकी देर शाम हत्या कर दी गई.देर रात तक घर नहीं लौटने पर घरवाले खोजबीन किया. शुक्रवार सुबह मृतक का शव मुरेठा जाने वाले रास्ते में झाड़ी के बीच मिला.जिसकी जानकारी पिठोरिया पुलिस को दिया.इस मामले में मृतक की पत्नी रीना देवी ने प्राथमिकी दर्ज करायी.उसके पश्चात पुलिस व एफएसएल की टीम ने जांच शुरु की.जानकारी मिला कि घटना के दिन मृतक राजेश को चिरवा निवासी प्रदीप मुंडा पिता स्व. मनेश पाहन ने जबरन शराब पिलाया था.वहीं मृतक के साथ प्रदीप मुडा पाहन टोली घर पंहुचाने के क्रम में उसकी हत्या मुरेठा के रास्ते में कर दिया और शव को झाड़ियों के बीच छुपा दिया.पुलिस द्वारा आरोपी प्रदीप मुंडा से सख्ती से पूछताछ में बताया कि असाढ़ी स्थल से मुर्गा के मांस घर ले जाने के क्रम में मृतक से कहा सुनी से मारपीट की नौबत आ गई.इसी बीच प्रदीप ने राजेश के सिर पर पत्थर से कूचकर हत्या कर दी.जिससे उसकी मौत हो गई.पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में युक्त दो बड़ा व दो छोटा पत्थर व आरोपी के कपड़े में लगा खून बरामद किया है.पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

अनुमंडल पदाधिकारी ने निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर की तैयारियों का लिया जायजा

कोडरमा। जिला प्रशासन कोडरमा एवं इम्पैक्ट इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में लाईफलाईन एक्सप्रेस प्रोजेक्ट के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।उपायुक्त कोडरमा के निर्देशानुसार अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह द्वारा कोडरमा जंक्शन रेलवे स्टेशन पहुंचकर स्वास्थ्य कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी पदाधिकारियों को समय पर आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने टोकन काउंटर, रजिस्ट्रेशन काउंटर, ट्रैफिक व्यवस्था समेत अन्य व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए, ताकि कार्यक्रम में आने वाले नागरिकों को कोई असुविधा न हो।इस अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार रवि एवं इम्पैक्ट इंडिया फाउंडेशन के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

"सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ" छात्रों चलाया जागरूकता अभियान

झूमरी तिलैया। भारत सरकार के "सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ" अभियान के तहत झुमरीतिलैया नगर परिषद के द्वारा गुरुवार को ग्रीजली पब्लिक विद्यालय में छात्रों के बीच स्वच्छता को लेकर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। इस दौरान नगर प्रबंधक रणधीर कुमार ने बारिश से होने वाले नए-नए बीमारियों से बचाव के उपाय बताएं। इस दौरान उन्होंने छात्रों को अपने आसपास व मोहल्लों में सफाई रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए सफाई रखना जरूरी है। उन्होंने छात्रों को सूखे व गीले कचरे को कैसे अलग-अलग डस्टबिन में डालें, इज़के भी उपाय बताए। वहीं स्कूली बच्चों से बिस्कीट के रैपर व पॉलीथिन को जहां तहां नहीं फेंकने की अपील की गई। उन्होंने कहा कि ऐसे चीजों को अपने पॉकेट में रखकर जहां डस्टबिन मिले, उसी में फेंकने की आदत डालें। इससे हमें कई तरह की बीमारियों से छुटकारा मिलने की संभावना बढ़ती है। वहीं उन्होंने डायरिया जैसी बीमारी को लेकर विशेष ध्यान रखने की भी अपील की। उन्होंने बताया कि डायरिया होने की स्थिति में सबसे पहले ओआरएस का इस्तेमाल करें। अगर यह भी नहीं मिले तो पानी को गर्म कर हल्का चीनी और नमक मिलाकर घोल बना लें। वही विद्यालय की प्राचार्या नीरजा ने छात्रों को हरे और नीले डब्बे के बारे में जानकारी दी। साथ ही छात्रों से अपील किया कि वे अपने से बड़ों को भी समझाएं कि सूखा व गीला कचरा अलग-अलग कूड़ेदान में ही डालें। इस मौके पर विधि सहायक मुन्नालाल, गृह रक्षक के जवान व आदि कई लोग मौजूद थे।

रांची नगर निगम ने डीएवी आनंद स्वामी में वितरित किए सैकड़ों पौधे

रांची। रांची नगर निगम ने शनिवार को डीएवी आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल, वेस्टर्न पार्क, हेहल के सैकड़ों विद्यार्थियो के बीच 100 फलदार पौधों का वितरण किया। इसमें सैकड़ों छात्र-छात्राओं को संस्था की ओर से पर्यावरण संबंधित कई महत्त्वपूर्ण जानकारियां भी दी गइं। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रांची नगर निगम के उप प्रशासक गौतम कुमार साहू, सौरभ केशरी सहायक अभियंता, स्कूल की प्राचार्या रोशी वाधवानी, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, समाजसेवी अतींद्र नाथ वैद्य, सुधाकर यादव, रौशन कुमार, स्कूल के कई शिक्षक-शिक्षिकाएं जैसे जॉली नंदी, सुषमा ठाकुर, कविता जय सवाल, विभा मिश्रा, दिव्या कुमारी, आरती कुमारी, कामनी त्रिवेदी आदि उपस्थित थे।

दस मुहर्रम को इमाम हुसैन की शहादत हुई थी

चान्हो। मोहर्रम इस्लाम कैलेंडर के पहला महीना चांद दिखने के 10 दिन बाद यौमे आशूरा को हजरत हुसैन और यजीद के बीच घमासान लड़ाई में हज़रत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों को यजीद के फौजियों ने शहीद कर दिया। हजरत इमाम हुसैन की शहादत सत्य और अहिंसा पर आधारित थी। इन्होंने अपनी गर्दन कटा कर इस्लाम की लाज रख दी और पूरी दुनिया को यह संदेश दिया कि असत्य और नाइंसाफी के आगे सर नहीं झुकाया जाए। यौमे आशूरा यानी दसवीं मोहर्रम के दो दिन पहले ही यजीद के लश्करों ने इमाम हुसैन के साथियों का खाना पीना बंद कर दिया था और छोटे-छोटे मासूम बच्चे और औरतें भूख और प्यास से बिलख रही थी। यजीद ने मासूम बच्चों और औरतों को भी कर्बला में शहीद कर दिया। ह हजरत मोहम्मद सल्ल के बताये नीति और सिद्धांत से अलग होकर एक नया इतिहास रचे और इस्लाम की नीति और सिद्धांत को सदा के लिए समाप्त कर दिया जाय। लेकिन इस्लाम के खातिर अपनी जान शहादत करने वाले ईमाम हुसैन ने दुनिया के मुसलमानो को यह संदेश दिया कि इस्लाम में शहादत का मर्तबा क्या है।

तिसरी के खिजुरी पंचायत में मनरेगा कूप में 99348 रुपए की अवैध निकासी का आरोप

तिसरी (गिरिडीह)। तिसरी प्रखंड के खिजुरी पंचायत में मनरेगा द्वारा किए जा रहे कूप निर्माण कार्य में फर्जीवाड़े का आरोप लगा है। शिकायतकर्ता ने तिसरी के प्रखंड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार को आवेदन देते हुए विवादित जमीन पर योजना संचालित कर लगभग लाख रुपये अवैध तरीके से निकालने की सुचना दी है। शिकायतकर्ता पंचायत के निमाड़ीह निवासी संतोष कुमार यादव ने दिए गए आवेदन में बताया है कि उनके जमीन के हिस्से का बंटवारा अब तक नहीं हुआ है। इसको लेकर हुई पंचायती में यह निर्णय लिया गया था कि जब तक किसी का बंटवारा न हो तब तक उक्त जमीन पर कोई भी कार्य नहीं करेगा। लेकिन उक्त जमीन पर अमोला देवी पति आनंदी यादव के नाम से मनरेगा के तहत कूप निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। जिसकी योजना संख्या 7080903032864 है। उन्होंने बताया कि कुएँ का गड्ढा करने के लिए 4 जुलाई की रात को अचानक उनके जमीन पर जेसीबी मशीन पहुंचा।

डुमरी पुलिस ने अवैध शराब के विरोध की छापामारी

डुमरी। मोहर्रम के मद्देनजर अवैध शराब के विरोध छापामारी अभियान चलाया गया जिसमें लालमणि मंडल , होरीन मंडल थाना डुमरी के यहां से (जो चिकन बनाते हैं) उनके दुकान से स्ट्रगलिंग b7 का 8 बोतल,स्ट्रिंग्लिंग b7 का दो हाफ बोतल, गॉडफादर बियर कैन 48 पीस, गॉडफादर बियर बोतल 18 पीस, बेड मंकी बियर बोतल 32 पीस जप्त किया गया। संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कांड दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

मोहर्रम का जुलूस आज: मेन रोड में पुलिस ने निकाला किया फ्लैग मार्च

शहर के 15 रास्तों में वाहनों की नो इंट्री, नहीं कटेगी बिजली

नवीन मेल संवाददाता। रांची

"मुहर्रम जुलूस को लेकर शहर के ट्रैफिक रूट में बदलाव किया गया है। शहर के प्रमुख 15 मार्गों पर रविवार की सुबह 10 बजे से जुलूस की समाप्ति तक वाहनों की नो एंट्री की गई है। जुलूस वाले रूट में निजी व यात्री वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। इससे संबंधित आदेश ट्रैफिक एसपी कैलाश करमाली ने जारी कर दिया है। "ट्रैफिक पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक नो इंट्री वाले रूट पर बैरिकेडिंग कर 150 से ज्यादा अतिरिक्त ट्रैफिक जवानों को तैनात किया गया है। ट्रैफिक एसपी ने कहा है कि शहर के अन्य किसी भी रास्ते पर मुहर्रम जुलूस के दौरान यातायात व्यवस्था में बदलाव की आवश्यकता होती है तो की जाएगी। "झारखंड गठन के बाद पहली बार मुहर्रम जुलूस के दौरान बिजली नहीं कटेगी। जेवीवीएनएल ने पहले ही इसका एसओपी जारी कर दिया है। अब इसका पालन कराने की जिम्मेवारी जिला प्रशासन, स्थानीय थाना, कार्यपालक एवं सहायक विद्युत अभियंता की होगी।

साइबर अपराध कर रहे अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मास्टर माइंड हैं तीनों आरोपी कई तरह से ठगते थे रूपए

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पुलिस के द्वारा तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। जिसकी जानकारी शनिवार को डीआईजी सह एसएसपी ने प्रेस वार्ता के दौरान दी। उन्होंने बताया कि चार जुलाई को सुचना मिली थी की नामकुम थाना क्षेत्र अन्तगत महुआटोली स्थित एक घर में कुछ बाहर के साईबर अपराधियों द्वारा साईबर ठगी किया जा रहा है। जिसके बाद सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए एसएसपी के आदेश पर ग्रामीण एसपी के निर्देशन में एक छापामारी दल का गठन किया गया। त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम महुआटोली के पास पहुंची और आस-पास के लोगों से पुछताछ में जानकारी मिली की अमित कुमार के मकान में कुछ बाहर के लड़के आकर रह रहे हैं। छापामारी टीम के माकन का दरवाजा खुलवाया गया पुलिस को देख कर मौजूद तीन व्यक्ति घर से निकलकर छत की ओर भागने लगे। जिन्हें पुलिस के द्वारा पकड़ लिया गया। मकान की तलाशी लेने पर पकड़ाये हुए अपराधी के कमरे से मोबाईल, स्टाम्प, आधार कार्ड, डेबिट कार्ड, गलोबल कार्ड, चेक बुक, बैंक पासबुक, रजिस्टर, कुपन, प्रिंटर, कैश एवं स्कुटी बरामद किया गया।

ताजिया जुलूस को लेकर वाहनों के मार्ग में किया गया परिवर्तन

शांतिपूर्वक मनाया जा रहा मुहर्रम का पर्व

पुलिस निरीक्षक व थाना प्रभारी ने जुलूस में भांजी लाठियां

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र में मुहर्रम का पर्व अकीदत के साथ मनाया जा रहा है. शनिवार की सुबह मुहर्रम नवमी का जुलूस बरकट्ठा में निकाला गया. जुलूस में बरकट्ठाडीह, कोनहराखुर्द मजार शरिफ, बरकट्ठा एवं बरवां गांव के लोग निशान, ताजिया एवं गाजेबाजे के साथ क्षेत्र का भ्रमण किया. बरकट्ठा चौक और थाना परिसर में जुलूस एकत्रित होकर पहुंचीं. जहां ताज क्लब, गुलशन क्लब, आजाद क्लब समेत अन्य क्लबों के खिलाड़ियों ने अस्त्र शस्त्र के साथ अपने कला कौशल का प्रदर्शन किया. पुलिस निरीक्षक इमदाद अंसारी और थाना प्रभारी गौतम उरांव ने एक दूसरे के साथ तलवार और लाठी का परिचालन किया. मुहर्रम पर विभिन्न अखाड़ों के द्वारा आकर्षक ताजिया बनाया गया है. पर्व को लेकर ग्राम कोनहराखुर्द, सक्रेज, कोनहराकला, घंघरी, जमुआ, शिलाडीह, बेडोकला, कलहाबाद में भी जुलूस निकाली गई. प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर कर्बला एवं इमामबाड़ों में धर्मावलंबियों ने नवमी को पहुंच कर चादर पोशी, फातेहा कर अपनी नेक मुरादे मांगी. जुलूस में झामुमो पूर्व जिला उपाध्यक्ष यासीन खान, पूर्व जिप सदस्य प्रतिनिधि कलीम खान, मौलवी मेराज खान, नसीम खान, गफ्फार खां, मो जसीम, अब्दुल शकूर अंसारी, खलील अंसारी, मिन्हाज अहमद, हाजी फहीम खां, जया अहमद, अयान अहमद, समीर अहमद, इकबाल अंसारी, बबलू खान, अनवर हुसैन, मो सत्तार, इमरान खान, नाजीस खान, मो सद्दाम, आजाद अंसारी, बबुनी मियां समेत अन्य लोग शामिल थे।

सिर्फ हजारीबाग रोड की ओर से आने-जाने वाले वाहन ही बरही चौक से गुजरेंगे: सीओ

बरही। मुहर्रम जुलूस शांतिपूर्ण संपन्न करवाने को लेकर स्थानीय प्रशासन पूरी तरह तैयार है. इसके लिए विशेष पुलिस बल और दंडाधिकारी नियुक्त किए गए हैं. सीओ अमित कुमार किस्कू ने बताया कि जुलूस के दौरान ट्रैफिक बाधित नहीं हो इसके लिए वाहनों के मार्ग में भी आवश्यक परिवर्तन किए गए हैं. उन्होंने बताया कि धनबाद की ओर से आने वाली सभी वाहन बिलैतिया मोड़ से बाईपास होते हुए जाएगी. जिसमे धनबाद की ओर से पटना जाने वाली वाहन बाईपास मार्ग से होते हुए पेट्रोल पम्प के समीप से सर्विस रोड का प्रयोग करते हुए ओवर ब्रिज के नीचे से गुजरेगी. चौपारण की ओर से भी तिलैया जाने वाली वाहन भी इसी मार्ग से जायेंगे. गया रोड या हजारीबाग रोड की ओर से आनेवाले वाहन ही बरही चौक से होकर जायेगी. उन्होंने बताया कि प्रत्येक मोड़ पर दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त किए गए हैं जो वाहन चालकों को दिशा बताने का काम करेंगे. इसके अलावा किसी भी प्रकार की समस्या के लिए वाहन चालक प्रशासन से संपर्क कर सकते हैं. सीओ ने सभी लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने में सकारात्मक सहयोग की अपील करते हुए सौहार्दपूर्ण तरीको से त्योहार मनाने की अपील किया है.

न्यूज बॉक्स

एसडीओ ने अनुमंडल क्षेत्र में लागू किया निषेधाज्ञा, दिशा निर्देश जारी

बरही । मुहर्रम के मद्देनजर एसडीओ जोहन टुडू ने बरही अनुमंडल क्षेत्र में बीएनएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा की घोषणा किया है. जो आगामी 7 जुलाई तक प्रभावी रहेगा. यह आदेश मुहर्रम के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया है. इसके लागू होते हीं ताजिया जुलूस/तलवार/अकस्मात अभ्यास/लाठी इत्यादि के साथ जुलूस पर रोक, बिना पूर्व अनुमति के किसी प्रकार का जुलूस निकालना प्रतिबंधित और किसी भी प्रकार के धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रम में लाउडस्पीकर के उपयोग पर नियंत्रण रहेगा. साम्प्रदायिक भावना को भड़काने वाले किसी भी प्रकार के बयान, पोस्टर, बैनर, नारा, भाषण के साथ सार्वजनिक स्थानों पर विस्फोटक या घातक वस्तुओं के साथ घूमना प्रतिबंधित रहेगा. सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक एवं साम्प्रदायिक पोस्ट पोस्ट या फारवर्ड करने पर सख्त कार्रवाई होगी. रात्रि 10:00 बजे से प्रातः 6:00 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा. यह आदेश बिना प्रशासनिक अनुमति के विवाह, अंतिम संस्कार या अन्य समारोहों में भी प्रभावी रहेगा

मुहर्रम को लेकर गोरहर पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

बरकट्ठा। मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर गोरहर थाना पुलिस ने शिलाडीह में फ्लैग मार्च निकाला. गोरहर थाना प्रभारी सोनू कुमार ने बताया कि त्योहार को शांति पूर्वक मनाना है. पुलिस आपके साथ हमेशा खड़ी है. पुलिस की असामाजिक तत्वों एवं शरारती तत्वों पर विशेष निगाह रहेगी. किसी भी तरह के अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की. मौके एसआई सिकन्दर तामसोए, एएसआई शिवदत्त त्रिपाठी, राजदेव प्रसाद, सुरेश राम समेत पुलिस के सभी जवान शामिल थे.

हजरत इमाम हुसैन 72 साथियों व परिजनों के संग कर्बला के मैदान में हुए थे शहीद

नवीन मेल संवाददाता

बरही। हिजरी सन 680 में कर्बला की जंग में हक व ईमान का झंडा बुलंद करते हुए हजरत इमाम हुसैन अपने 72 साथियों व परिजनों के संग दुनिया को शांति और अमन का पैगाम देकर शहीद हो गए थे. जंग जितने वाला यजीद व उसकी सेना जंग जीतकर भी हार गया था. इसका एक मात्र कारण यजीद का अत्याचार व बेईमानी था. इसी जुर्म व अत्याचार के खिलाफ मुहर्रम नेकी व शराफत की याद दिलाने का महीना है. मुहर्रम एक ऐसे शहीद की शहीद की इबादत है जिसने जुर्म, फरेब व अत्याचार के खिलाफ झुकने के जगह शहीद होना पसंद किया. बात पैगंबर साहब के इंतकाल के बाद प्रारंभ हुए खलीफा व यजीद के बीच हुए जंग से संबंधित है. मक्का में हिजरी 570 ई में हजरत मोहम्मद साहब के जन्म के बाद अरब की जमीन से मजहब-ए-इस्लाम की शुरू होने की कहानी मिलती है. 40 साल की उम्र में मो साहब को नबूवत (नबी, पैगंबर) हासिल हुई और इस्लाम के अंतिम पैगंबर बने. उनकी सरपरस्ती में इस्लाम खूब बढ़ा.

राष्ट्रीय फ्लोरोसिस नियंत्रण कार्यक्रम के तहत शिविर का हुआ आयोजन

जांच के बाद 12 बच्चों में फ्लोरोसिसि की पुष्टि हुई

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। राष्ट्रीय फ्लोरोसिस नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत शनिवार को सिविल सर्जन रामगढ़ डॉ० महालक्ष्मी प्रसाद एवं जिला नोडल पदाधिकारी राष्ट्रीय फ्लोरोसिस नियंत्रण कार्यक्रम के संयुक्त नेतृत्व में उत्क्रमित मध्य विद्यालय इचातु दुलमी में एक दिवसीय जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यालय के पानी के सैंपल में भी फ्लोराईड की जांच की गयी। कुल 65 बच्चे की जांच डॉ पल्ल्वी कौशल डिस्ट्रिक्ट कंसलटेंट एवं रूपा कुमारी एएएम द्वारा की गई। कुल 24 बच्चों में जांच उपरान्त लक्षण पाए जाने पर उनके पेशाब का सैंपल लेकर एलटी जीतेन्द्र कुमार द्वारा जांच के उपरान्त 12 बच्चों में इस बिमारी कि पुष्टि हुई। शिविर में जांच के साथ-साथ फ्लोरोसिस बीमारी से संबंधित जानकारी भी बच्चों व स्कूल के स्टाफ को दी गई। डॉ पल्ल्वी काउढाल द्वारा बताया गया कि फ्लोरोसिस बीमारी पीने के पानी में अधिक मात्रा में पाये जाने वाले फ्लोरिड तत्व के कारण होती हैं व साथ ही साथ सेंधा नमक, काला नमक, लाल चाय के सेवन से भी फ्लोरोसिस की बीमारी की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही साथ उन्होंने ये भी बताया कि सभी को अपने आहार में हरी पत्तेदार सब्जीयां, खटटे फल जैसें संतरा, निबू, आवला एवं दूध से बने पदार्थ खाने की सलाह दी, जिससे की शरीर में फ्लोरिड इक्टठा नही होता है। उन्होंने बताया कि सदर अस्पताल रामगढ़ में निःशुल्क कोई भी अपने पीने के पानी एवं पैशाव में फ्लोरोसिस बीमारी की जांच करवा सकता हैं। शिविर को सफल बनाने में क्षेत्र की सीएचओ, सहिया एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों का विशेष योगदान रहा।

गैस सिलेंडर लदे ट्रक की चपेट में आने से स्कूटी सवार युवक की मौत

गोला। रामगढ़ बोकारो मुख्य मार्ग पर गोला डीवीसी चौक के पास सड़क दुर्घटना में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान डाड़ी होसिर निवासी कौशल कुमार पिता अमरलाल चौधरी 21 वर्ष के रूप में हुई है। मृतक पिछले दो महीनों से गोला के एक निजी अस्पताल में कम्पाउंडर का काम करता था। शुक्रवार दोपहर 5.30 बजे के करीब कौशल अपने जान पहचान के मित्र का स्कूटी लेकर मोबाइल बनाने डीचीसी चौक के पास स्थित मोबाइल दुकान जा रहे थे। इसी दौरान गैस सिलेंडर लदे वाहन ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। जिससे युवक बीच सड़क पर गिर गया और ट्रक का चक्का युवक के सिर पर चढ़ गया। इस हादसे में युवक का सिर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद सड़क के दोनों ओर देखते ही देखते वाहनों का जाम लग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बब्जे में लेकर थाना ले गई। थाना में विधिक कार्यवाही के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल रामगढ़ भेज दिया गया।

वज्रपात होने से एक मवेशी की हुई मौत मुआवजे की मांग

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम बंडासिंगा निवासी मोहन साव के घर के पास शनिवार सुबह 6:00 बजे वज्रपात होने से उसका एक बैल मर गया तथा मिट्टी के घर के छप्पर को भी नुकसान हुआ। गनीमत रही कि किसी व्यक्ति को नुकसान नहीं हुआ। मौके पर बेलकपी पंचायत के पूर्व मुखिया प्रतिनिधि अर्जुन राणा घटनास्थल पर पहुंचे और जायजा लिया। अर्जुन राणा ने बताया कि यह नीहायत ही गरीब परिवार से है। पिछले एक सप्ताह पूर्व ही 35000 में यह बैल को कृषि कार्य हेतु लिया था लेकिन अब वज्रपात होने के कारण बैल मार गया। अब इनके बीच खेती करना एक मुश्किल भरा कार्य हो गया है। उन्होंने पीड़ित परिवार को सरकार से मुआवजा दिलाने की मांग किया है।

आजसू के केंद्रीय सचिव ने किया ट्रांसफार्मर का उदघाटन

आजसू लोगों की सेवा के लिए सदैव तत्पर है : मनोज

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़ । बोंगाबार कोरी खेत में लगभग 10 दिन पूर्व ट्रांसफार्मर खराब हो जाने से बरसात के इस मौसम में लोगों काफी दिक्कत हो रही थी। जिसके बाद लोगों ने अपनी परेशानी आजसू के केंद्रीय सचिव मनोज कुमार महतो को बताई। जानकारी के उपरांत आजसू के केंद्रीय सचिव ने तुरंत विद्युत विभाग से बात कर 100 केबी का ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया। ट्रांसफार्मर का विधिवत उदघाटन शनिवार को आजसू के केंद्रीय सचिव मनोज कुमार कुमार महतो ने फीता काटकर किया। ट्रांसफार्मर का उदघाटन करते हुए उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी हमेशा लोगों की सेवा के लिए हर वक्त तत्पर रहती है। कहा की लोगों को यदि किसी भी तरह की दिक्कत है तो बताएं हम संबंधित विभाग से बातचीत कर उनकी समस्या को दूर करेंगे। बताया की कोरी खेत वासियों द्वारा उन्हें ट्रांसफार्मर खराब होने की जानकारी दी गई। जिसके बाद उन्होंने विद्युत विभाग से तुरंत सम्पर्क कर 100 केबी का ट्रांसफार्मर उपलब्ध करवाया। ताकि बरसात के इस मौसम में लोगों को परेशानी नही हो। मौके पर ब्राह्मदेव महतो, त्रिभुवन महतो, राहुल कुमार, मुकेश कुमार, भुनेश्वर महतो, लक्ष्मण साव, राजू महतो, उदय महतो, राजेश साव, कालिया महतो, कोलेश्वर महतो, रामधन महतो, प्रकाश साव, संजय महतो, किशोरी महतो, विनोद साव, ललन प्रजापति, कामेश्वर महतो, छोटू महतो सहित अन्य उपस्थित थे।

गिद्दी में दो दिवसीय क्लस्टर लेवल फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ समापन

गिद्दी। डीएवी पब्लिक स्कूल गिद्दी ए में शनिवार को डीएवी स्पोर्ट्स के तहत आयोजित क्लस्टर लेवल फुटबॉल टूर्नामेंट संपन्न हो गया। जिसमें डीएवी कोडरमा की टीम तीनों वर्ग के फाइनल जीतकर चैंपियन बना। अंडर-17 बालक वर्ग में डीएवी कोडरमा की टीम ने रोमांचक मुकाबले में 1-0 डीएवी गिद्दी को हराया। वहीं अंडर- 14 बालक वर्ग में भी डीएवी कोडरमा ने 3-0 से डीएवी गिद्दी को हराया। जबकि अंडर- 17 बालिका वर्ग डीएवी कोडरमा की टीम ने 5-0 से डीएवी रजरप्पा को हराया। इसके बाद विजेता टीम को डीएवी केदला के प्राचार्य यूके राय, डीएवी हजारीबाग के प्राचार्य डॉ रजनीश कुमार, डीएवी बरही के प्राचार्य आशुतोष कुमार, डीएवी बरकाकाना के प्राचार्य मुस्तफा मजीद, डीएवी उरीमारी के प्राचार्य डॉ.सोनिया तिवारी और डीएवी गिद्दील के प्राचार्य मनप्रिय चटर्जी ने ट्रॉफी प्रदान किया। टूर्नामेंट में बतौर रेफरी जितेंद्र सिंह, भोला, जितेंद्र हांसदा और मुकेश बेसरा ने योगदान किया। इसके पहले अतिथियों ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए प्रोतसाहित किया।

मोहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक का हुआ समापन

शांति व सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने का लिया गया संकल्प

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। दुलमी प्रखंड सभागार में आगामी मोहर्रम पर्व को लेकर एक महत्वपूर्ण शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अंचलाधिकारी किशोरी यादव एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित मिश्रा ने की। बैठक में दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश, प्रमुख रेणु देवी, उपप्रमुख धर्मधीर महतो के साथ-साथ मोहर्रम कमिटी के अध्यक्ष, सचिव, लाइसेंसधारी, जनप्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि, स्थानीय गणमान्य उपस्थित थे। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि मोहर्रम का जुलूस तय रूट से ही निकाला जाएगा। किसी भी प्रकार का भड़काऊ गाना नहीं बजेगा एवं डीजे की ध्वनि सीमा का अनुपालन किया जाएगा। सोशल मीडिया पर कोई फेक या आपत्तिजनक पोस्ट न हो, इसे लेकर सभी को सतर्क किया गया तथा उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। साथ ही साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों से सहयोग की अपील की गई। मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, गरिमामय एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाने हेतु सभी समुदायों ने एकमत होकर सहयोग का आश्वासन दिया।

एनएफएसएम योजना के तहत मिनी बीज किट का वितरण

बरही । कृषक मित्र द्वारा तैयार किए गए क्लस्टर के लिए मिनी बीज किट का वितरण किया गया. वितरण कार्यक्रम प्रखंड कृषि सूचना केंद्र में एनएफएसएम योजना के तहत आयोजित की गई थी. उक्त जानकारी बीटीएम राकेश कुमार ने दी. उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत किसानों को अरहर और उरद के बीज कीट उपलब्ध करवाए गए. विभागीय निर्देश के आलोक में 10 एकड़ का कलेक्टर तैयार किया जाना था. मौके पर सभी कृषक मित्रों को जिला कार्यालय भेजने के लिए क्लस्टर का जीपीएस फोटो निर्धारित समय तक उपलब्ध करवाने का भी निर्देश दिया गया. वितरण कार्यक्रम बीटीएम व एटीएम सुनीता डुंगडुंग की उपस्थिति में आयोजित किया गया था.

आंगनबाड़ी सेविका ने इलाज के लिए लोगों से मांगी आर्थिक सहयोग

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के चेचकपी पंचायत अंतर्गत डुमरडीहा आंगनवाड़ी केंद्र (211) की सेविका सोनिया देवी पति स्वर्गीय शिवदेव मुर्मू का बीते दो सप्ताह पूर्व बारिश के कारण घर का दीवार गिरने से दोनों पैर टूट गया था। तत्पश्चात अभी उसका हजारीबाग स्थित किरण नर्सिंग होम में इलाज चल रहा है। डॉक्टर ने पैर में स्टील डालने की सलाह दी है। इसमें लगभग डेढ़ लाख रुपए खर्च बताया गया है। साथ ही साथ चार यूनिट ब्लड चढ़ाने के लिए कहा है। घायल सोनिया देवी ने सभी जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आंगनबाड़ी सेविकाओं से आर्थिक सहयोग करने की अपील की है ताकि उनका इलाज हो सके। उनका अकाउंट नंबर 482510110000831 बैंक ऑफ़ इंडिया शाखा बरकट्ठा है।

4 टन अवैध पोड़ा कोयला लदा ट्रक जब्त, दो गिरफ्तार, चार नामजद

- पुलिस ने वाहन का पीछा करते हुए पंचमाधव स्थित ओवरब्रिज के पास ओवरटेक किया. इस दौरान ट्रक चालक ने पुलिस के वाहन को टक्कर मारने का प्रयास भी किया.जिससे पुलिस की वाहन सड़क से नीचे उतर गया और दुर्घटनाग्रस्त होने से बचा.

नवीन मेल संवाददाता

बरही । पुलिस ने 4 टन अवैध पोड़ा कोयला लदा एक सफेद रंग का मालवाहक ट्रक संख्या जेएच 10 डीए 2838 जब्त किया है. उक्त जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी आभाष कुमार ने दी. जारी विज्ञप्ति के अनुसार शनिवार को ढाई बजे बरसोत स्थित एनएच-19 पुलिस के द्वारा एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था. इसी क्रम में धनबाद की ओर से आने वाली उक्त वाहन जिस पर ऊपर से बांस लदा था.पुलिस ने हाथ देकर रोकने का प्रयास किया परंतु चालक वाहन को तेज़ी से भगाने लगा. पुलिस वाहन का पीछा करते हुए पंचमाधव स्थित ओवरब्रिज के पास ओवरटेक किया. इस दौरान ट्रक चालक ने पुलिस की वाहन को टक्कर मारने का प्रयास भी किया.जिससे पुलिस की वाहन सड़क से नीचे उतर गया और दुर्घटनाग्रस्त होने से बचा. पुलिस ने ट्रक को रोककर लदे समान की जांच किया तो बांस के नीचे 4 टन अवैध पोड़ा कोयला पाया. तत्काल पुलिस ने ट्रक और ट्रक में सवार दो व्यक्ति मिथलेश कुमार (22 वर्ष) पिता जयकिशुन यादव व मुकेश कुमार (22 वर्ष) पिता सोहन यादव को गिरफ्तार कर थाना लाई. दोनों आरोपी मूल रूप से भोजपुर (बिहार) जिले के लमारी टोला के रहने वाले हैं जो वर्तमान में डुमरी गिरिडीह में रहते हैं. पूछताछ के क्रम में गिरफ्तार व्यक्ति ने बताया कि यह कोयला वाहन मालिक मुद्रा यादव पिता सोहन यादव, ग्राम भुली बैंक मोड़ धनबाद के आदेश पर लालु यादव ग्राम डुमरी थाना गिरिडीह के सहयोग से अवैध रूप से बिहार भेजा जा रहा था.

रामविलास पासवान की 79वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। शहर के दुसाध मुहल्ला स्थित पासवान धर्मशाला में 5 जुलाई को लोक जनशक्ति पार्टी और दलित सेना के संस्थापक पदम भूषण से सम्मानित स्वर्गीय रामविलास पासवान की 79वीं जयंती जिला अध्यक्ष केवल पासवान के नेतृत्व में धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर पार्टी के जिलाध्यक्ष एवं नगर पदाधिकारियों द्वारा रामविलास पासवान के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। साथ ही पार्टी सदस्यों ने उनकी जयंती पर केक काटकर और एक दूसरे को खिलाकर उनकी जयंती की खुशी मनाई। मौके पर जिलाध्यक्ष केवल पासवान ने कहा की स्वर्गीय रामविलास पासवान ने खगड़िया के काफी दुरुह इलाके शहरबननी से निकाल कर दिल्ली की सत्ता तक का सफर अपनी संघर्ष के बूते तय किया था। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा । पांच दशक तक देश के राजनीति में छाए रहे। इस दौरान दो बार उन्होंने सर्वाधिक मतों से जीतने का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया था। कहा कि स्वर्गीय रामविलास पासवान देश के 6 प्रधानमंत्रियों की कैबिनेट में मंत्री रहे। राजनीति नब्ज को वे बहुत अच्छे तरीके से समझते थे।

छत्तर मांडू से 4 मवेशियों की चोरी किसान हुए चिंतित

रामगढ़ । जिला के छत्तर मांडू वासी इन दिनों गांव में लगातार हो रही मवशियों की चोरी को लेकर चिंतित हैं। में लोग इन दिनो मवेशियों की चोरी से परेशान हैं। इस मामले को लेकर स्थानीय निवासी पुरूषोत्तम सिंह ने शनिवारबको बताया कि दो दिन पूर्व उनकी एक गोली रंग की गाय और बछिया चोरी हो गई। उन्होंने बताया कि अपने मवेशियों की खोजबीन का वे पूरा प्रयास कर रहे हैं बावजूद इसके अबतक मवेशियों का पता नही चल पाया है। जबकि छत्तर मांडू के एक अन्य व्यक्ति अमलेश सिंह द्वारा कहा गया कि कुछ दिनों पूर्व उनकी भी एक सफेद रंग की गाय और बछिया चोरी हो गई है। उन्होंने बताया कि वे मवेशियों की खोजबीन का काफी प्रयास कर रहे हैं पर मवेशियों का पता नही चल पाया है। पुरूषोत्तम सिंह द्वारा कहा गया है कि यदि किन्ही को हमारे मवेशियों के बारे में कोई जानकारी हो तो मो नं 7004688414 पर सूचित करें। कहा की सूचना देने वाले को 1100 हम देंगे ।

केदला परियोजना का पंप खराब, जलापूर्ति बाधित

केदला। केदला परियोजना के छह नंबर बंद खदान में लगा पंप खराब हो गया है। जिसकी वजह से चार दिनों से जलापूर्ति बाधित है। यहां पर रहने वाले लोगों का किस्मत ही खराब है। पहले से ही केदला नगर वासियों को इस बरसात में भी 10-12 दिन पर मात्र एक घंटा सीसीएल प्रबंधन की ओर से पानी दिया जा रहा है। जिसके कारण नगर के बीस नंबर कॉलोनी, 14 नंबर कॉलोनी, फोरमैन कॉलोनी, होस्पिटल कॉलोनी, सहित अन्य हजारों घरों में पानी के लिए त्राहीमाम मचा हुआ है।

सिमडेगा में बाल श्रम उन्मूलन पर उपायुक्त की समीक्षा बैठक

धावा दल को होटल-ढाबों में मासिक निरीक्षण अभियान चलाने का निर्देश

● प्रतिष्ठान द्वारा बाल श्रमिक को नियोजित करने की स्थिति में ₹20,000 की राशि उस प्रतिष्ठान से जुर्माना : डीसी

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता में बाल एवं अल्प व्यस्क श्रमिक अधिनियम से संबंधित जिला स्तरीय टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक एम. अर्शी, उप विकास आयुक्त दीपांकर चौधरी, अपर समाहर्ता ज्ञानेन्द्र, श्रम अधीक्षक पुनित मिंज, जिला नियोजन पदाधिकारी आशा मैक्सिमा लकड़ा, शिक्षा पदाधिकारी मिथलेश केरकेट्टा समेत कई पदाधिकारी उपस्थित थे।बैठक में बाल श्रमिकों के रेस्क्यू अभियान, छापेमारी गतिविधियों एवं बाल श्रम अधिनियम के अंतर्गत की गई कार्रवाई की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। उपायुक्त ने लंबित मामलों में शीघ्र प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यदि कोई विद्यालयी छात्र 30 दिनों से अधिक अनुपस्थित पाया जाता है तो संबंधित प्रधानाध्यापक उसकी समीक्षा कर संबंधित डाटा विभाग को उपलब्ध कराएं।इसके अतिरिक्त, बैठक में यह निर्देश दिया गया कि जिले में दो बैंक खातों का संधारण कर बाल श्रमिकों के पुनर्वास-सह-कल्याण कोष का प्रबंधन किया जाए। किसी भी प्रतिष्ठान द्वारा बाल श्रमिक को नियोजित करने की स्थिति में 20,000 की राशि उस प्रतिष्ठान से वसूली जाए, जिसका उपयोग जिला स्तरीय समिति द्वारा पुनर्वास हेतु किया जाएगा।उपायुक्त ने निर्देशित किया कि गठित धावा दल प्रत्येक माह होटल, ढाबा, गैराज और अन्य प्रतिष्ठानों में निरीक्षण अभियान चलाते रहें। यदि किसी संस्था में बाल श्रमिक कार्यरत पाए जाते हैं, तो संबंधित पर त्वरित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को बाल श्रमिक उन्मूलन हेतु सतत निगरानी और सख्त कार्यवाही का निर्देश दिया। बैठक में बाल श्रम के समूल उन्मूलन के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया।

डीसी ने सदर अस्पताल सिमडेगा का किया औचक निरीक्षण, 108 एम्बुलेंस में से 11 खराब, सिर्फ 3 चालू

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह ने सदर अस्पताल, सिमडेगा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की संचालन व्यवस्था का जायजा लिया और सिविल सर्जन से 108 एम्बुलेंस सेवाओं की जानकारी ली। सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने बताया कि जिले में 108 एम्बुलेंस 14 है, जिसमें से 11 खराब हैं और केवल 3 एम्बुलेंस संचालित हो रही हैं।इस पर उपायुक्त ने 108 एम्बुलेंस संचालक को बुलाने की बात कहीं तथा सभी खराब एम्बुलेंस को शीघ्र मरम्मत कराने का निर्देश जारी करने की बात कहीं। उन्होंने जिले में अन्य मदों से उपलब्ध एम्बुलेंस की व्यवस्था स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान सभी एम्बुलेंस चालकों, अस्पताल प्रबंधन व सिविल सर्जन के मोबाइल नंबर सार्वजनिक स्थानों पर बोर्ड के माध्यम से प्रदर्शित करने तथा इन नंबरों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का भी आदेश दिया। ताकि मरीजों एवं घायलों को समय पर चिकित्सा सेवा मिल सके। इसके बाद महिला वार्ड निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मरीजों की स्थिति की जानकारी ली और इलाज में हुए सुधार की रिपोर्ट की जांच की। औचक निरीक्षण के दौरान ओपीडी, ड्यूटी रोस्टर, उपस्थिति रजिस्टर एवं बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली की भी समीक्षा की गई, जिसमें एक डॉक्टर

अनुपस्थित पाए गए। उपायुक्त ने सिविल सर्जन को डॉक्टर से स्पष्टीकरण लेने का निर्देश दिया। इसके अलावा उपायुक्त द्वारा सदर अस्पताल में मरीजों एवं उनके परिजनों को मिलने वाली भोजन की भी समीक्षा की, निर्धारित मेन्यू के अनुरूप भोजन मुहैया करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कुरडेग-सिमडेगा रोड पर झारेन मोड़ के पास दुर्घटना में घायल एक व्यक्ति की हालत का जायजा ड्रेसिंग रूम में लिया। डॉक्टरों ने मरीज को रांची रिम्स रेफर करने की बात कहीं, लेकिन कुछ समय बाद दुर्भाग्यवश उसकी मृत्यु हो गई।अंत में उपायुक्त ने ब्लड बैंक केंद्र का भी निरीक्षण किया। इस दौरान बताया गया कि वर्तमान में 45 यूनिट ब्लड उपलब्ध है। उपायुक्त ने महीने भर में ब्लड की आवश्यकता का मूल्यांकन करने तथा सिकल सेल एनीमिया पीड़ितों को उपलब्ध ब्लड की जानकारी रखने का निर्देश दिया। सिविल सर्जन ने बताया कि जिले में 56 सिकल सेल मरीज चिन्हित हैं, जिन्हें आवश्यकता अनुसार ब्लड दिया जा रहा है।

पूर्व मुखिया जितेंद्र तिवारी की अगुवाई में उपायुक्त को सौंपा गया ज्ञापन

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। प्रखंड मुख्यालय में वर्षों से अधूरे पड़े सार्वजनिक भवनों की समस्या को लेकर कोलेबिरा पंचायत के पूर्व मुखिया जितेंद्र तिवारी के अगुवाई में प्रखंड के बुद्धिजीवी मंच का प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त सिमडेगा को एक ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने बताया कि इन अधूरे भवनों के कारण उन्हें लगातार असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है, विशेषकर विवाह समारोह और सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन में।ग्रामीणों की ओर से दिए गए पत्र में बताया गया है कि वर्ष 2008 से ही कोलेबिरा प्रखंड परिसर में विवाह मंडप भवन का निर्माण कराया जा रहा था, जो आज तक अधूरा है। प्रशासनिक स्वीकृति न मिलने के कारण भवन का कार्य पूरा नहीं हो पाया, जिससे यह अब जर्जर स्थिति में पहुंच चुका है। इसके अलावा भारत माता मंच, सांस्कृतिक कला भवन, नगर भवन, तथा छात्रावास भवन जैसे अन्य ढांचों का निर्माण तो हुआ, लेकिन उनका उपयोग शुरू नहीं हो पाया।ग्रामीणों ने पत्र में कहा कि यदि विवाह मंडप जैसी आवश्यक सुविधा जल्द चालू नहीं होती है, तो शादी-विवाह जैसे आयोजन गाँवों में पुनः खुले मैदानों में करने की मजबूरी होगी, जिससे पहले जैसी समस्याएं फिर सामने आएंगी।उन्होंने उपायुक्त से विवाह मंडप तथा भारत माता मंच को शीघ्र जीर्णोद्धार कर उपयोग में लाने की मांग की है, ताकि ग्रामवासियों को इसका लाभ मिल सके। ग्रामीणों ने अपेक्षा जताई है कि प्रशासन इस दिशा में जल्द संज्ञान लेगा और अधूरे भवनों का कार्य पूर्ण कर आमजन को सुविधा उपलब्ध कराएगा।मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष रोस प्रतिमा सोरेंग,विनोद कुमार,सहदेव प्रसाद,पुरूषोत्तम प्रसाद, अभिषेक प्रसाद,अनुपम बेक, जगन्नाथ साहू, सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

गांजा तस्करी करते तीन तस्कर चढ़े पुलिस के हत्थे, चार किलो गांजा बरामद

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा जिले में अंतरराज्यीय गांजा तस्करों के खिलाफ पुलिस की सतर्कता रंग ला रही है। शनिवार को खम्मनटांड़ इंटर स्टेट चेकपोस्ट पर एक यात्री बस से गांजा की तस्करी करते हुए तीन तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़ गए। सिमडेगा पुलिस ने ओडिशा से झारखंड आ रही एक बस से 4.084 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पकड़े गए तस्करों की पहचान कैलाश चंद्र सुरेश, पवनदीप सिंह और अशोक कुमार महंत के रूप में हुई है, जो सभी ओडिशा के निवासी हैं।सिमडेगा पुलिस अधीक्षक एम. अर्शी ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि एनएच-143 पर खम्मनटांड़ चेकपोस्ट पर वाहनों की नियमित जांच के दौरान ओएसआरटीसी की एक यात्री बस (संख्या OD02CW3831) को रोका गया। बस में सीट संख्या 37, 38 और 39 पर बैठे तीन संदिग्ध यात्रियों की तलाशी ली गई, तो उनके पास से कुल 4.084 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया।पूछताछ में तीनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे गांजा को ओडिशा से लाकर झारखंड होते हुए अन्य राज्यों में तस्करी करने की योजना में थे। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(b)(ii)(B) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। एसपी अर्शी ने बताया कि खम्मनटांड़ चेकपोस्ट पर अब तक 150 किलो से अधिक गांजा जब्त किया गया है, जबकि जिले भर में पिछले एक साल के भीतर 250 किलो से अधिक गांजा की जब्ती और कई तस्करों की गिरफ्तारी की गई है।उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और सिमडेगा पुलिस किसी भी तस्करी को सफल नहीं होने देगी।मौके पर एसडीपीओ बैजू उरांव,थाना प्रभारी मिर्जा उरांव यउपस्थित थे।

स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं और सड़क नहीं होने से बुरी तरह प्रभावित

● जनसमस्याओं को लेकर उपायुक्त से मिले भाजपा नेता चुंदयारी गांव की सड़क समस्या पर दिया आवेदन

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। पाकरटांड़ प्रखंड अंतर्गत केसलपुर पंचायत के चुंदयारी गांव की बुनियादी समस्याओं को लेकर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्रद्धानंद बेसरा ने शनिवार को सिमडेगा उपायुक्त कंचन सिंह से मुलाकात की। उन्होंने ग्रामीणों की ओर से एक ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र समाधान की मांग की।उल्लेखनीय है कि चुंदयारी गांव में आज तक सड़क की सुविधा नहीं है। गांव तक सड़क नहीं होने के कारण बीमार लोगों को खटिया पर ढोकर अस्पताल पहुंचाने की घटनाएं अक्सर सामने आती रही हैं। इसके बावजूद अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई है।भाजपा नेता श्रद्धानंद बेसरा ने उपायुक्त को ग्रामीणों की इस दिक्कत से अवगत कराते हुए कहा कि चुंदयारी गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए प्राथमिकता के आधार पर सड़क निर्माण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच भी प्रभावित होती है।इस मौके पर उपायुक्त कंचन सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र जांच व समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग से इस दिशा में कार्रवाई करवाई जाएगी।भेंट के दौरान भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अनिरुद्ध दांगी, कृष्णा कोटवार, दुर्गेश बड़ाइक सहित अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

कोलेबिरा में निकाली गई भगवान श्री जगन्नाथ की घुरती रथ यात्रा

कोलेबिरा। बड़े भाई बलभद्र बहन सुभद्रा के साथ नौ दिनों तक मौसी के घर रहने के बाद भगवान जगन्नाथ स्वामी अपने घर लौटे।कोलेबिरा प्रखंड के पर्यटन स्थल भंवर पहाड़ गढ़ से निकलने वाली रथयात्रा शनिवार को घूरती रथ यात्रा के साथ संपन्न हो गई।9 दिनों तक मौसी बारे में रहने के बाद भगवान जगन्नाथ प्रभु अपने भाई बहन के साथ रथ में सवार होकर अपने घर लौट गए। इस मौके पर सैकड़ो के संख्या में श्रद्धालुओं के द्वारा हरि बोल के नारे के साथ जगन्नाथ महाप्रभु के रथ को खींचकर पुराना बानो रोड रण बहादुर सिंह चौक मार्केट कंपलेक्स कोलेबिरा मुख्य चौक थाना चौक भंवर पहाड़ रोड होते हुए भंवर पहाड़गढ़ स्थित भगवान जगन्नाथ स्वामी की मंदिर पहुंच भगवान के विग्रहों को मंदिर परिसर में पहुंचने पर द्वार छीकाई कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ. द्वार छेकने वाले माता का मांग पूरा होने के बाद विग्रहों को मंदिर परिसर मैं पुरोहितों के वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ स्थापित की गई।

कुरडेग में धूमधाम से संपन्न हुई श्री जगन्नाथ स्वामी की बाहुड़ा रथ यात्रा

नवीन मेल संवाददाता

कुरडेग। कुरडेग प्रखंड के कुटमाकच्छार गांव में आज श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ श्री जगन्नाथ स्वामी की बाहुड़ा रथ यात्रा का आयोजन किया गया। भगवान जगन्नाथ विगत द्वितीया तिथि से मौसीबाड़ी में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दे रहे थे। आज दशमी तिथि को वे भव्य रथ यात्रा के माध्यम से मुख्य मंदिर में पुनः विराजमान हुए।भगवान जगन्नाथ स्वामी, श्री बलभद्र और माता सुभद्रा के विग्रहों को पारंपरिक रथ पर विराजमान कर भक्तों ने जयकारों और गाजे-बाजे के साथ रथ खींचते हुए मुख्य मंदिर तक पहुँचाया। रथ यात्रा का यह उत्सव भक्त और भगवान के बीच की दूरी को मिटाने वाला, भक्ति, प्रेम, समानता और सद्भावना का प्रतीक है। यह आयोजन बताता है कि भगवान केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे जनता के बीच आकर सभी को सुलभ दर्शन देते हैं, चाहे वह किसी भी जाति या धर्म का क्यों न हो।इस शुभ अवसर पर बिरुगढ़ के युवराज कौशलराज सिंहदेव विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने महाप्रभु से सभी के लिए सुख, शांति, समृद्धि और सद्भावना की कामना की और ग्रामीणों एवं प्रशासन के सहयोग से, स्वयं की देखरेख में रथ यात्रा को सफलतापूर्वक संपन्न कराया।इससे पूर्व मौसीबाड़ी में महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। प्रसाद वितरण के साथ-साथ मेले का आयोजन भी हुआ, जिसमें लोगों ने पारंपरिक झूले, मिठाइयों और सांस्कृतिक गतिविधियों का आनंद उठाया।पूरे आयोजन में श्रद्धालुओं का उत्साह देखने लायक था और वातावरण भक्ति, आनंद और उल्लास से सराबोर रहा।

भव्य आयोजन सलडेगा से निकाली गई भगवान जगन्नाथ की भव्य घूरती रथयात्रा

सिमडेगा में पहली बार निकली जगन्नाथ रथयात्रा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सलडेगा देवी गुड़ी मन्दिर स्थित मौसी बाड़ी से जोकबहार जगन्नाथ मंदिर तक पहली बार भव्य रथ यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नौ दिनों तक मौसी बड़ी के रूप में भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलभद्र की पूजा-अर्चना की गई। रथयात्रा से एक दिन पूर्व 24 घंटे का अखंड हरी कीर्तन प्रारंभ हुआ, जिसका समापन शनिवार सुबह हवन-पूजन और भंडारे के आयोजन के साथ हुआ।भंडारे के उपरांत घूरती रथयात्रा निकाली गई, जिसमें तीनों विग्रहों को रथ पर विराजमान कर हरि बोल और जय जगन्नाथ के जयघोष के बीच भक्तों द्वारा खींचते हुए मुख्य मंदिर जोकबहार पहुंचाया गया। मौकेपर जगह-जगह रथ को रोककर श्रद्धालुओं ने पूजा की। पूरे कार्यक्रम के दौरान भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।सुरक्षा की दृष्टि से सिमडेगा सदर थाना की पुलिस तैनात रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के जगदीश सिंह, अरुण सिंह, मुरारी प्रसाद, मितेश सिंह, दीपक सोनी समेत अन्य सदस्य सक्रिय रूप से जुटे रहे।

धूमधाम से निकाली गई घुरती रथ यात्रा, हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

बानो। प्रखंड के हुरदा स्थित भगवान जगन्नाथ स्वामी मंदिर से पारंपरिक घुरती रथ यात्रा शुक्रवार को बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। रथ यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भगवान जगन्नाथ, बलभद्र तथा सुभद्रा के रथ को भक्तिभाव से खींचा।यह भव्य यात्रा मरानी रोड, मौसीबाड़ी और मार्केट कारप्लेस होते हुए पुनः हुरदा बाजार स्थित मुख्य मंदिर पहुंची। रथ यात्रा की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पुरोहित गोपाल दास और दुर्योधन दास द्वारा पूजा अर्चना कर की गई।मेले में सांस्कृतिक आकर्षण के रूप में गेनमेर चाटुगढ़ा नृत्य मंडली द्वारा पारंपरिक पैकी नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।रथ यात्रा के सफल आयोजन में धनश्याम दास गोस्वामी, सुरेंद्र सिंह, मनदयाल सिंह, सहदेव सिंह, फिरंग सिंह, कोजु सिंह, हरिभ सिंह, अजीत सिंह, ओनादी हजाम, देवकरण साहू, बलदेव साहू, पुलेंद्र साहू सहित अन्य स्थानीय लोगों का सराहनीय योगदान रहा।मेले की व्यवस्था बनाए रखने में गिरदा ओपी प्रभारी जितेंद्र वर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

न्यूज बॉक्स

हत्या के आरोपी मकरू मांझी को आजीवन कारावास, 20,000 जुर्माने की सजा

सिमडेगा। जलडेगा थाना क्षेत्र के एक दोहरे हत्याकांड के आरोपी को सिमडेगा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने आजीवन कारावास और 20,000 का जुर्माना सुनाया है। यह सजा जलडेगा थाना कांड संख्या 33/19, धारा 302 भा.दं.वि. के अंतर्गत सुनाई गई।मामले में अभियुक्त मकरू मांझी, पिता स्व. बिरसा मांझी, ग्राम रोबगा गंझूटोली, थाना जलडेगा को वर्ष 2019 में अपने ही गांव के बिरसु मांझी एवं उनकी पत्नी सुकरो देवी की हत्या के आरोप में दोषी पाया गया। घटना 31 मई 2019 की रात लगभग 11 बजे की है, जब आरोपी ने दोनों पति-पत्नी की पत्थर व टांगी से हमला कर निर्मम हत्या कर दी थी।अगली सुबह 1 जून को सुबह 6 बजे, गांव के ही सुकरु मांझी नामक व्यक्ति ने चौकीदार अर्जुन बड़ाइक को सूचना दी कि मकरू मांझी ने बिरसु मांझी और उनकी पत्नी की हत्या कर दी है। जानकारी के अनुसार हत्या का कारण गांव के कुसुम पेड़ को लेकर पुराना आपसी विवाद था।मामले की अनुसंधानकर्ता पु.अ.नि. बालेश्वर पाण्डेय द्वारा गहन और वैज्ञानिक तरीके से जांच की गई।

दो बाइक के आपस में टक्कर एक युवक की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

कुरडेग। थाना क्षेत्र के कुरडेग - सिमडेगा मुख्य मार्ग के झारेन के समीप शनिवार को दो बाइक की आमने सामने टक्कर में तीन व्यक्ति घायल हो गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकास बेसरा पिता गणेश बेसरा और डब्लू मांझी पिता नेहरू मांझी दोनो सागजोर निवासी खेती के लिए डीजल लेने कुरडेग आ रहे थे वही राजू नायक पिता बहरु नायक बानाबीरा निवासी कुरडेग से वापस अपने घर जा रहे थे । इसी क्रम में झारेन के पास दोनो चालक अनियंत्रित होकर आपस में टकरा गये जिससे मुख्य सड़क पर गिर पड़े वहीं घटना की जानकारी कुरडेग पुलीस को दी गई जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस उपलब्ध नही होने पर घायलो की स्थिति को देखते हुए सब्जी पिक अप से ईलाज के लिए कुरडेग अस्पताल लाई । जहाँ चिकित्सकों ने प्राथमिक ईलाज के बाद गंभीर रूप से घायल विकास बेसरा और राजू नायक को बेहतर ईलाज के लिये सिमडेगा सदर अस्पताल रेफर कर दिया । इधर विकास बेसरा का ईलाज के क्रम में सिमडेगा सदर अस्पताल में मौत हो गई ।

बानो प्रखंड में जंगली हाथियों का आतंक, वन विभाग ने किया बचाव सामग्री का वितरण

बानो। प्रखंड क्षेत्र में जंगली हाथियों के अलग-अलग झुंडों के सक्रिय रहने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। हाथियों की आवाजाही को देखते हुए वन विभाग बानो द्वारा प्रभावित क्षेत्रों के ग्रामीणों के बीच हाथी से बचाव हेतु सामग्री का वितरण किया गया।वनपाल विवेक कुमार ने बताया कि विभागीय टीम द्वारा बाघलता, लोवासोकरा, बड़काडुइल समेत आसपास के जंगली इलाकों का दौरा कर ग्रामीणों को टोर्च, जुट बोरा, मशाल जैसी सामग्रियाँ दी गईं। यह सामग्री ग्रामीणों को हाथी भगाने व स्वयं की सुरक्षा के लिए उपलब्ध कराई गई है।वहीं मौके पर रेंजर अभय कुमार ने ग्रामीणों से अपील की कि हाथियों की उपस्थिति की सूचना मिलते ही वे सतर्क हो जाएँ। उन्होंने सलाह दी कि ग्रामीण घर के बाहर जलावन की व्यवस्था रखें, जिससे हाथी गांव में प्रवेश न कर सकें। इसके अलावा मिर्ची पाउडर या तंबाकू की डंडी जलाकर भी हाथियों को दूर भगाया जा सकता है।

प्लस टू विद्यालय में बाल संसद का गठन पर्यावरण संरक्षण का दिया गया संदेश

बानो। एस.एस. प्लस टू उच्च विद्यालय, बानो में बाल संसद का गठन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य आनंद कुमार ने नवगठित संसद के प्रधानमंत्री और मंत्रियों को शपथ दिलाई। उन्होंने छात्रों को मंत्रिमंडल की कार्यप्रणाली एवं विद्यालय संचालन में उसकी भूमिका की जानकारी दी।कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष चर्चा हुई। प्रधानाचार्य ने छात्रों को बताया कि किस प्रकार पर्यावरण के प्रति जागरूक होकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। इस अवसर पर सभी नव नियुक्त बाल मंत्रियों को एक-एक पौधा भेंट किया गया और उनसे पौधारोपण भी कराया गया।कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे और छात्रों को स्वस्थ लोकतंत्र और स्वच्छ पर्यावरण के प्रति प्रेरित किया गया।

लर्निंग लाइसेंस हेतु आए अभ्यर्थियों को दी गई सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी

सिमडेगा। आईटी असिस्टेंट नितेश कुमार (सड़क सुरक्षा) के द्वारा लर्निंग लाइसेंस बनवाने हेतु आए हुए अभ्यर्थियों को सड़क सुरक्षा नियमों से संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण एवं जानकारी प्रदान की गई। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य आमजन में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना एवं सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है।प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, मोबाइल का प्रयोग न करने, शराब पीकर वाहन न चलाने जैसे महत्वपूर्ण नियमों के बारे में बताया गया। इसके अतिरिक्त हिट एंड रन जैसी गंभीर घटनाओं से बचाव हेतु सावधानियों पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। आई.टी. असिस्टेंट ने बताया कि यदि प्रत्येक व्यक्ति ट्रैफिक नियमों का पालन करे और सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करे, तो सड़क दुर्घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है।इस अवसर पर सभी उपस्थित अभ्यर्थियों ने यह संकल्प लिया कि वे भविष्य में सड़क पर चलते समय स्वयं भी नियमों का पालन करेंगे तथा अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

जिला परिवहन कार्यालय द्वारा मृतक आश्रित को हिट एंड रन मुआवजा दिलाने हेतु पहल

सिमडेगा। जिला परिवहन पदाधिकारी के निर्देश पर सिमडेगा प्रखंड के खूंटी टोली गांव में हाल ही में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति की दुखद मृत्यु हो गई। इस घटना के बाद मृतक के परिजनों को हिट एंड रन योजना के तहत मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है।सड़क सुरक्षा समिति, सिमडेगा के प्रतिनिधियों द्वारा शनिवार को मृतक के घर जाकर आवश्यक विवरण संकलित किया गया एवं आश्रित को मुआवजा दिलाने हेतु निर्धारित हिट एंड रन मुआवजा आवेदन फार्म जनरेट करने की प्रक्रिया शुरू की गई। यह पहल सड़क दुर्घटनाओं में मृत व्यक्तियों के परिजनों को शीघ्र न्याय एवं आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है।सड़क सुरक्षा मैनेजर ने आश्वासन दिया है कि निर्धारित प्रक्रिया के तहत सभी दस्तावेजों की पूर्ति कर शीघ्र ही मुआवजा राशि निर्गत कराई जाएगी।

फैमिली रेस्टोरेंट का विधायक ने किया उद्घाटन युवाओं के लिए है रोजगार का नया अवसर

सिमडेगा। केलाघाघ डैम परिसर में छोटानागपुर फैमिली रेस्टोरेंट का उद्घाटन शनिवार को विधायक भूषण बाड़ा ने फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। मौके पर विधायक भूषण बड़ा ने कहा कि आज सिमडेगा में छोटे-बड़े व्यवसायों के लिए बहुत संभावनाएं हैं। यहाँ का युवा अब स्वरोजगार की राह पकड़ रहा है, जो जिले के विकास के लिए शुभ संकेत है। ऐसे फैमिली रेस्टोरेंट के खुलने से न सिर्फ स्वादिष्ट और बेहतर सेवा लोगों को मिलेगी। बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने रेस्टोरेंट संचालक सत्या महतो और उनकी पूरी टीम को बधाई दी। साथ ही कहा कि यह रेस्टोरेंट जिले में व्यवसायिक क्षेत्र में एक मिसाल बनेगा। मौके पर जिला विधायक प्रतिनिधि संतोष सिंह, विधायक प्रतिनिधि एजाज अहमद,20 सूत्री अध्यक्ष सह उप प्रमुख सिलबेस्टर बघवार,सदर विधायक प्रतिनिधि सलमान खान,नगर विधायक प्रतिनिधि शकील अहमद, विधायक प्रतिनिधि सज्जाद अंसारी, विधायक प्रतिनिधि अख्तर खान,कांग्रेस युवा जिला अध्यक्ष चंदन कुमार सिंह,चैंबर ऑफ कॉमर्स के नव निर्वाचित सदस्य लखन गुप्ता,युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव वारिश राजा,संजय तिर्की, साबिर खान,मो. जुनैद आलम,कुरडेगअल्संख्यक प्रखंड अध्यक्ष जीशान फ़िरदौस, डा.इम्तियाज हुसैन,आदि कांग्रेस कार्यकर्ता और गणमान्य पदाधिकारी मौजूद थे। इधर रेस्टोरेंट के संचालक सत्या महतो ने विधायक का बुके देकर सम्मानित किया।

लगातार हो रही भारी बारिश के बाद धनबाद में भूधंसान

बाल बाल बचे स्थानीय निवासी, सांसद बोले- पुनर्वास नहीं तो काम नहीं

भू धंसान से खतरे में है लोगों की जान : सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी

वहीं सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने बीसीसीएल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है. उनका आरोप है कि बार-बार चेतावनी के बावजूद पुनर्वास की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं. सांसद ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि मुंडा बस्ती और पास की कुमार पट्टी के लोगों की जान खतरे में है और यदि तत्काल प्रभाव से पुनर्वास के लिए काम नहीं किया गया तो प्रशासन और बीसीसीएल दोनों जिम्मेदार होंगे.

नवीन मेल संवाददाता। धनबाद

बीसीसीएल अग्नि प्रभावित, डेंजर जोन और परियोजना के नजदीक रहने वाले लोगों की तकलीफ खत्म होने का नाम नहीं ले रही है. हैवी ब्लास्टिंग के कारण उनके घरों में दरार आ रही है, जमीन धंस रही है. लगातार भू धंसान के कारण लोग दहशत में हैं. रामकनाली ओपी क्षेत्र के बीसीसीएल एरिया 4 के केशलपुर में संचालित आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा हैवी ब्लास्टिंग के कारण मुंडा बस्ती में भू-धंसान की घटना सामने आई है, जिससे क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल है. वहीं मामले में स्थानीय लोगों का कहना है कि वे पिछले डेढ़ साल से यहां रह रहे हैं. वे लगातार यहां से शिफ्टिंग को लेकर मांग कर रहे हैं. आसपास की जमीन धीरे धीरे धंस रही है. लोगों का कहना है कि आउटसोर्सिंग के द्वारा, हैवी ब्लास्टिंग की जाती है. ब्लास्टिंग और बारिश के कारण जमीन धंस रही है. लोगों का कहना है कि प्रबंधन के द्वारा एक सप्ताह से सिर्फ आश्वासन दिया जा रहा है लेकिन कंपनी की ओर से पहल नहीं की जा रही है. हम लोग सिर्फ दूसरी जगह की मांग कर रहे है, जहां हम लोग सुरक्षित रह सके. वही स्थानीय निवासी महादेव यादव ने कहा कि अचानक से मेरा घर धंस गया, जितना समान था वो दब गया है. हम लोग रहने के लिए बस जगह की मांग कर रहे हैं.

सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा को लेकर डीसी ने बाउंड्री निर्माण का दिया निर्देश

धनबाद। डीसी आदित्य रंजन ने शनिवार को जिले के प्रमुख स्थानों पर स्थित सरकारी भवनों की सुरक्षा को लेकर अहम बैठक की. उन्होंने सभी सीओ को निर्देश दिया कि अपने-अपने क्षेत्र के अस्पताल, विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र, कार्यालय समेत अन्य सरकारी संरचनाओं की पहचान करें और जिन परिसरों में बाउंड्री वॉल नहीं है वहां शीघ्र बाउंड्री का निर्माण कराएं. साथ ही सभी सरकारी भूमि की सूची तैयार कर उन्हें चिह्नित करने व अतिक्रमण से बचाने के लिए वहां भी बाउंड्री वॉल बनाने का निर्देश दिया.

बैठक में डीसी ने कई महत्वपूर्ण मामलों की समीक्षा की. धनबाद में साइंस सेंटर निर्माण, स्टील गेट के पास सड़क चौड़ीकरण, एसएनएमएमसीएच में बाउंड्री वॉल निर्माण तथा पंपू तालाब के जीर्णोद्धार की प्रगति की जानकारी ली. बैठक में अपर समाहर्ता विनोद कुमार, एसडीओ राजेश कुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी राम नारायण खलको, भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता, बीआईटी सिंदरी के निदेशक, बीबीएमकेयू के रजिस्ट्रार, धनबाद पॉलिटेक्निक और आईटीआई के प्राचार्य, जिला पीएमयू के अधिकारी रूपेश कुमार मिश्रा, संजय झा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

न्यूज बॉक्स

कुख्यात नक्सली प्रभात मुंडा के खिलाफ इश्तेहार चस्पा

चाईबासा। पुलिस ने कराईकेला थाना क्षेत्र में कुख्यात नक्सली प्रभात मुंडा उर्फ मुखिया के खिलाफ ढोल-नगाड़े के साथ उसके पैतृक घर हाड़ारलामा अड़की में इश्तेहार चस्पा किया है। प्रभात मुंडा पर कराईकेला थाना में कई मामले दर्ज हैं, जिनमें आर्म्स एक्ट और सीएलए एक्ट के तहत मामले शामिल हैं।आरोपी के खिलाफ कराईकेला थाना में कांड संख्या 13/23, 15/24 और 17/24 दर्ज हैं। चाईबासा पुलिस ने प्रभात मुंडा के खिलाफ इश्तेहार चस्पा कर उसे आत्मसमर्पण करने या गिरफ्तारी के लिए प्रस्तुत होने की चेतावनी दी है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही है। प्रभात मुंडा कुख्यात नक्सली है और वह अमित मुंडा दस्ते के साथ मिलकर विध्वंसक गतिविधियों में शामिल रहा है। पुलिस उसकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए है और जल्द ही उसे गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है।

राष्ट्रीय जनता दल का 29 वां स्थापना दिवस मना,कटा केक, फ़हराया गया राजद का झंडा

कोडरमा। 1997 में लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व में बनीं राष्ट्रीय जनता दल(राजद) का 29 वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ शनिवार को मनाया गया। स्थापना दिवस पर झुमरीतिलैया के विशुनपुर आश्रम रोड स्थित राजद प्रधान कार्यालय में पार्टी का झंडा नगर अध्यक्ष घनश्याम तुरी ने फहराया।साथ ही केक काटकर स्थापना दिवस मनाया गया।स्थापना दिवस कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष घनश्याम तुरी ने किया। जबकि संचालन अब्दुल वाहिद ने किया। वक्ताओं ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनता दल का गठन गरीब, गुरबों और शोषितों की आवाज़ बुलंद करने के लिए की गई थी। सामाजिक परिवर्तन के योद्धा लालू प्रसाद यादव ने हाशिये पर खड़े अंतिम व्यक्ति को अन्याय के ख़िलाफ़ उठ खड़े होने की ताक़त दी। संविधान और लोकतंत्र की ताकत ने परिवर्तन की राह सुनिश्चित किया और सामाजिक न्याय के नारे को मुकम्मल किया। वक्ताओं ने कहा कि देश मे अब सत्ता का चरित्र और चेहरा बदल गया है, साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण के जरिये ग़रीबो, पिछड़ो और दलितों, अकलियतों की एकता को तोड़ा जा रहा।बाबा साहब के संविधान को बदलकर आरएसएस की विचारों को थोपा जा रहा।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक में प्रगति लाने का दिया गया निर्देश

मरकच्चो (कोडरमा)। प्रखंड मुख्यालय सभागार में ग्रामीण विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग की योजनाओं का समीक्षा बैठक प्रखंड विकास पदाधिकारी हुलास महतो की अध्यक्षता में शुक्रवार को किया गया। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी ने मनरेगा अंतर्गत लंबित योजनाओं को यथाशीघ्र पूर्ण करने एवं बागवानी योजना में लक्ष्य के अनुरूप जेएसएलपीएस के साथ समन्वय बनाकर नए आम बागवानी की योजनाओं में पीट खुदाई में तेजी लेने का निर्देश दिया गया। लक्ष्य के अनुरूप बिरसा सिंचाई कूप की नई योजना लेने तथा कूप का लंबित भुगतान करने का भी निर्देश दिया गया।रिजेक्टेड ट्रांजेक्शन को शत प्रतिशत पूर्ण करने एवं प्रति ग्राम कम से कम 5 योजनाओं का क्रियान्वयन करने को कहा गया।अबुआ आवास एवं प्रधानमंत्री आवासों को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिए ।बैठक में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा रवि शंकर ,सहायक अभियंता चितरंजन कुमार,प्रखंड समन्वयक 15वे वित्त शशि कुमार यादव, सभी कनीय अभियंता, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक,जनसेवक एवं प्रखंड के कर्मी मौजूद रहे।

महिला से सोने की चेन झपट कर तीन बदमाश बाइक से हुए फरार

रामगढ़। रामगढ़ थाना क्षेत्र में विगत शुक्रवार सुबह एक महिला से चेन स्नैचिंग की घटना सामने आई है। कोमल जैन (उम्र 45 वर्ष) प्रतिदिन सुबह टहलने जाती हैं। शुक्रवार को लगभग 6:30 बजे बंजारी मंदिर की ओर से टहलकर अपने घर नेहरू रोड लौट रही थीं। इसी दौरान सुभाष चौक के नजदीक एमईएस गेट के सामने बाइक सवार तीन अज्ञात अपराधियों ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली और तेज रफ्तार में नए बस पड़ाव की दिशा में भाग निकले। घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। पीड़िता ने तत्काल इसकी सूचना रामगढ़ थाना को दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की मदद से बदमाशों की पहचान में जुटी है। स्थानीय लोगों ने बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर चिंता जताई है और गश्त बढ़ाने की मांग की है।

सड़क हादसे में दो की मौत कार के उड़े परखच्चे

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। राजगंज थाना क्षेत्र के जीटी रोड पर डोमनपुर स्थित पेट्रोल पंप के पास हुए सड़क हादसे में कोयलांचल के दो प्रतिष्ठित कारोबारी के बेटे की मौके पर ही मौत हो गई. दोनों के शव को एसएनएमएमसीएच लाया गया. जहां औपचारिक रूप से डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना मिलने के बाद परिजन व व्यवसायियों का अस्पताल में तांता लग गया. परिजनों का अस्पताल में रो रोकर बुरा हाल है. शवों को एसएनएमएमसीएच अस्पताल से पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया है. दोनों कोलकाता में रहकर बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई कर रहे थे. दोनों अच्छे मित्र थे और कल ही कोलकाता से अपने घर पहुंचे थे ।

व्यवसायी शांतनु चंद्रा ने बताया कि धनबाद के दो प्रतिष्ठित व्यवसायी विशाल कृष्णानी और हृदयाल सिंह के बेटे की आज सड़क हादसे में मौत हो गई है. जीटी रोड धनबाद राजगंज में सड़क हादसा हुआ है. किसी अज्ञात के द्वारा उनके परिजन को फोन पर जानकारी दी गई और कहा गया कि दोनों की मौत हो चुकी है. दोनों एक कार में सवार थे, जो दुर्घटनाग्रस्त हो गई. सूचना मिलने के बाद परिजन व अन्य व्यवसायी अस्पताल पहुंचे. जहां दोनों के बेटे का शव पड़ा हुआ था. विशाल कृष्णानी बैंक मोड में रहते हैं. उनका बैंक मोड़ में एक बड़ी कंपनी के कपड़े का शोरूम है. विशाल कृष्णानी के बेटे का नाम साहिल कृष्णानी है. वहीं, हृदयाल सिंह की धनसार थाना क्षेत्र के जोड़ाफाटक में ऑटो पार्ट्स की दुकान है. हृदयाल सिंह के बेटे का नाम अनमोल सिंह हैं. दोनों कोलकाता में रहकर बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई कर रहे थे. आज सुबह दोनों कार लेकर जीटी रोड पर निकले थे. जहां राजगंज थाना क्षेत्र के डोमनपुर पेट्रोल पंप के समीप उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई और दोनों की मौत मौके पर ही हो गई.

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

नवीन मेल संवाददाता

- **शादी के पश्चात कुछ दिनों तक सब कुछ ठीक-ठाक चला। इसके पस्चात ससुराल वाले छोटी छोटी बातों को लेकर उसके साथ कलह करते रहते थे**

कोडरमा थाना क्षेत्र अंतर्गत चांदेडीह गांव में शनिवार की सुबह एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मृतका की पहचान 23 वर्षीय मनीषा कुमारी पति आशुतोष कुमार रजक के रूप में हुई है। मामले की जानकारी देते हुए मृतका के छोटे भाई नितेश ने बताया कि आज सुबह उसे उसकी बहन के घर से फोन आया की वह बीमार है, जल्दी से मिलने आ जाओ। जब वह अपनी बहन के घट चांदेडीह पहुंचा तो देखा कि उसकी बहन एक खपड़ैल के बने कमरे में बांस में फंदे से झूल रही थी। जिसके पश्चात उसने इसकी सूचना पुलिस को दी। उसने बताया कि उसकी बहन ने आत्महत्या नहीं की है, बल्कि उसकी हत्या उसके ससुराल वालों द्वारा कर दी गई है। उसने बताया कि उसके बहन की शादी सन 2021 में आशुतोष रजक से हुई थी। शादी के पश्चात कुछ दिनों तक सब कुछ ठीक-ठाक चला। इसके पस्चात ससुराल वाले छोटी छोटी बातों को लेकर उसके साथ कलह करते रहते थे। कई बार पारिवारिक विवाद को हमलोगों द्वारा आकर सुलझाया जा चुका है। उसने बताया कि उसकी बहन के ससुर काफी कड़क विचार के हैं और वे हमेशा मनीषा को डांट डपट करते रहते थे। उसने बताया कि उसकी बहन के ससुर महेश रजक गांव के ही एक विद्यालय में बतौर पारा शिक्षक कार्यरत हैं। वहीं उसकी सास आंगनबाड़ी सेविका है। उसने बताया कि उसके बहनोई कभी कभी झुमरीतिलैया में जाकर कुछ कामधाम कर लिया करते थे। फिलहाल वे बेरोजगार हैं। इस बात का भी दंश मनीषा को उसके ससुर द्वारा झेलना पड़ता था। इधर घटना के पश्चात से ससुराल वाले घर से फरार हैं। वहीं घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच चुकी थी और मामले की गंभीरतापूर्वक जांच कर रही थी। बताते चलें कि मृतका के दो छोटे-छोटे पुत्र हैं। मृतका की माँ व मायके वालों का रो-रो कर बुरा हाल है।

सदर अस्पताल व सभी सीएचसी में उपलब्ध कराई गई एंटी रेबीज व सांप काटने की दवा

धनबाद। सदर अस्पताल, धनबाद सहित जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में एंटी रेबीज वैक्सीन व एंटी स्नेक वाइल उपलब्ध कराई गई है. डीसी आदित्य रंजन ने जानकारी दी कि जिले को 5000 एंटी रेबीज वैक्सीन की खेप प्राप्त हो चुकी है. साथ ही एंटी स्नेक वाइल दो दिन पहले ही सभी सीएचसी में पहुंचा दी गई है. सदर अस्पताल को 1000 एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध कराई गई है. वहीं, बाघमारा, बलियापुर, धनबाद सदर, गोविंदपुर, झरिया, निरसा, तोपचांची, टुंडी सहित सभी प्रमुख सीएचसी को वैक्सीन की 500-500 डोज भेजी गई हैं. डीसी ने कहा कि अब कुत्ता काटने या सांप डंसने की स्थिति में मरीजों को बाहर नहीं जाना पड़ेगा. स्थानीय स्तर पर ही इलाज की तत्काल सुविधा उपलब्ध रहेगी. सिविल सर्जन ने सभी सीएचसी प्रभारियों को निर्देशित किया है।

ऐश पौंड में दो हाथियों के देखे जाने से लोगों में दहशत का माहौल

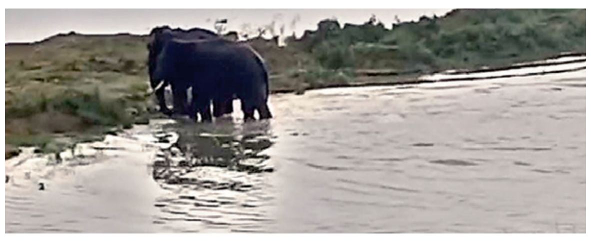

कोडरमा। कोडरमा थर्मल पावर प्लांट के विस्तारीकरण के साथ निर्माणाधीन ऐश पौंड में झुंड से बिछड़े दो हाथी फंस गए हैं, जिन्हें बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल रहा है। ऐश पौंड में अचानक दो विशालकाय हाथियों के देखे जाने से आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है। वहीं दूसरी तरफ ऐश पौंड से हाथियों को रेस्क्यू करने के लिए बंगाल के बांकुड़ा से बुलाई गई स्पेशल टीम का इंतजार किया जा रहा है। तकरीबन ढाई सौ एकड़ से अधिक भूमि पर इस ऐश पौंड का निर्माण किया जा रहा है। ऐश पौंड से सेट दक्षिणी छोर पर निर्माणाधीन बाउंड्री से जगह बनाकर हाथी प्लांट परिसर में दाखिल हुए और ऐश पौंड में जाकर फस गए हैं। ऐश पौंड के चारों ओर तकरीबन 25 से 30 फीट ऊंचे बंड का निर्माण किया गया है, जिसके कारण हाथियों को पॉन्ड से बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल रहा है। ड्रोन कैमरे की मदद से हाथियों के मूवमेंट पर नजर रखी जा रही है। फिलहाल रेंजर रविंद्र कुमार की अगवाई में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची हुई है, जबकि प्लांट के चीफ इंजीनियर मनोज ठाकुर ने भी घटनास्थल का मुवायना किया और आम लोगों से इस क्षेत्र में आवाजाही कम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच चुकी है।

बेलगड़िया टाउनशिप के मकानों को लीज पर देने की प्रक्रिया तेज

धनबाद। झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार के तहत बेलगड़िया टाउनशिप में आवंटित मकानों को लीज पर देने की प्रक्रिया तेज हो गई है. धनबाद के डीसी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय में इस मुद्दे पर समीक्षा बैठक हुई. बैठक में उन परिवारों को मकान की लीज डीड (पट्टा) प्रदान करने के संबंध में चर्चा हुई जो पहले से टाउनशिप में रह रहे हैं या जिन्हें हाल ही में मकान आवंटित हुए हैं. डीसी ने बीसीसीएल के जीएम इस्टेट, जीएम झरिया मास्टर प्लान, सब रजिस्ट्रार व जेआरडीए को आपसी समन्वय के साथ सुव्यवस्थित योजना तैयार करने का निर्देश दिया. कहा कि लीज प्रक्रिया को पारदर्शी व सुगम बनाया जाए, ताकि लाभुकों को जल्द से जल्द कानूनी रूप से मकान का अधिकार प्राप्त हो सके. बैठक में बीसीसीएल के जीएम इस्टेट, जीएम झरिया मास्टर प्लान, सब रजिस्ट्रार धनबाद और JRDA की पूरी टीम मौजूद रही. सभी को तय समयसीमा के भीतर जिम्मेदारियों के निर्वहन का निर्देश दिया गया.

मुहर्रम को लेकर जिला प्रशासन सतर्क, सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

धनबाद। मुहर्रम का त्योहार शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर धनबाद जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है. डीसी आदित्य रंजन, एसएसपी प्रभात कुमार व प्रभारी एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद ने संयुक्त आदेश जारी किए हैं. जिले को सात जोन में बांटकर सुरक्षा व्यवस्था की गई है. ये जोन हैं धनबाद, कतरास,चिरकुंडा, तोपचांची, झरिया, गोविंदपुर व टुंडी. प्रत्येक जोन में जोनल दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है. सभी थाना व ओपी में भी दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहेंगे.

देवघर श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन सक्रिय

पंडा समाज के साथ हुई अहम बैठक

11 जुलाई से शुरू होगा श्रावणी मेला

बता दें कि 11 जुलाई से शुरू होने वाले श्रावणी मेले की तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं. राज्य के पर्यटन मंत्री और सरकार ने 5 जुलाई तक सभी तैयारियां पूरी करने की अंतिम तिथि निर्धारित की थी. इस निर्देश के अनुपालन में जिला प्रशासन सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटा हुआ है. जिला प्रशासन और मंदिर प्रबंधन की संयुक्त कोशिशों से श्रावणी मेला में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने की योजना है. पंडा समाज के सहयोग और सरकार के दिशा-निर्देशों के साथ प्रशासन मेले को सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है.

नवीन मेल संवाददाता

देवघर। आगामी श्रावणी मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन और मंदिर प्रबंधन लगातार समन्वय स्थापित कर रहे हैं. इसी कड़ी में उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने पंडा धर्म रक्षिणी सभा के वरिष्ठ सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की. इस बैठक में मंदिर प्रांगण में सुलभ जलार्पण और श्रावणी मेला की व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा हुई. बैठक में निर्णय लिया गया कि श्रावणी मेले के दौरान रविवार और सोमवार को वीआईपी दर्शन या शीघ्र दर्शनम कूपन के माध्यम से दर्शन की अनुमति नहीं होगी. उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने बताया कि सावन माह में अरघा सिस्टम के माध्यम से ही श्रद्धालुओं को जलाभिषेक कराया जाएगा. वहीं, भादो माह में स्पर्श दर्शन की अनुमति होगी या अरघा सिस्टम ही लागू रहेगा, इस पर बाद में विचार-विमर्श किया जाएगा. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वीवीआईपी पूजा पर सावन के दौरान रोक रहेगी, जिसके लिए कैबिनेट को सूचित कर दिया गया है.मंदिर प्रांगण में आयोजित इस बैठक में पंडा धर्म रक्षिणी सभा के अध्यक्ष, सरदार पंडा, महामंत्री सहित पंडा समाज के कई बुद्धिजीवी शामिल हुए. पंडा समाज ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को मंदिर में दर्शन की अनुमति देने की मांग की. ताकि एक ही दिन में लाइन में लगे श्रद्धालु जलाभिषेक कर सकें. इसके अलावा, सावन और भादो माह में शहर में आने वाली लाखों गाड़ियों के लिए उचित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी चर्चा हुई. उपायुक्त ने बताया कि क्यू कॉम्प्लेक्स से मंदिर तक की दूरी और यात्रा समय का आकलन किया जाएगा.

इसके आधार पर यह तय होगा कि अधिकतम श्रद्धालुओं को दर्शन का अवसर कैसे प्रदान किया जाए.

खेल संरचना के विकास को लेकर उपायुक्त ने विभिन्न स्थलों का किया निरीक्षण

कोडरमा। जिले में खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने और युवाओं को बेहतर खेल सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उपायुक्त ऋतुराज द्वारा बागीटांड स्थित इनडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेडियम में उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की तथा आवश्यक सुधार हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इसके उपरांत उपायुक्त ने गुमो स्थित निर्माणाधीन स्टेडियम का जायजा लिया और कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए निर्माण कार्य को यथाशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने यह भी कहा कि युवाओं को उच्च स्तरीय खेल अवसंरचना उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।इसी क्रम में उन्होंने करमा स्थित चिन्हित स्थल का निरीक्षण कर वहाँ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स विकसित करने हेतु संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश जारी किए। उपायुक्त ने कहा कि इस कॉम्प्लेक्स के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में भी खेल प्रतिभाओं को उभारने का अवसर मिलेगा। वहां साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने एवं श्रद्धालुओं के लिए पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया।निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त रवि जैन, जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
SOIL INVESTIGATION DIVISION,
ADVANCE PLANNING, ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT,RANCHI
NirupanBhawan,3rd Floor,Room No. 401,56-Set, Doranda,Ranchi-834002

e-Procurement (Very Short Tender Notice)
Letter of Invitation (LOI) No.-17/2025-26 2nd Call
e-Tender Ref No:–RCD/SID/AP/RAN/17/2025-26 Date:- 03.07.2025

1	Name Of Work	Consultancy Services for Preparation of Detailed Project Report for widening & Strengthening/Reconstruction of Road from Bandhdih Tracker Stand to Surajmore including replacement/New Proposal of Culverts, Bridges, ROB's, RUB's, Complete Land Acquisition Plan including Ownership details all complete as per latest guidelines, Resettlement and Rehabilitation Proposal, Forest Diversion Proposal and Utility Shifting Proposal in details etc. as required by the Department (If any) under Bokaro District in the State of Jharkhand. (Tetative Length 07.00 K.m.) *Empanelled consultant with RCD under category-I vide letter No. 3063(S) WE Dated 22.08.2022are allowed to Bid.
2	Tentative Length	07.00 K.m
3	Period of Completion of Work	30 Days
4	Cost of Tender documents	Rs 5,000/- (Five Thousand) only. Non refundable Fee.Tender fee will be recived through online mode only. The quotationershave to deposit a fixed amount of Rs 15,000 as Earnest Money. As per the Departmental Letter no-4652(S) dated 06.10.2023, cost of tender document and Earnest Money Deposit be received in online mode only through e-procurement (http://jharkhandtenders.gov.in) by internet banking/NEFT/RTGS facility as per Standard Operating sistim Procedure (SOP) issued by Information Technology & e-Governance Department, Government ofJharkhand vide letter no- 120 dated 03.10.2023.
5	Mode of Bid Submission	e-tendering(http://jharkhandtenders.gov.in)
6	Date/Time of Publication of Tender on Website	07.07.2025,10:30 AM
7	Last Date/Time of Bid Submission	14.07.2025 12:00PM
8	Last Date/Time of Submission of Tender Fee & EMD	14.07.2025 12:00PM
9	Date and Time of Bid opening	15.07.2025 12:30 PM
10	Bid validity	120 days
11	Bid Submission Address	Chief Engineer(Communication),Road Construction Department,1st Floor, Engineer Hostel No.-2, Dhurwa, Ranchi-834004
12	Designation and Contact no. of Tender inviting Officer	Executive Engineer, Soil Investigation Division,Advance Planning RCD, Ranchi Mob- 9905660677.
13	PR No.-	355123 Road (2025-26) : D

Note:-Only e-Tender shall be accepted.

Sd./-
(Ravi Shankar Pravakar), Executive Engineer, Soil Investigation Division, Advance Planning, Road Construction Department,Ranchi

PR 356604
Road(25-26)#D

साहित्यिकी

व्यंग्य वचन

अंगूर खट्टे हैं!!

प्रत्येक दिन अखबार वाला बड़े जोखिम भरे स्टाईल से चलती ही साईकिल से अखबार कुछ इस तरह से खीच कर अपने हाथ से फेकता है कि बालकॉनी से सटी शीशे के खिड़की पर जोर से टकराता है और सुबह छःबजने की सूचना के साथ अखबार आ गया है पता चलता है। हर दिन रस्म अदायगी की तरह अखबार और चाय का साथ बनाते हुए, पन्ना पलटा तो मन प्रसन्न हो उठा, अखबार प्रायोजित लेखकों के बड़े -बड़े लेख जिसमें कुछ इस तरह से बड़ी सी प्रायोजित तस्वीर थी कि देख कर मन सोंच में पड़ गया ! अखिर कैसे ? क्यो?

मनीषा सहाय 'सुमन'

पता नही कितने प्रश्नों ने दिमाग के दरवाजे को खटखटा डाला , मन विचलित हुआ ही था कि तभी फोन पर ना! ना! ! घंटी नही मैसेज डिलिवरी की टनटनाहट कुछ इस तरह से हुई की अखबार से नजर घुमा फोन हाथ में उठा लिया! देखा मनन जी के साहित्यिक समूह में तथाकथित लेखक नें अपनी खुशी की साझेदारी साझा करते हुए लिखा --"आखबार संदेश में मेरा विस्तृत आलेख पढ़िये और अपने विचार से अवगत कराईये!" बस नीचे बधाईयों का ताँता लग पड़ा। आलेख की विषय वस्तु कुछ ऐसी थी की बड़े से शिवलिंग की तस्वीर, साथ में त्रिशूल ,फूल समझते देर नही लगी कि अंदर मतलब शब्दों के भंडारण में क्या छिपा मिलेगा! जग जाहिर है सभी सावन लगने पर धतूरा /भाँग/बेलपत्र/और न जाने क्या क्या इकठ्ठा करने में लगे हैं , बस सब प्रायौगिक चीजों का दिव्य दर्शन एक क्षण में आँखों के आगे से गुजर गया, अब पढ़ने को बचा क्या? तो बस ईष्ट की अखबारी ईमेज को नमन करके अखबार का पन्ना बंद किया । अभी चाय की चुस्की ली ही थी कि फोन की घंटी बज उठी, देखा मनन जी का कॉल था, तो उठाना तो लाजिमी था, मेरा हेलो कहना था कि बस ...... "देखा आपने! अखबार वालों को क्या होता जा रहा है ,आधे पेज पर एक आलेख ? कल "प्रभाकर समाचर" पत्र में भी आधे पेज पर इनका ही कब्जा था। इस तरह साहित्य का अवशोषण करने वाले लेखकों को शर्म नही आती है? उनकी बात का भड़काऊ लहजा और शब्द 'अवशोषण' सचमुच पूरा रसायन विज्ञान याद आ गया । हाँ में हाँ मिलाती मेरी वाणी और होठो पर उभर रही थी मंद मुस्कान! क्योकि मनन जी की पूरी भड़ास मेरे हृदय में उठ रहे विचारों का साकार रूप वाणी प्रसाद के रूप में परोसा जा रहा था। मेरी आवाज थोड़ी धीमी हुई कि उधर से मनन जी ने खींज कर कहा..."महोदया आप सुन रही हैं कि सो रही हैं?"मैने झट से अपनी मनोदशा को सँभाला और प्रति उत्तर दिया --"महोदय मैं सुन रहीं हूँ ,और संतोष के घूँट पी रहीं हूँ। क्योकि सुबह- सुबह अखबार ने यह आग लगायी है ।बेवजह के स्तंभ लगाकर पन्नों की बेवजह बर्बादी नजर आई है ।जितनी जगह तस्वीर ने घेरा है, उतनी जगह में मेरी एक बड़ी कहानी अट जाती , कहानी समाजिक लिखती हूँ तो समाज तक कुछ सद्देश भी पहुँचाती,पर हमारी यह किस्मत कहाँ कि 'संदेश' और 'प्रभाकर' जैसे अखबार की दहलीज हम चढ़ें! मनन जी उधर से बिफर पड़े ..."मैं तो इसलिये इन लोंगो के पास रचना भेजता ही नही हूँ छपने के लिये ।पेपर साहित्य का प्रचार कर सकता है पर साहित्य तो नही बन सकता है न!" मुँह से निकला वाह "सचमुच बड़ी जबरदस्त बात कह डाली आपने ,चलिए फोन रखती हूँ"। और नमन कर फोन रखा और सोंच का एक नया किवाड़ खोला। मनन जी के गहरे कटाक्ष पूर्ण प्रशन ने कई प्रशन को मानस पर अंकित कर दिया ,पर सुबह -सुबह नकारात्मकता से बचते हुए ,मन ही मन सोंचा --"वह रे मनन जी अँगूर खटटे हैं!"

विजय लक्ष्मी वेदुला

भारत की आजादी के बाद से ही भारत -पाक के संबंध मधुर नहीं रहे।जब-तब छिटपुट और कभी गंभीर लड़ाईयां होती ही आ रही हैं।देश इसका समसामयिक भुगतान करता आ रहा है।

1965-71 के युद्धों ने शत्रुता को और गहरा कर दिया है। 1971 के युद्ध के कारण पूर्वी पाकिस्तान से बांग्लादेश का निर्माण। 1980 और 90 के दशक तक कश्मीर उग्रवाद का केंद्र बन गया और 1998 में दोनों देशों ने परमाणु हथियारों का परीक्षण किया। फरवरी 1999 में दोनों देशों ने परमाणु संघर्ष को रोकने और शांति पूर्ण तरीकों से अपने विवादों को हल करने के लिए "लाहौर"घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए। हालांकि यह समझौता युद्ध के एक और दौर को रोकने में विफल रहा। इस प्रकार के कई अन्य प्रकार के युद्ध होते रहे और प्रत्येक ऑपरेशन का एक नाम दिया गया। अब हम वर्तमान समय में उग्रवादी हमला 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुआ।

नृशंस हत्या काण्ड जिसमें लोगों को धर्म पूछकर मारा गया। उसमें भी केवल पुरुषों को धर्म पूछकर मारा गया है। स्त्रियों को रोता कलपता छोड़ दिया। तीर्थयात्रियों सहित 26 निर्दोष लोगों की हत्या की गयी थी।

ऑपरेशन सिंदूर भारत द्वारा 7 मई 2025 को किया गया एक सैन्य अभियान था, जो 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले की प्रतिक्रिया के एवज में रात 1:05 बजे से 1 बजे तक चला। यह आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने के भारत के संकल्प को और मजबूत बना दिया। यह ऑपरेशन विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी जैसे महत्वपूर्ण लोगों के नेतृत्व में किया गया था, जो मीडिया को जानकारी देने और मिशन के रणनीतिक पहलुओं की देखरेख करने के लिए जिम्मेदार थे। यह ऑपरेशन तीन सेनाओं का प्रयास था, जिसमें भारतीय सेना,नौ सेना एवं वायु सेना ने मिलकर पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जेवाले जम्मू और कश्मीर (पी ओ जे के) में आतंकी ढांचे को खत्म करने के लिए काम किया।

ऑपरेशन सिंदूर

राष्ट्रकवि दिनकर जी की यह पंक्तियां सार्थक होती हैं

"क्षमा शोभती उस भुजंग को, जिसके
पास गरल हो।
उसको क्या जो दंतहीन, विष रहित,
विनीत सरल हो।
उठी अधीर धधक, पौरुष की आग राम
के शर से।
सहनशीलता,क्षमा, दया को तभी
चूमता जग है,
बल का दर्प चमकता उसके पीछे जब
जगमग है।"

इन ठिकानों में जैश -ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे समूहों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले 9 (नौ) आतंकी शिविर शामिल थे।माना जाता है कि ये शिविर भारत के खिलाफ हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने के लिए जिम्मेदार थे। ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए भारत ने उच्च-सटीक हथियारों का इस्तेमाल किया, जिसमें कम से कम एक नुकसान हुआ और आतंकी ढांचे को प्रभावी ढंग से नष्ट किया गया।

भारतीय वायुसेना (आई.ए.एफ.) ने एस सी ए एल पी क्रूज मिसाइल,हैमर प्रिसिजन-गाइडेड बम और लोइटरिंग म्यूनिशन जैसी उन्नत प्रणालियों का उपयोग करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ये हथियार स्थिर और मोबाइल आतंकवादी स्थलों को निशाना बनाने में अपनी सटीकता और प्रभावशीलता के लिए जाने जाते हैं। एम बी डी ए द्वारा विकसित एस सी ए एल पी क्रूज मिसाइल एक लंबी दूरी की, हवा से प्रक्षेपित मिसाइल है जिसका प्रयोग उच्च सटीकता के साथ गहराई से घिरे लक्ष्यों पर हमला करने के लिए किया जाता है।हैमर बमों का इस्तेमाल मध्यम दूरी हमले के लिए किया जाता था, जब कि लोइटरिंग म्यूनिशन या कामिक्रेज़ , ड्रोन, वास्तविक समय की खुफिया जानकारी प्रदान करते थे और जरूरत पड़ने पर हमले करते थे।

इस ऑपरेशन का नाम सिंदूर रखा गया,जो पहलगाम हमलों में मारे गए लोगों की विधवाओं के लिए श्रद्धांजलि थी। भारत में सिंदूर एक लाल रंग का पाउडर है, जिसे विवाहिता महिलाएं अपनी वैवाहिक स्थिति के प्रतीक के रूप में मांग में धारण करती हैं। ऑपरेशन का नाम सिंदूर रखकर भारतीय सशस्त्र बलों ने इसे पीड़ितों एवं उनके परिवारों के साथ एक गहरा भावनात्मक और व्यक्तिगत संबंध दिया। ऑपरेशन सिंदूर ने न केवल भारत की सैन्य क्षमताओं को उजागर किया, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रतिबद्धता से भी प्रदर्शित किया।

यह ऑपरेशन इस बात का संदेश था कि भारत अपने नागरिकों को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेगा। इसके अलावा इसने त्वरित एवं प्रभावी हमले के लिए सेना की कई शाखाओं के समन्वय की भारत की क्षमता को भी प्रदर्शित किया।

यह अभियान क्षेत्र के आतंकवाद के मौजूदा खतरे और ऐसी चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता की याद दिलाता है।इसे अन्य देशों से भी समर्थन मिला , जिन्होंने भारत के आत्म रक्षा के अधिकार को स्वीकार किया। संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस और रूस जैसे देशों ने भारत की कार्रवाइयों को मान्यता दी,तो दुनिया ने आतंकवाद के खिलाफ एक जुट रूख देखा। ऑपरेशन सिंदूर भारत के अपने लोगों और संप्रभुता की रक्षा के लिए दृढ़ संकल्प का एक उदाहरण है, जो आतंकवाद के लिए भविष्य की सैन्य प्रतिक्रियाओं के लिए एक मिसाल कायम किया है। इसने दिखाया कि भारत अपनी सीमाओं की रक्षा करना जारी रखेगा और खतरों को उसके नागरिकों को नुकसान पहुंचाने से रोकेगा। इस तरह भारत कभी कायर था न और कभी रहेगा।

ईयर रिंग्स

"आने दो बाई को कल... पूछती हूँ उससे... अजी घरों में तो सैकड़ों सामान इधर-उधर पड़े रहते हैं। हर वक्त सबका ध्यान कैसे रखा जा सकता है? माना कि कल पार्टी से आकर मैंने अपने ईयर रिंग्स टेबल पर रख दिए... तो इसका मतलब वो उठाकर चल देगी...?" मिसेज वर्मा पड़ोसन से बाई की शिकायत किए जा रही थी। " सोचा था कि सबेरे उठते ही संभाल लूंगी।पर उठते ही काम की चक्की रुके तब न..." " सब निपटाकर गई तो देखा रिंग्स गायब हैं" " मिसेज वर्मा! यूं शक करना ठीक नहीं। हो सकता है कहीं नीचे गिर गये हों?

डॉ सुरिन्दर कौर नीलम

"मैंने सब जगह ढूंढ लिया है। कहीं नहीं हैं।कल अगर बाई ने कुबूल नहीं किया तो मैं पुलिस को बुला लूंगी। वैसे मुझे लगता है कि वह तीन - चार दिनों तक आएगी नहीं' "लो बेटी भी आ गई कॉलेज से.." "अरे पारूल..! ये क्या..! तुम्हारे कानों में मेरे रिंग्स..? "हां मम्मी..! सुबह आप वाशरूम में थीं।बाई को झाड़ू लगाते समय मिले तो उसने मुझे दे दिए। मैं पहनकर चली गई..." ईयर रिंग्स तो बाई ने उठा कर दे दिए किंतु मिसेज वर्मा उसके सामने नजरें कैसे उठाएंगी।

मिट्टी बची रहे

सरिता सिंह

बची रहे मिट्टी
बचे रहे कुम्हार
बचा रहे उसका चाक
उसकी निष्ठा, उसकी
कला
"आयेंगे लोग घड़े
खरीदने"
बचा रहे उसका ये
विश्वास..।
बची रहे पनघट
बची रहें पनिहारिनें
उनके गीत, उनके
घूंघट..
बची रहे उनकी हँसी,
बचे रहे थके-हारे पथिक
बची रहे उनकी पवित्र प्यास..।
बची रहे मिट्टी
बची रहे...
मिट्टी से जुड़ी इच्छाएं,
मिट्टी से जुड़ी संवेदनाएं,
और बचे रहे...
मिट्टी से जुड़े सोंधे अहसास..।
मिट्टी बची रहे!
मिट्टी बची रहे 2
बची रहे ये धरती
बची रहे इसकी सुंदरता
बचे रहे उमड़ते-घुमड़ते मेघ
बचे रहे किसान, उनके स्वेद
उनके हल फावड़े कुदाल
बचा रहे प्रसाद रूपी अनाज।
बचे रहे जानवरों के झुंड
उन्हें स्नेह तृण से हाँकने को
बचे रहे देदीप्यमान चरवाहे
बचा रहे दोनों के बीच का अंतर
बची रहे नम्र सभ्यता
बचा रहे शिष्ट समाज।
कर सकें हम गर्व...
बची रहे हमारी संस्कृति
बचे रहे हमारे लोक पर्व...
लोक नृत्य...लोक गीत...
शोर को हराने वाले सुरीले संगीत
बचे रहे हमारे सुर-ताल और साज़।
हमारी ये
धरती बची रहे।
मिट्टी बची रहे!

पीली कोठी

शहर के बाहर बनी इस पीली कोठी को तब नैनीताल में रहने वाले लोगों में शायद ही कोई न जानता हो। दशकों पहले डॉक्टर माथुर नें इसे बड़े चाव से जाने कहाँ कहाँ से कारीगर और डिजाइन देख कर बनवाया था। दो तल्ले की इस कोठी के चारो ओर अच्छी खासी जगह थी। सुंदर सा बगीचा और हरे हरे घासों वाला बड़ा सा लॉन और उसको घेरे खड़े खूबानी, चीकू और नाशपाती के बड़े बड़े पेड़। घर के पिछवाड़े में नौकर चाकरों और माली के घर बने हुए थे जिसमे तीन चार परिवार रहते थे। डॉक्टर माथुर की अच्छी ख़ासी प्रैक्टिस थी और उन्होंने नैनीताल में अपना क्लिनिक भी खोल लिया था। परिवार के नाम पर पत्नी और बेटा 'मनु' बस दो लोग ही थे। डॉक्टर माथुर दिल के अच्छे थे पर बहुत ग़ुस्सैल, कड़क और ज़िद्दी स्वभाव के थे। घर में उनकी बात को टालने की कोई सोच भी नहीं सकता था। मनु पर उनकी ख़ास नज़र रहती घर के नौकर चाकर के बच्चों के साथ उसे खेलने की सख़्त मनाही थी। उनका मानना था की नौकरों के बच्चों के साथ खेलकर उनका मिशनरी स्कूल में पढ़ने वाला बेटा बिल्कुल गँवार और जंगली हो जाएगा। पर इन सबसे उलट मनु का मन तो बस उन्हीं बच्चों के साथ लगा रहता। कोठी के बाहर जाने की इजाज़त न थी इसलिए लॉन में ही उनकी टोली जमती। कैसे कैसे मज़ेदार खेल निकलते और कितनी ही धमाचौकड़ी होती। इन सबमें मनु को सबसे प्यारी लगती बगीचे के माली हरिया की बेटी निम्मी। दुबली पतली सी निम्मी अपने गोरे मुखड़े पर जड़ी बड़ी बड़ी आँखे घुमा घुमा कर ढेरों बातें किया करती। मनु जैसे ही स्कूल से आता निम्मी उसकी किताबें उलट पलट कर देखती और मनु से पूछती - तुमने क्या ये सारी किताबें पढ़ डालीं? मनु हंसकर कहता सारी नहीं पढ़ीं, पर पढ़नी पड़ेगी तू भी स्कूल जाया कर निम्मी , रुक पिताजी से कहकर तुझे भी अपने ही स्कूल में नाम लिखवा देता हूँ फिर दोनों साथ ही स्कूल जाएँगे। बेचारी निम्मी की बड़ी बड़ी आँखें उस से भी ज्यादा बड़े ख्वाबों में डूब कर रह जातीं।

रीना सिन्हा सलोनी

एक दिन जब अपने बाबा के साथ निम्मी लॉन के सूखे पत्ते बटोर रही थी तो मनु नें ज़िद करके उसके हाथों से टोकरी और झाड़ू ले लिया और वो भी लगा लॉन में झाड़ू लगाने और पत्तों को बटोरने , निम्मी उसे झाड़ू लगाता देख खूब हँस रही थी ।उसी समय मिस्टर माथुर की कार गेट के अंदर घुसी मनु के धूल मिट्टी से सने हाथों में झाड़ू देख वो ग़ुस्से से आग बबूला हो गए। डॉक्टर माथुर की ग़ुस्से से लाल आखें अंगारे बरसा रही थीं " सारा किया कराया पानी में मिला दिया, अनपढ़ जाहिलों के साथ रहकर तुम भी वैसे ही गँवार बनना चाहते हो" डॉक्टर माथुर ग़ुस्से से मनु पर चीख रहे थे। माली काका हाथ जोड़े माफी माँग रहे थे और निम्मी डर से काँपती, आँखे बंद किए बाबा के पीछे छिपी थी।

दूसरे ही दिन मनु का स्कूल से नाम कटा दिया गया और डॉक्टर माथुर की लंदन वाली बहन के पास भेजने की तैयारी शुरू हो गई। मिसेज़ माथुर का रो रो कर बुरा हाल था , वो रोती बिलखती बार बार पति से मनु को विदेश न भेजने के लिए मनाती रहीं पर डॉक्टर माथुर पर कोई असर न हुआ। जिस दिन मनु की कार घर से निकली तो मिसेज़ माथुर अपनी रो रो कर सूजी आँखें लिए खिड़की पर खड़ी थीं। हरिया माली को भी डॉक्टर माथुर नें काम से निकाल दिया था और वो लोग भी गाँव जाने वाले थे। निम्मी लॉन के पास के खूबानी के पेड़ के पीछे से गुमसुम सी चुपचाप मनु को जाते देख रही थी। मनु की आँखें कभी खिड़की पर खड़ी अपनी माँ को रोते हुए देखतीं तो कभी लॉन में निम्मी को ढूँढतीं। देखते देखते मनु को गए दस बरस हो गये। मनु अब नैनीताल का बड़ा डॉक्टर बन गया। माली और निम्मी पहाड़ों में किस गाँव गए किसी नें पता लगाने की कोशिश भी नहीं की। डॉक्टर माथुर अब दिन रात मरीज़ों से घिरे रहते और उनकी पत्नी इतनी बड़ी कोठी में बिल्कुल अकेली रह गईं। घर के काम के लिए नौकर-चाकर, ड्राइवर सब रख छोड़ा था डॉक्टर माथुर नें पर मिसेज़ माथुर अब अपने कमरे से बाहर ही न निकलती और निकलकर करती भी क्या , ऐसा था ही कौन जिससे वो बातें करतीं। अक्सर वह पीली कोठी भी बंद ही रहती। बस मिस्टर माथुर की कार ही अंदर बाहर जाती दिखती। लोग कहते हैं मिसेज़ माथुर कुछ विक्षिप्त सी हो गई हैंमनु मनु की आवाज़ें लगाती वो अक्सर खिड़की पर आ खड़ी होती हैं नौकरों से कहती - जा मनु को बुला ला , बाहर लॉन में खेल रहा है। लॉन में अब कोई झाड़ू नहीं लगाता सूखे पत्ते बिखरे पड़े रहते हैं। महीने दो महीने में बाहर से मज़दूर बुलवाकर बगीचे की सफ़ाई करवा दी जाती है।

गजल

अभिनव अरुण

सभी हालात के मारे मिलेंगे।
सियासत में फ़कत नारे मिलेंगे।
निकल घर से कभी बाहर भी देखो,
सड़क पर लोग बेचारे मिलेंगे।
चलो ठेके पे चल के देखते हैं,
जहां दिन के थके हारे मिलेंगे।
हमारे हाथ में है सच का परचम,
हमारे हाथ अंगारे मिलेंगे।
चहक कर माँ से बच्चा बोलता है,
चलो मेले में गुब्बारे मिलेंगे।
यहाँ सूखे हुए हैं खेत बेशक,
वहाँ सड़कों पे फ़व्वारे मिलेंगे।
वो जिनके हाथ में तलवार होगी,
कभी जीते कभी हारे मिलेंगे।
दुआ माँ की सफ़र में साथ रखना,
दिखाते रास्ते तारे मिलेंगे।
जहां बाज़ार झूठों का सजेगा,
वहीं सच के भी हरकारे मिलेंगे।
अगर हर आदमी जुगनू बने तो,
यहाँ कण कण में उजियारे मिलेंगे।
जो जंगल से हुए थे बेदखल कल,
शहर में आज बंजारे मिलेंगे।

काव्य कोना

कहीं से तो शुरु

कहीं से तो शुरु होना चाहिए
दुश्मन के विचार दोस्त के बारे में
जान लेना चाहिए।
पतझड़ का असर वसंत के आगमन तक रहेगा
बरसात का हाल , नदी की धार सुना देगी।
टहनियों से लगती हवायें , खुद अपना
हाल बयां करती है
मन का हाल , चेहरे का भाव बतला देता है।
अनजान राह चलने पर जाना
पहचाना लगता है
तकरार, नजदीकी की कहानी बतला देती है।

नाग मणि

पार्वती तिर्की : आदिवासी अस्मिता की मुखर आवाज़

साहित्य सृजन का उद्देश्य केवल सौंदर्य रचना नहीं होता, वह शोषित, वंचित और हाशिए पर पड़े समाज की व्यथा को स्वर देने का माध्यम भी बनता है। आदिवासी साहित्य इसकी ज्वलंत मिसाल है, जो सदियों के अन्याय, विस्थापन और सांस्कृतिक आक्रोश को स्वर देता आया है। जंगलों में बसने वाले इन समुदायों से न केवल ज़मीन छीनी गई, बल्कि विकास के नाम पर उनकी संस्कृति, परंपरा और अस्मिता भी धीरे-धीरे निगल ली गई। जो स्वर पहले जंगलों की साँझ में गुम हो जाते थे, वे आज कविता, कहानी और गीतों में न केवल दर्ज़ हो रहे हैं, बल्कि प्रतिरोध की एक सशक्त ध्वनि बनकर उभर रहे हैं।

चारुमित्रा

इस साहित्यिक प्रतिरोध में स्त्री स्वर का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ग्रेस कुजुर, निर्मला पुतुल, सरिता सिंह बड़ाईक, मीरा रामनिवास, रोज केरकेट्टा, मंजू ज्योत्स्ना, जसिंता केरकेट्टा और गुलांचो कुमारी जैसी कवयित्रियों ने अपनी बोली-बानी और हिंदी में आदिवासी जीवन के सूक्ष्म पक्षों को काव्यात्मक संवेदना में पिरोया है। अब इसी श्रृंखला में एक और महत्वपूर्ण नाम जुड़ गया है – 'पार्वती तिर्की'।

वर्ष 2025 में पार्वती तिर्की को उनकी काव्य-पुस्तक 'फिर उगना' के लिए साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की घोषणा हुई है। यह केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि झारखंड की सांस्कृतिक धरोहर और समस्त आदिवासी समुदाय की सामूहिक अभिव्यक्ति की स्वीकृति है। राजकमल प्रकाशन से प्रकाशित 'फिर उगना' में पार्वती तिर्की ने अपनी सहज, पारदर्शी भाषा और लोक-चेतना से आदिवासी जीवन के गूढ़ पक्षों को सजीव किया है।

● उनकी कविता की कुछ पंक्तियाँ

"खद्दी का चांद / आसरा देखता है –
तिलई फूलों का आसरा देखता।"

इन पंक्तियों में केवल प्रकृति का सौंदर्य ही नहीं, बल्कि आदिवासी मन का गहन प्रतीक बोध भी है – एक ऐसा मन, जो अपने अस्तित्व को प्रकृति में खोजता है, और बार-बार उजड़ कर भी 'फिर उगने' की जिद करता है। पार्वती तिर्की की कविताओं की सबसे बड़ी विशेषता है – उनकी 'स्पष्टवादिता'। वे कहीं भी बातों को उलझाती नहीं, न ही प्रतीकों में छिपने की कोशिश करती हैं। वे जिसे देखती हैं, उसे ही कविता में ढाल देती हैं – सच्चे अनुभव की तरह, बिना लाग-लपेट के। उनकी कविताओं में लोक-बोलियों का सहज प्रयोग, आंचलिक संबोधन और आदिवासी सौंदर्य-बोध की मौलिकता दिखाई देती है।

पार्वती तिर्की की कविताएं इसका जीवंत प्रमाण हैं। वे लोकभाषा को महज एक संवाद का माध्यम नहीं बनातीं, बल्कि उसे कविता की आत्मा बना देती हैं।

पार्वती तिर्की उस परंपरा की उत्तराधिकारी हैं जिसमें निर्मला पुतुल की संताली में लिखी गई कविताएं हों या रोज केरकेट्टा की खड़िया भाषा की अभिव्यक्तियाँ – सभी मिलकर हिंदी काव्य को समृद्ध कर रही हैं।

● ग्रेस कुजुर की यह चिंता –

"पुटुस तक को / उखाड़ के ले जाएंगे लोग / और तब / तुम खोजोगे उसकी जड़ों में / अपना झारखंड"

या निर्मला पुतुल का तीखा प्रतिरोध –

"ये वे लोग हैं / जो हमारे ही नाम पर / गटक जाते हैं हमारे हिस्से का समुद्र"

– सभी पार्वती की कविताओं की जमीन तैयार करते हैं, और पार्वती उस पर अपनी चेतना का बीज बोती हैं।

'फिर उगना' में पार्वती तिर्की आदिवासी जीवन की त्रासदियों, आशाओं और पुनर्जन्म की आकांक्षाओं को नए बिंबों में रचती हैं। उनके यहां माँदर की आवाज़ दूर से आती नहीं, गाँव के भीतर से गूंजती है। उनके बिंब झारखंड की मिट्टी से उपजे हैं, और उनकी भाषा उसी मिट्टी की गंध से महकती है।

पार्वती तिर्की आज केवल एक कवयित्री नहीं, बल्कि आदिवासी स्त्री अस्मिता की प्रवक्ता बनकर उभरी हैं। उनकी कविताएं पाठकों को न केवल आदिवासी समाज के दुख-दर्द से रूबरू कराती हैं, बल्कि उन्हें यह सोचने पर भी मजबूर करती हैं कि 'प्रकृति से कटकर विकास कैसा?' और 'बोलियों को कुचलकर बनाई गई भाषा कैसी?'

संयोजक : नरेश अग्रवाल

दर्पण

प्रतिभा प्रसाद 'कुमकुम'

किया प्रताड़ित तंज से, पूरे घर परिवार ।
एक बार दर्पण दिखा, घर से बाहर द्वार ।।
ताना देते थे कभी, साथ मिलें थे कंत ।
ऐसे में ही हो गया, प्रेम परिवार का
अंत ।।
जब कछुआ सम खोल में, भाव
खिला था अंग ।
बच्चों में ही मिल गया, जीवन का
यह रंग ।।
अपनों ने ही जब दिया, दर्द भरा
सौगात ।
इस बार जो तंज कसा, मिर्ची जैसी बात ।।
जैसे भी हो दर्द में, ग्रहण करो चुपचाप ।
तब ही तुम हो कुल बधू , वरना तर्पण ताप ।।
एक बार जो कह दिया , मुँह पर एक जवाब ।
समझो मत शुचि खैर से, हड्डी मिला कबाब ।।
ऐसे में अब जान लें, करना है क्या काम ?
कुल में यूँ अपमान से, बचना है ले बाम ।।
पति रहें सिरमौर सदा, पत्नी का श्रृंगार ।
सदा सुहागन बन रहें, कर्म धर्म अंगार ।।

उच्च शिक्षा

मीरा सिंह

देवा को आज अपनी सहधर्मिणी मेघा पर प्यार बहुत आ रहा है। कारण भी है ,उसने देखा है जब भी वो आर्थिक तंगी से गुजरता है मेघा तुरंत ही कोई छोटी मोटी नौकरी पकड़ लेती है । कम से कम मेघा के इस प्रयास से उसे कभी किसी के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ा है। देवा अब निश्चिंत है कि, उसने पिता द्वारा छोड़ी उनकी सारी जिम्मेदारियाँ पूरी कर दी है। सभी भाई बहनों की शादियाँ भी अच्छे घरो में कर दिया है।अब उसे अपने बच्चों की फिक्र है कि वो दोनों भी कहीं ना कहीं सेटल हो जाए। उसकी बेटी ने इसी वर्ष बारहवीं पास किया है। पढ़ने में बहुत तेज भी है वो । मेघा ने तो पहले ही बोल रखा है बेटी को तकनीकी विज्ञान में ही शिक्षित करेगी। आज प्रिया होस्टल अपनी माँ के प्रयासों से ही जा रही है। कम्प्यूटर सांइस में इंजीनियरिंग में दाखिला राजधानी के अच्छे कॉलेज में हो गया है ।उसे अपनी माँ पर फक्र है। इधर बेटी को होस्टल छोड़कर आते समय मेघा सोच रही है कि ,अगर पिता ने उसे शिक्षित नहीं किया होता तो अपने बच्चों को ना तो वो पढ़ा पाती और ना ही अपनी गृहस्थी को सुचारू रूप से चला पाती। उसे अपने पिता पर गर्व है ।

आज का दोहा

हर अलाव इक 'साख' है, जहाँ पहुँच कर लोग।
डाल अहं की लकड़ियाँ, करते रहे प्रयोग।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप - 82925 53444 -संपादक

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

सावन का आगमन : भक्ति, शिव आराधना और बोल बम की गूंज

एजेंसी। नई दिल्ली

विश्व के नाथ को समर्पित सावन का पवित्र महीना 11 जुलाई से शुरू होने वाला है। महादेव के साथ ही उनके भक्तों के लिए भी यह महीना बेहद मायने रखता है। शिवालयों में लगी लंबी कतारें 'बोल बम' और 'हर हर महादेव' की गूंज चहुंओर सुनाई देगी। भोलेनाथ का स्वरूप निराला है। उनका रूप जितना रहस्यमय है, उतना ही आकर्षक भी है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि उनके शरीर पर भस्म, माथे पर चंद्रमा, जटा में गंगा और गले में नागदेव क्यों विराजमान रहते हैं? शरीर पर भस्म, माथे पर चंद्रमा, जटा में गंगा और गले में नागदेव—हर भक्त के मन में जिज्ञासा जगाता है। पौराणिक ग्रंथों में इन सवालों का सरल अंदाज में जवाब मिलता है और भोलेनाथ के स्वरूप और श्रृंगार के बारे में भी विस्तार से जानकारी मिलती है।

महादेव की जटाओं में गंगा का वास है, इसलिए उन्हें 'गंगाधर' कहा जाता है। हरिवंश पुराण के अनुसार, जब पवित्रता और मुक्ति की दात्री गंगा स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरित हुईं, तो उनकी प्रचंड धारा को संभालने के लिए शिव ने उन्हें अपनी जटाओं में बांध लिया था। 'भस्मभूषित' के साथ ही शिव को 'चंद्रशेखर' भी कहते हैं, क्योंकि उनके मस्तक पर चंद्रमा सुशोभित है। भागवत पुराण के अनुसार, जब चंद्रमा ने दक्ष प्रजापति की 27 पुत्रियों (नक्षत्रों) से विवाह किया, लेकिन केवल रोहिणी को प्राथमिकता दी, तो दक्ष ने उन्हें क्षय रोग का श्राप दे दिया था। इसके बाद चंद्रमा ने शिव की तपस्या की, जिससे प्रसन्न होकर शिव ने उन्हें अपने मस्तक पर रहने का वरदान दिया। औढरदानी को 'नागेंद्रहार' भी कहते हैं, क्योंकि उनके गले में नागराज वासुकी विराजते हैं अर्थात गले में नाग रूपी हार को धारण किए हुए हैं। शिव पुराण के अनुसार, समुद्र मंथन में वासुकी ने रस्सी बनकर शिव के प्रति अपनी भक्ति दिखाई थी। प्रसन्न होकर शिव ने उन्हें अपने गले में स्थान दिया और नागलोक का राजा बनाया।

भोलेनाथ का रहस्यमय रूप

- महादेव का स्वरूप जितना रहस्यमय है, उतना ही आध्यात्मिक और आकर्षक भी है

भस्म में छिपा औषधीय और आध्यात्मिक गुण

महादेव को 'भस्मभूषित' भी कहा जाता है, क्योंकि वह अपने शरीर पर भस्म लगाते हैं। शिव पुराण के अनुसार, भोलेनाथ को भस्म बेहद प्रिय है। ये वैराग्य और नश्वरता का प्रतीक है। यह दिखाता है कि यह संसार क्षणभंगुर है और आत्मा ही शाश्वत है। शिव यह संदेश देते हैं कि सांसारिक मोह को त्यागकर आत्मिक शांति की ओर बढ़ना चाहिए। इतना ही नहीं, भस्म में औषधीय गुण भी माने जाते हैं, जो नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है। पौराणिक कथा के अनुसार, जब माता सती ने क्रोध में आकर खुद को अग्नि के हवाले कर दिया था, उस वक्त महादेव ने उनका शव लेकर धरती से आकाश तक हर जगह भ्रमण किया। विष्णु जी से उनकी यह दशा देखी नहीं गई और उन्होंने माता सती के शव को छूकर भस्म में बदल दिया था। अपने हाथों में भस्म देखकर शिव जी और परेशान हो गए और उनकी याद में वो राख अपने शरीर पर मल ली।धार्मिक ग्रंथों में यह भी उल्लेख मिलता है कि भगवान शिव कैलाश पर्वत पर वास करते थे और वहां बहुत ठंड होती थी। ऐसे में खुद को ठंड से बचाने के लिए वह शरीर पर भस्म लगाते थे।

बेअदबी के खिलाफ कानून बनाने की तैयारी में पंजाब सरकार

एजेंसी। पंजाब

- जल्द बुलाया जा सकता है विधानसभा का विशेष सत्र

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार बेअदबी के कृत्यों के लिए कड़ी सजा सुनिश्चित करने के लिए एक कानून पेश करेगी। अपने सरकारी आवास पर अधिकारियों और सर्व धर्म बेअदबी रोको कानून मोर्चा के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए सीएम ने कहा कि पंजाब महान गुरुओं, संतों और द्रष्टाओं की पवित्र भूमि है जिन्होंने आपसी प्रेम और सहिष्णुता का मार्ग दिखाया है। यह बहुत गर्व की बात है कि पंजाब समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता के अनूठे मिश्रण के साथ-साथ सांप्रदायिक सद्भाव, शांति और भाईचारे का प्रतीक है।

मान ने दोहराया कि राज्य सरकार बेअदबी की घटनाओं के अपराधियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार एक मज़बूत राज्य कानून बनाने के लिए अग्रणी कानूनी विशेषज्ञों से सलाह-मशविरा करेगी, जो अपराधियों को ऐसे जघन्य अपराधों के लिए मृत्युदंड की संभावना सहित सख्त नतीजों से बचने से रोकेगा। उन्होंने मौजूदा कानूनी खामियों पर चिंता व्यक्त की जो ऐसे कृत्यों के दोषियों को खुलेआम घूमने की अनुमति देती हैं, इसे पूरी तरह से अनुचित और अस्वीकार्य बताया।

उद्धव के साथ मंच शेयर कर बोले राज ठाकरे

जो काम बालासाहेब नहीं कर पाए उसे फडणवीस ने संभव बनाया

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के राज ठाकरे ने शनिवार को 20 साल बाद अपने चचेरे भाई और शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे के साथ मंच साझा किया। दोनों ने हाथ मिलाने का फैसला किया। राज ने सभा को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस पर तीखा हमला किया और कहा कि बाद में उन्होंने वह हासिल किया जो बालासाहेब नहीं कर सके, उन्होंने उद्धव के साथ अपने पुनर्मिलन की ओर इशारा किया। राज ठाकरे ने कहा कि आज, बीस साल बाद, उद्धव और मैं एक मंच पर एक साथ आ रहे हैं, कुछ ऐसा जो बालासाहेब हासिल नहीं कर सके, लेकिन देवेंद्र फडणवीस ने संभव बनाया है।

राज ठाकरे ने कहा कि मुझे हिंदी से कोई शिकायत नहीं है, कोई भी भाषा बुरी नहीं होती। भाषा को बनाने में बहुत मेहनत लगती है। मराठा साम्राज्य के दौरान हम मराठी लोगों ने कई राज्यों पर राज किया, लेकिन हमने उन हिस्सों पर मराठी कभी नहीं थोपी। उन्होंने हम पर हिंदी थोपने का प्रयोग शुरू किया और यह परखने की कोशिश की कि अगर हम इसका विरोध नहीं करेंगे तो वे मुंबई को महाराष्ट्र से अलग कर देंगे।

आज का राशिफल

मेष : खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बनें।

वृष : प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ रहेगा।

मिथुन : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचे तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। संतान की उन्नति के योग हैं।

कर्क : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा।

सिंह : शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी।

कन्या : सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी।

तुला : शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

वृश्चिक : समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी।

धनु : नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे।

मकर : सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। परिवार में अशांति रहेगी।

कुंभ : समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

मीन : यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी।

उत्तराखंडः हत्या मामले में अधिकारियों ने पेश की विरोधाभासी रिपोर्ट

हत्या मामले में दो अलग जांच रिपोर्टों से हाईकोर्ट नाराज

एजेंसी। उत्तराखंड

उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने हत्या के एक मामले में दो जांच अधिकारियों की ओर से एक-दूसरे की विरोधाभासी रिपोर्ट पेश किए जाने को लेकर नाराजगी जताई। मामले में एक अधिकारी ने आरोपी को दोषमुक्त करार देते हुए अंतिम रिपोर्ट दाखिल की, जबकि दूसरे ने उसे आरोपी बताते हुए आरोप पत्र दाखिल किया था। न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकल पीठ ने बृहस्पतिवार को आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई की और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तथा संबंधित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को अदालत के समक्ष पेश होने के लिए कहा।

मामला हरिद्वार जिले के मंगलौर थाना क्षेत्र में भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई झड़प से जुड़ा है जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और सात अन्य घायल हो गए थे। आरोपी ने रिहाई का अनुरोध करते हुए जमानत याचिका दायर की थी। अदालत ने कहा कि एक ही मामले के लिए दो अलग-अलग अधिकारियों की नियुक्ति के कारण विरोधाभासी जांच निष्कर्ष सामने आए। अदालत ने कहा कि अगर एक ही जांच अधिकारी को जिम्मा सौंपा जाता तो एक सटीक रिपोर्ट की उम्मीद की जा सकती थी। अदालत ने कहा कि विरोधाभासी रिपोर्टों से स्पष्ट होता है कि जांच अनुचित तरीके से की गई।

एक घटना, दो एफआईआर और विरोधाभासी

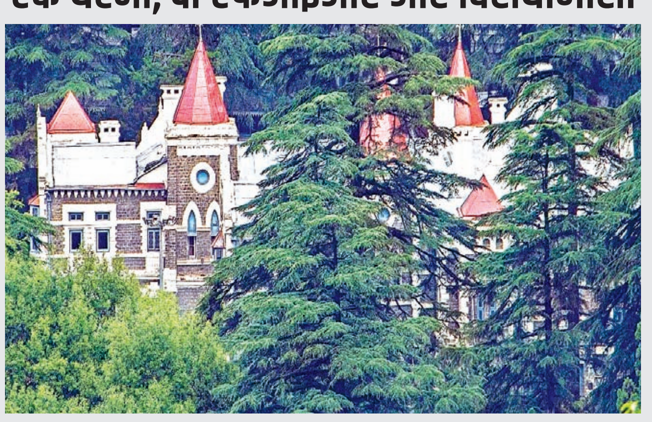

सुनवाई के दौरान दोनों जांच अधिकारी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से अदालत के समक्ष पेश हुए। राज्य सरकार की ओर से पेश वीडियो क्लिप देखने के बाद अदालत ने कहा कि दोनों प्राथमिकियों में एक ही आरोप पत्र दाखिल किया जाना था। हालांकि, एक प्राथमिकी के संबंध में एक आरोप पत्र दाखिल किया गया था जबकि दूसरी प्राथमिकी के संबंध में जांच अधिकारी ने एक अंतिम रिपोर्ट दाखिल की जबकि दोनों प्राथमिकियां एक ही आपराधिक घटना से संबंधित थीं।

राहुल गांधी पर पीयूष गोयल का पलटवार

उन्हें अब कोई गंभीरता से नहीं लेता, जनता ने कांग्रेस को नकारा

एजेंसी। नई दिल्ली

- भारत समयसीमा नहीं, राष्ट्रीय हितों को देखता है

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा अमेरिका के साथ भारत की व्यापार वार्ता पर दिए गए बयान पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि भारत समय-सीमा के तहत बातचीत नहीं करता, हम राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए बातचीत करते हैं। दुनिया भर में हमारे सभी कार्यों में राष्ट्रीय हित सर्वोपरि है। उन्होंने आगे कहा कि आज भारत मजबूती के साथ बातचीत करता है, हम आत्मविश्वास से भरे हैं और दुनिया में किसी से भी मुकाबला कर सकते हैं। राहुल गांधी पर तंज सकते हुए गोयल ने कहा कि यह यूपीए शासन वाला भारत नहीं है, जो राष्ट्रीय हित के बिना बातचीत के लिए भीख मांगता था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अब कोई गंभीरता से नहीं लेता, क्योंकि वे, उनके साथी और उनकी पार्टी लगातार नकारात्मकता फैलाते रहते हैं। उन्होंने भारत के लोगों का विश्वास खो दिया है, जिन्होंने बार-बार कांग्रेस को नकार दिया है। आज तक वे देश के विकास के लिए कोई सकारात्मक एजेंडा नहीं बना पाए हैं। इससे पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उनके इस बयान को लेकर 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''पीयूष गोयल जितना चाहें अपनी छाती पीट सकते हैं, मेरे शब्दों पर गौर करें, ट्रंप की शुल्क संबंधी समयसीमा के सामने मोदी आसानी से झुक जाएंगे।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत से आयात होने वाले उत्पादों पर दो अप्रैल को 26 प्रतिशत का अतिरिक्त जवाबी शुल्क लगा दिया था। हालांकि, कुछ दिन बाद ही इसे 90 दिन के लिए यानी नौ जुलाई तक टाल दिया गया था।

सासाराम में शांति और भाईचारे के संदेश के साथ मनाया जा रहा मुहर्रम

एजेंसी। सासाराम(रोहतास)

उदिता सिंह

मुहर्रम इस्लामी कैलेंडर में सबसे महत्वपूर्ण महीनों में से एक है, जो एक नये इस्लामी वर्ष का शुभारंभ है। मुहर्रम का महीना हमें धैर्य रखने, अत्याचार के विरुद्ध खड़े होने तथा मानवता के लिए बलिदान देने का संदेश देता है। हमें यह हमेशा ही सत्य और न्याय के रास्ते पर चलते रहने की सीख देता है। मुहर्रम का महीना शुरू है। जिले में शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुहर्रम मनाने के लिए जिला पदाधिकारी उदिता सिंह तथा पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार द्वारा हर जगह शांति समिति की बैठक कर भाईचारे का संदेश दिया जा रहा है। किसी भी पवित्र कार्यों में राहु-केतु की वक्र-दृष्टि रहती है, लेकिन जिला प्रशासन भी इनकी वक्र-दृष्टि पर अपनी कड़ी नज़र रखे हुए है। शहर में जिला पदाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की अगुआई में फ्लैग-मार्च निकालकर शांति का पैगाम दिया गया। ऐसे भी मुहर्रम के महीने के दौरान ख़ुदा का ख्याल रखने तथा गलत काम करने से बचने का आदेश अल्लाह का है।

दिनदहाड़े बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या से दहला बिहार

दोषी को बख्शा नहीं जाएगा : सीएम नीतीश

एजेंसी। पटना

पटना के प्रमुख व्यवसायी और भाजपा नेता गोपाल खेमका की गांधी मैदान स्थित उनके आवास के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई। सीसीटीवी फुटेज में एक बाइक सवार हमलावर खेमका का इंतजार करता हुआ दिखाई दे रहा है, जो एक सुनियोजित हत्या का संकेत है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक की और कहा कि किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। नीतीश ने एक्स पर लिखा कि 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में पुलिस महानिदेशक एवं अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारियों के साथ विधि व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। विधि व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। नीतीश कुमार ने साफ तौर पर कहा कि अपराध करने वाले कोई भी हों, उन्हें किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाए। घटित आपराधिक घटनाओं के अनुसंधान कार्यों में तेजी लाने और दोषियों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन को पूरी मुस्तैदी एवं कड़ाई से कार्य करने का निर्देश दिया है। गोपाल खेमका की हत्या को लेकर बिहार में सियासत तेज हो गई है। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि थाना से चंद कदम दूर पटना में बिहार के बड़े व्यापारी की गोली मारकर हत्या! हर महीने बिहार में सैकड़ों व्यापारियों की हत्या हो रही है लेकिन जंगलराज नहीं कह सकते? क्योंकि इसे ही शास्त्रों में मीडिया प्रबंधन, परसेप्शन मैनेजमेंट और छवि प्रबंधन कहते है। लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने एक्स पर लिखा कि नीतीश नीत राक्षसराज में बिहार में कानून - व्यवस्था की अंत्येष्टि हो चुकी है।

बिहार में मतदाता पुनरीक्षण का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। यह याचिका एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स यानि एडीआर ने दाखिल की है। याचिका में चुनाव आयोग के इस आदेश को 'मनमाना' बताते हुए सुप्रीम कोर्ट से दखल देने की मांग की गई है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा है कि अगर 24 जून का एसआईआर आदेश रद्द नहीं किया गया तो लाखों मतदाता अपने प्रतिनिधियों को चुनने से वंचित रह सकते हैं। याचिका में आगे कहा गया है, "एसआईआर लोगों के समानता और जीने के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है। साथ ही ये जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और निर्वाचक पंजीकरण नियम, 1960 के प्रावधानों खिलाफ है। इसलिए इस आदेश को निरस्त किया जाना चाहिए।" याचिकाकर्ता ने अनुमान लगाया है कि 3 करोड़ से अधिक मतदाता, विशेष रूप से एससी, एसटी और प्रवासी श्रमिकों जैसे हाशिए के समूहों से, एसआईआर आदेश में निर्धारित सख्त आवश्यकताओं के कारण अपने वोट देने के अधिकार से वंचित रह सकते हैं।बता दें, बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने विशेष प्रक्रिया शुरू की है, जिसे संक्षेप में एसआईआर कहा जा रहा है। दरअसल, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए किसी भी चुनाव से पहले मतदाता सूची को अपडेट किया जाता है।

बिहार के कैलाश नगर में मतदाता पुनरीक्षण का कार्य जारी

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले ग्रामीण इलाकों में मतदाता पुनरीक्षण का कार्य चल रहा है। चुनाव आयोग की तरफ से बिहार में चलाए जा रहे अभियान में ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आईएनएस से खास बातचीत में कैलाश नगर, वार्ड नंबर 4 के राम अवतार बैठा ने कहा, "समस्या ये है कि यहां अलग-अलग जगह से लोग आए हुए हैं। आधार कार्ड, राशन कार्ड ही हम लोगों के पास प्रूफ है। इसके आधार पर ही वोटर लिस्ट सत्यापन होना चाहिए। वहीं, इसी वार्ड के कृष्णा प्रसाद गुप्ता ने कहा, "वार्ड नंबर 4 की बस्ती रेलवे की जमीन में बसी हुई है। इसकी वजह से स्थाई आवास प्रमाण पत्र नहीं बन रहा है। मतदाता पुनरीक्षण के वक्त जो डॉक्यूमेंट मांगे जा रहे हैं, उनमें से केवल आधार कार्ड, पहचान पत्र और राशन कार्ड ही मिल पा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश : तेज रफ्तार एसयूवी ने ली 8 बारातियों की जान

एजेंसी। संभल

- दूल्हे व एक ही परिवार के 8 लोगों की मौत

उत्तर प्रदेश के संभल जिले में शुक्रवार को बारातियों को ले जा रही बोलेरो एसयूवी के एक कॉलेज की दीवार से टकराने से 24 वर्षीय दूल्हे समेत एक ही परिवार के आठ सदस्यों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना सुबह करीब 6:30 बजे जेवनई गांव में हुई। बताया जा रहा है कि बोलेरो तेज गति से जा रही थी, तभी जनता इंटर कॉलेज के पास चालक ने नियंत्रण खो दिया। वाहन बाउंड्री वॉल से टकराया और फिर पलट गया।पुलिस ने बताया कि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये और उनका उपचार अलीगढ़ के एक अस्पताल में जारी है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने बताया कि मृतकों की पहचान दूल्हे सूरज (24), उसकी भाभी आशा (26), आशा की बेटी ऐश्वर्या (तीन), सचिन (22), गणेश (एक), कोमल (18), मधु (20) और कार चालक रवि (28) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि देवा (24) और हिमांशी (दो) का इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक, देवा की हालत गंभीर है जबकि हिमांशी खतरे से बाहर है।

उच्च न्यायालय | सैफ अली खान के हाथ से गई 15000 करोड़ रुपये की बेशकीमती प्रॉपर्टी

पैतृक संपत्ति को 'दुश्मन संपत्ति' घोषित करना सही : हाईकोर्ट

- साजिदा सुल्तान को दी गई पूरी संपत्ति अब दोबारा जांच के दायरे में

एजेंसी। मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने सैफ अली खान को झटका देते हुए अभिनेता की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने राज्य में उनकी 15,000 करोड़ रुपये की पैतृक संपत्तियों को 'शत्रु संपत्ति' के रूप में चिह्नित करने के सरकार के फैसले को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने वर्ष 2000 के ट्रायल कोर्ट के आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें सैफ अली खान, उनकी बहनों सोहा और सबा तथा मां शर्मिला टैगोर को पैतृक संपत्तियों का उत्तराधिकारी माना गया था। न्यायालय ने ट्रायल कोर्ट को संपत्ति उत्तराधिकार विवाद पर नए सिरे से सुनवाई करने तथा एक वर्ष की समय-सीमा निर्धारित करने का निर्देश दिया है। शत्रु संपत्ति अधिनियम 1968 के तहत केंद्र सरकार को वर्ष 1947 में विभाजन के बाद पाकिस्तान चले गए व्यक्तियों के स्वामित्व वाली संपत्तियों पर दावा करने की अनुमति है। पटौदी परिवार ने भोपाल और रायसेन में अपनी ज़मीनों पर दावा किया है, जिसमें कोहेफ़िज़ा का फ़्लैग हाउस, अहमदाबाद पैलेस, रायसेन के चिकलोद में स्थित कोठी और जंगल शामिल हैं। नूर-ए-सबा, फ़्लैग हाउस, दार-उस-सलाम, फ़ोर क्वार्टर, न्यू क्वार्टर, फ़ारस खाना, कोहेफ़िज़ा और अहमदाबाद पैलेस जैसी संपत्तियाँ उनकी हैं।

मामला क्या है?

1947 में भोपाल एक रियासत थी और इसके अंतिम नवाब नवाब हमीदुल्लाह खान थे, जो मंसूर अली खान पटौदी के नाना थे। नवाब हमीदुल्लाह खान की तीन बेटियाँ थीं, जिनमें से सबसे बड़ी आबिदा सुल्तान 1950 में पाकिस्तान चली गईं। उनकी दूसरी बेटी साजिदा सुल्तान भारत में ही रहीं और उन्होंने सैफ अली खान के दादा नवाब इफ्तिखार अली खान पटौदी से शादी कर ली और संपत्ति की कानूनी वारिस बन गईं।

ये हैं मुख्य अपडेट : यह मामला बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान से जुड़ा है, क्योंकि यह संपत्ति उनकी परदादी साजिदा सुल्तान से जुड़ी है। इससे पहले ट्रायल कोर्ट ने पूरी संपत्ति साजिदा सुल्तान को दे दी थी।

हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को आदेश दिया है कि वह मामले की दोबारा सुनवाई करे और एक साल के अंदर नया फैसला दे। नवाब हमीदुल्ला खान के अन्य परिजनों ने पुराने फैसले को चुनौती देते हुए मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत संपत्ति का न्यायसंगत बंटवारा करने की मांग की है।

फीफा क्लब वर्ल्ड कप

पाल्मेरास को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा चेल्सी

फिलाडेल्फिया। अगस्टिन जियाय के अंतिम क्षणों में किए गए आत्मघाती गोल की बदौलत चेल्सी ने फीफा क्लब वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में पाल्मेरास पर 2-1 से जीत हासिल की। यह मुकाबला फिलाडेल्फिया के लिंकन फाइनेंशियल फील्ड पर खेला गया। इसी के साथ चेल्सी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। कोल पाल्मर ने पहले हाफ में चेल्सी के लिए गोल किया, जिससे 'ब्लूज' को न्यूयॉर्क में ब्राजील की टीम फ्लूमिनेंस के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाने में मदद मिली। ब्रेक के बाद पाल्मेरास ने जोरदार वापसी की, जब युवा फुटबॉलर एस्टेवाओ ने 53वें मिनट में एक शानदार गोल दागते हुए टीम को बराबरी पर ला दिया, लेकिन मुकाबले के 83वें मिनट में अगस्टिन जियाय के आत्मघाती गोल के चलते पाल्मेरास ने मुकाबला 1-2 से गंवा दिया। चेल्सी के मैनेजर एन्जो मारेस्का ने कहा, "जैसा कि हमने उम्मीद की थी, यह एक मुश्किल मुकाबला था। मुझे लगता है कि दूसरे हाफ की तुलना में हम पहले हाफ में थोड़े बेहतर थे। हमने मुकाबले को बेहतर तरीके से कंट्रोल किया। मुझे लगता है कि हम जीत के हकदार थे। खिलाड़ियों को बधाई, क्योंकि उन्होंने काफी अच्छा खेल दिखाया हैं।"

> मैं खुश हूं क्योंकि हम जीत गए, खुश हूं क्योंकि उन्होंने गोल किया, इसलिए यह एक शानदार रात है।"
>
> **मारेस्का**

बर्मिंघम टेस्ट : शुभमन गिल का दूसरी पारी में भी शतक, भारत की बढ़त 484 रन की हुई

एजेंसी। एजबेस्टन

टेस्ट फॉर्मेट की कप्तानी मिलने और बल्लेबाजी क्रम में एक स्थान नीचे चौथे स्थान पर आते ही शुभमन गिल के खेलने का अंदाज ही बदल गया है। इंग्लैंड दौरे पर चार पारियों में गिल ने तीसरा शतक लगा दिया है। एजबेस्टन टेस्ट के चौथे दिन शनिवार को दूसरे सेशन की समाप्ति तक भारत ने चार विकेट पर 304 रन बना लिए। गिल 100 रन पर नाबाद हैं। पहले टेस्ट में उपकप्तान ऋषभ पंत ने दोनों पारियों में शतक लगाया था। वही, काम एजबेस्टन में गिल ने कर दिया है। पहली पारी में यादगार 269 रन की पारी खेलने वाले गिल दूसरी पारी में 100 रन बना चुके हैं। गिल का यह आठवां टेस्ट शतक है। वह 130 गेंद पर नौ चौके और तीन छक्के की मदद से 100 रन पर नाबाद हैं। शुभमन गिल ने ऋषभ पंत के साथ चौथे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की। पंत ने भी विस्फोटक अर्धशतक लगाया। बाएं हाथ के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने 58 गेंद पर तीन छक्के और आठ चौके लगाते हुए 65 रन बनाए। पंत ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से भारतीय पारी को गति दी। क्रीज पर गिल और जडेजा हैं। जडेजा 68 गेंद पर 25 रन बनाकर खेल रहे हैं। दोनों के बीच 68 रन की साझेदारी हो चुकी है। भारत का स्कोर चार विकेट पर 304 रन है। भारत ने पहली पारी में 587 रन बनाए थे। इंग्लैंड अपनी पहली पारी में 407 रन पर सिमट गई थी। इस तरह पहली पारी के आधार पर मिले 180 रन की बढ़त से टीम इंडिया की कुल बढ़त 484 रन की हो गई है। देखना होगा भारतीय टीम इंग्लैंड को जीत के लिए कितने रन का लक्ष्य देती है।

कनाडा ओपन : चोउ तिएन चेन को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे श्रीकांत

कैलगरी। भारत के स्टार शटलर किदांबी श्रीकांत 'कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट' के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने शनिवार को क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के शीर्ष वरीयता प्राप्त चोउ तिएन चेन को सीधे गेम में 21-18, 21-9 से हराया। श्रीकांत ने चीनी ताइपे के वांग पो-वेई को 43 मिनट तक चले इस मुकाबले में शिकस्त देकर सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का किया था। वर्तमान में विश्व में 49वें स्थान पर काबिज श्रीकांत अब फाइनल में जगह बनाने के लिए जापान के तीसरी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोटो से भिड़ेंगे। श्रीकांत के पास 30 वर्षीय केंटा निशिमोटो के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 6-4 की बढ़त है। भारतीय खिलाड़ी ने पिछली विश्व चैंपियनशिप में जापानी शटलर को सीधे गेम में हराया था। इसके बावजूद निशिमोटो अन्य भारतीय खिलाड़ियों के लिए चुनौतियां पेश करते रहे हैं। अपने कोर्ट कवरेज के लिए पहचाने जाने वाले निशिमोटो इस सीजन में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। निशिमोटो ने भारत के शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम को 21-15, 5-21, 21-17 से कड़ी टक्कर देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई है। श्रीकांत प्री-क्वार्टरफाइनल मैच में चीनी ताइपे के वांग पो-वेई के खिलाफ 21-19, 21-14 से जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। श्रीकांत ने यह मुकाबला 41 मिनट में जीता था। विमेंस सिंगल्स में, भारत की युवा शटलर श्रेयांशी वलीशेट्टी डेनमार्क की 24 वर्षीय अमाली शुल्ज के खिलाफ एक कठिन मुकाबले में 21-12, 19-21, 19-21 से हारकर बाहर हो गईं।

एमएलसी 2025 : सिर्फ एक खिलाड़ी ने छुआ दहाई का आंकड़ा, सिएटल ओकार्स की शर्मनाक हार

नई दिल्ली। वाशिंगटन फ्रीडम ने मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) के 26वें मैच में जीत दर्ज की। इस मुकाबले में बल्लेबाजों के फ्लॉप शो के बाद सिएटल ओकार्स को आठ विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। विजेता टीम के कप्तान ग्लेन मैक्सवेल को शानदार गेंदबाजी के चलते 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी सिएटल ओकार्स की टीम महज 17.4 ओवरों में सिमट गई। हालात इतने खराब रहे कि ओकार्स महज 19 रन पर अपने पांच विकेट गंवा चुकी थी। टीम के लिए सिर्फ हेनरिक क्लासेन इकलौते ऐसे बल्लेबाज रहे, जिन्होंने दहाई का आंकड़ा छुआ। क्लासेन ने 39 गेंदों में चार छक्कों की मदद से 48 रन बनाए। विपक्षी टीम की ओर से ग्लेन मैक्सवेल, सौरभ नेत्रावलकर और जैक एडवर्ड्स ने तीन-तीन विकेट झटके, जबकि एक विकेट रचिन रविंद्र के हाथ लगा। इसके जवाब में वाशिंगटन फ्रीडम ने महज 9.2 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। फ्रीडम ने 29 के स्कोर पर मिशेल ओवेन (6) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद रचिन रविंद्र ने मुख्तार अहमद के साथ टीम को संभालने की कोशिश की। टीम के लिए रचिन रविंद्र ने 23 गेंदों में एक छक्के और चार चौकों के साथ 32 रन की पारी खेली, जबकि मुख्तार अहमद तीन छक्कों और दो चौकों के साथ 36 रन बनाकर नाबाद रहे।

16वें ओवर तक मैच हाथ में था : हरमनप्रीत कौर

एजेंसी। लंदन

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर का मानना है कि उनकी टीम ने कुछ मौकों पर अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे मैच पर पूरा नियंत्रण नहीं बना सकी। भारतीय टीम को किंग्स्टन ओवल में पांच रन से हार का सामना करना पड़ा है। अब पांच मुकाबलों की इस सीरीज में भारत के पास 2-1 की बढ़त है। भारतीय टीम के पास दौरे के शुरुआती दो मैच जीतकर सीरीज पर 3-0 से कब्जा जमाने का सुनहरा मौका था, लेकिन 172 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को इंग्लैंड की गेंदबाजों ने परेशानी में रखा। मैच गंवाने के बाद हरमनप्रीत कौर ने कहा, "16वें ओवर तक मुकाबला हमारे हाथ में था, लेकिन हमने इसका पूरा फायदा नहीं उठाया। ओस भी आई। हमने कुछ मौकों पर अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन हमें बहुत कुछ सीखने को मिला। गेंदबाज बेहतरीन थे और हमने सच में अच्छी गेंदबाजी की और फील्डर्स ने हमारा साथ दिया।" टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड को सलामी बल्लेबाजों ने शानदार शुरुआत दिलाई। सोफिया डंकले और डेनियल व्हाइट-हॉज (66) के बीच 15.2 ओवरों में 137 रन की साझेदारी हुई, जिसने टीम को 171/9 के स्कोर तक पहुंचाया। इसके जवाब में भारतीय टीम 20 ओवरों में पांच विकेट खोकर 166 रन ही बना सकी। सोफिया डंकले को 53 गेंदों में 75 रनों की शानदार पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। भारतीय कप्तान ने कहा, "हमने इंग्लैंड की शुरुआती साझेदारी के बाद जोरदार वापसी की। उन्होंने अपनी योजना को बहुत अच्छे से अंजाम दिया, लेकिन अंत में हम सिर्फ एक बाउंड्री से चूक गए।" भारतीय टीम सीरीज का पहला मैच 97 रन से अपने नाम कर चुकी है, जबकि दूसरे मैच में उसने मेजबान टीम को 24 रन से हराया था। भारत-इंग्लैंड के बीच सीरीज का चौथा टी20 मैच 9 जुलाई को ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा। अंतिम मुकाबला 12 जुलाई को बर्मिंघम में आयोजित होगा।

> हमने इसका पूरा फायदा नहीं उठाया

नूपुर फाइनल में पहुंची, अविनाश जामवाल भी सेमीफाइनल में

अस्ताना। कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में चल रहे विश्व मुक्केबाजी कप में भारत के पदक की संख्या बढ़ गई है। नूपुर (80 किग्रा) फाइनल में पहुंच गईं हैं, जबकि अविनाश जामवाल (65 किग्रा) ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। नूपुर ने सेमीफाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए तुर्की की सेमा दुस्ताज को 5:0 से हराकर महिलाओं के 80 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह पक्की की। इससे पहले दिन में, अविनाश जामवाल ने पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में यूएसए के रेने कैमाचो को सर्वसम्मत निर्णय से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया और अपने लिए पदक पक्का किया। नीरज फोगाट (65 किग्रा) और अनामिका (51 किग्रा) का अभियान क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। नीरज ने बेहतरीन तरीके से अपना मैच खेला लेकिन विभाजित निर्णय में 3:2 से हार गए। सेमीफाइनल में 10 मुक्केबाजों और फाइनल में एक के साथ भारत का अस्ताना में मजबूत प्रदर्शन रहा है। गुरुवार को हितेश गुलिया और साक्षी ने सेमीफाइनल में स्थान पक्का कर पोडियम स्थान सुनिश्चित किया। वर्ष की शुरुआत में ब्राजील चरण के स्वर्ण पदक विजेता हितेश ने पुरुषों के 70 किग्रा क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के अल्माज ओरोजबेकोव पर 5:0 से शानदार जीत हासिल की।

व्यापार/लाइफ व साइंस

नए हवाई

भारत में हर घंटे 60 अतिरिक्त उड़ानें जुड़ी और हर 40 दिन में एक नया हवाई अड्डा बना

आज भारत में उड़ान भरना अधिक सुलभ और किफायती हो चुका है : उड्डयन मंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

- "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारतीय आकाश अधिक जुड़ा हुआ, प्रतिस्पर्धी और सहयोगात्मक है।"
- "इस रणनीतिक पहल के माध्यम से हमारा उद्देश्य क्षेत्रीय अवसरों की पहचान करना और टियर 2 और 3 श्रेणी के शहरों की अपार क्षमता को साकार करना है।"
- इन बैठकों के साथ राज्यों को अपनी आवश्यकताओं और सुझावों को सीधे मंत्रालय के समक्ष रखने का अवसर मिला।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि हर 40 दिन में एक नए हवाई अड्डे के साथ देश में मात्र 10 वर्षों में 88 नए हवाई अड्डे बने हैं और हर घंटे 60 अतिरिक्त उड़ानें जुड़ी हैं। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, आज भारत में उड़ान भरना अधिक सुलभ और किफायती हो चुका है। केंद्रीय मंत्री नायडू ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारतीय आकाश अधिक जुड़ा हुआ, प्रतिस्पर्धी और सहयोगात्मक है।" उन्होंने समावेशी विमानन विकास को प्राप्त करने के लिए सहयोगात्मक, राज्य-विशिष्ट रणनीतियों के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता दोहराई। नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा आयोजित उत्तर क्षेत्र नागरिक उड्डयन मंत्रियों का सम्मेलन 2025 में केंद्रीय मंत्री ने कहा, "इस रणनीतिक पहल के माध्यम से हमारा उद्देश्य क्षेत्रीय अवसरों की पहचान करना और टियर 2 और 3 श्रेणी के शहरों की अपार क्षमता को साकार करना है।" कार्यक्रम में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि नागरिक उड्डयन क्षेत्र राज्य में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, पर्यटन और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने नागरिक उड्डयन क्षेत्र में हो रही प्रगति की सराहना की और राज्य की पहाड़ी भू-भागों में हेलीकॉप्टर संचालन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की महत्ता को रेखांकित किया, जिसके लिए राज्य सरकार और मंत्रालय दोनों प्रतिबद्ध हैं। मंत्रालय द्वारा विमानन क्षेत्र में राज्यों के लिए अवसरों पर कई प्रस्तुतियां दी गईं। मंत्रालय द्वारा राज्यों के लिए उपलब्ध अवसरों पर प्रस्तुतियों के बाद केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री नायडू के नेतृत्व में राज्य सरकारों के प्रतिनिधिमंडलों और मंत्रालय के अधिकारियों के मध्य बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों के साथ राज्यों को अपनी आवश्यकताओं और सुझावों को सीधे मंत्रालय के समक्ष रखने का अवसर मिला। साथ ही, राज्य सरकारों ने विमानन उद्योग के प्रमुख हितधारकों (एयरलाइंस, ओईएमएस, एफटीओएस, एमआरओएस, एएआई, पीएचएल जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों) से भी सीधे चर्चा की।

सम्मेलन के अंत में आयोजित प्लेनरी सेशन ने पूरे दिन हुई चर्चाओं और निष्कर्षों का समावेश करते हुए एक समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। केंद्रीय मंत्री नायडू ने उत्तर क्षेत्र के लिए मंत्रालय की रणनीतिक प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला, जिसमें हेलीपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, उड़ान मार्गों का विस्तार, फ्लाइंग ट्रेनिंग संस्थानों और एमआरओ हब्स को सुदृढ़ करना और केंद्र-राज्य-उद्योग के बीच समन्वय बढ़ाना शामिल था।

केवल बीआईएस-सर्टिफाइड हेलमेट का करें इस्तेमाल

नई दिल्ली, 5 जुलाई (आईएएनएस)। केंद्र सरकार ने सड़क सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए शनिवार को देश भर के उपभोक्ताओं से अपील की कि वे केवल भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा सर्टिफाइड हेलमेट का ही इस्तेमाल करें। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने बीआईएस सर्टिफिकेशन के बिना हेलमेट के निर्माण या बिक्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का भी आह्वान किया।

केंद्र ने पुल, फ्लाईओवर, सुरंग वाले राजमार्गों के लिए टोल रेट्स में 50 प्रतिशत तक की कटौती की

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वाहन चालकों को बड़ी राहत देते हुए राष्ट्रीय राजमार्गों के कुछ हिस्सों पर टोल रेट्स में 50 प्रतिशत तक की कमी की है। इन हिस्सों में सुरंग, पुल, फ्लाईओवर और एलिवेटेड रोड जैसे स्ट्रक्चर शामिल हैं। इस कदम का उद्देश्य यात्रा की लागत को कम करना और सड़क यात्रा को लोगों के लिए अधिक किफायती बनाना है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियम, 2008 में संशोधन किया है और टोल चार्ज की गणना के लिए एक नया फॉर्मूला अधिसूचित किया है। नए नियम के अनुसार, अब टोल की गणना इस तरह से की जाएगी कि राजमार्ग के उन हिस्सों पर शुल्क में कमी आएगी, जिनमें मुख्य रूप से महंगे इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। अधिसूचना के अनुसार, अगर राष्ट्रीय राजमार्ग के किसी हिस्से में फ्लाईओवर या सुरंग जैसे स्ट्रक्चर शामिल हैं तो टोल की गणना या तो स्ट्रक्चर की लंबाई का दस गुना या राजमार्ग खंड की कुल लंबाई का पांच गुना दोनों में से कम मूल्य के आधार पर की जाएगी। मंत्रालय ने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर राजमार्ग का 40 किलोमीटर का हिस्सा पूरी तरह से पुल या फ्लाईओवर जैसे स्ट्रक्चर से बना है तो टोल की गणना स्ट्रक्चर की लंबाई का 10 गुना या कुल लंबाई का 5 गुना (200 किमी) में से कम मूल्य आधार यानी 200 किमी के आधार पर की जाएगी, जिससे प्रभावी रूप से दर आधी हो जाएगी। इससे पहले, वाहन चालकों को ऐसे स्ट्रक्चर के प्रत्येक किलोमीटर के लिए नियमित टोल दर से दस गुना अधिक भुगतान करना पड़ता था।

मुहर्रम पर्व को लेकर मेदिनीनगर में प्रशासन ने निकाला फ्लैग मार्च, सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम

अफवाह पर ध्यान न दें आम जनता : डीसी

● शांति और भाईचारे के साथ मनाएं पर्व : एसपी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन और पलामू पुलिस की ओर से संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च निकाला गया। यह मार्च मेदिनीनगर थाना परिसर से प्रारंभ होकर हॉस्पिटल चौक, सतार सेठ चौक, माली मोहल्ला और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों से होकर गुजरा। फ्लैग मार्च में उपायुक्त, उप विकास आयुक्त, पुलिस अधीक्षक अनुमंडल पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सीआरपीएफ, थाना प्रभारी, जिला बल, क्यूआरटी, एंटी रॉयट टीम तथा अन्य सुरक्षा बलों के जवान बड़ी संख्या में शामिल रहे। मार्च के दौरान पूरे मार्ग पर सुरक्षा बलों की पैनी नजर के साथ-साथ ड्रोन कैमरों से निगरानी भी की गई। उपायुक्त समीरा एस. ने कहा कि मुहर्रम को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। सुरक्षा के सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। लोग निश्चिंत होकर अपना पर्व मनाएं। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। सोशल मीडिया पर प्रसारित किसी भी संदेश को साझा करने से पहले उसकी सत्यता अवश्य जांचें। प्रशासन आपके साथ है।

पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने जानकारी दी कि 4 जुलाई से ही जिले के प्रत्येक थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला जा रहा है। 4 जुलाई को ही बिहार सीमावर्ती थाना हरिहरगंज में औरंगाबाद पुलिस के साथ संयुक्त रूप से शांति समिति की बैठक आयोजित की गई और फ्लैग मार्च भी निकाला गया। लोगों से पर्व को शांति, भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की गई है।" उन्होंने यह भी बताया कि पलामू पुलिस द्वारा कंट्रोल रूम एवं हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं, जिन पर कोई भी नागरिक संदेहास्पद गतिविधि, भ्रामक संदेश या अफवाह की सूचना दे सकता है। उन्होंने कहा, "किसी भी संदेश, वीडियो या फोटो को बिना पुष्टि के फॉरवर्ड न करें। यदि कोई जानकारी मिलती है, तो उसे संबंधित पुलिस पदाधिकारी या कंट्रोल रूम को तुरंत सूचित करें।"

हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें यह भ्रामक दावा किया जा रहा है कि किसी जुलूस या आयोजन में फिलिस्तीन देश का झंडा लहराया गया है। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया है कि वीडियो में जो झंडा दिखाया गया है, वह कुछ स्थानीय लोगों द्वारा स्वयं निर्मित किया गया है और उसका किसी भी देश, विशेषकर फिलिस्तीन से कोई संबंध नहीं है। यह एक तथ्यहीन और भ्रम फैलाने वाला वीडियो है, जिसे दुर्भावनापूर्ण उद्देश्य से प्रसारित किया जा रहा है।

संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष गश्ती

- ड्रोन एवं सीसीटीवी से निगरानी
- फ्लैग मार्च एवं मोटरसाइकिल पेट्रोलिंग
- सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल सक्रिय
- कंट्रोल रूम एवं हेल्पलाइन नंबर चालू
- एंटी रॉयट एवं क्यूआरटी टीमें सतर्क
- चिकित्सा, बिजली, पानी एवं साफ-सफाई की व्यवस्था चाक-चौबंद
- सोशल मीडिया पर वायरल भ्रामक वीडियो को लेकर चेतावनी

बाल श्रम उन्मूलन को लेकर डीसी की अध्यक्षता में टास्क फोर्स की बैठक

छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। उपायुक्त समीरा एस की अध्यक्षता में बाल श्रम उन्मुलन को लेकर गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में सर्वप्रथम उपायुक्त ने श्रम अधीक्षक एतवारी महतो से विगत जून माह में श्रम उन्मुलन को लेकर किये गये कार्यों की जानकारी ली, बताया गया कि जून माह में कुल 9 बाल श्रमिकों को बाल श्रम से विमुक्त किया गया है। इस दौरान संबंधित नियोजक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज किया गया है। उपायुक्त ने विमुक्त किये गये सभी बाल श्रमिकों को सीडब्लूसी के समझ अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने व स्कूल में एडमिशन कराने की बात कही। वहीं ये सभी बच्चे दोबारा अपने कार्यों में न लौट जाये यह भी सुनिश्चित करने की बात कही। इसी क्रम में उन्होंने डीईओ से पूर्व में विमुक्त हुए बच्चों का फॉलोअप रखने की बात कही। बैठक में उपायुक्त ने जुलाई माह में होने वाले छापेमारी को औचक रूप से किये जाने को लेकर निर्देशित किया। इस दौरान ढाबा,लाइन होटल,ईंट भट्ठा,गैरेज,वाशिंग सेंटर आदि में छापेमारी चलाने हेतु निर्देशित किया गया। विमुक्त बाल श्रमिक की ट्रैकिंग तथा पुर्नवासन के लिये मानक कार्य पद्धति के अनुसार कार्य किये जाने का निदेश दिया।

बैठक में उपरोक्त के अलावा उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन,जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रतिनिधि, श्रम अधीक्षक एतवारी महतो,जिला शिक्षा पदाधिकारी सौरभ प्रकाश,प्रभारी जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी एवं जिला बाल कल्याण समिति के सदस्य समेत अन्य उपस्थित रहे।

बरवाडीह-छिपादोहर में निकाला गया फ्लैग मार्च

नवीन मेल संवाददाता

बेतला (लातेहार)। बरवाडीह छिपादोहर थाना क्षेत्र में मोहर्रम पर्व शांतिपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर छिपादोहर के कुचिला, छिपादोहार बाजार समेत अन्य इलाकों में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व अंचलाधिकारी मनोज कुमार और थाना प्रभारी धीरज कुमार सिंह ने की। फ्लैग मार्च क्षेत्र के प्रमुख चौक-चौराहों से होते हुए पुनः थाना पहुंच कर समाप्त हुआ। थाना प्रभारी धीरज कुमार सिंह ने कहा कि मोहर्रम त्योहार आपसी भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। उन्होंने आमजनों से अपील की, कि किसी भी अफवाह से बचें और कोई भी परेशानी हो तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। प्रशासन ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि मोहर्रम के दौरान शांति और सद्भाव बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है।

स्व. राम विलास पासवान की जयंती मनी

लातेहार। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान और झारखंड प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान के निदेशानुसार लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय राम विलास पासवान जी की 79वीं जयंती पार्टी कार्यालय बानपुर में बहुत ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी। इस दौरान लोजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र पासवान ने केक कटाकर कार्यकतार्ओं की बधाई दी। तत्पश्चात उनके तस्वीर पर बारी बारी माल्यार्पण किया गया। मौके पर जिलाध्यक्ष राजेंद्र पासवान ने जयंती कार्यक्रम को संबोधित किया। उक्त अवसर पर पर लोक जनशक्ति पार्टी लातेहार जिला के सभी उपाध्यक्ष, सभी महासचिव, सभी सचिव ,कोषाध्यक्ष,के अलावा नागेंद्र प्रसाद, शिवनंदन पासवान, अर्जुन प्रजापति, धर्मवीर प्रजापति, दिलीप प्रसाद चंदवा, दिनेश प्रसाद चंदवा, जोगिंदर शुक्ला, अखिलेश प्रजापति, मोती प्रसाद सोनी, लक्ष्मण कुमार, अशोक पासवान, सोनू साहू, भोला प्रसाद और अन्य लोग भी शामिल थे।

जब किसान समृद्ध होंगे, देश समृद्ध होगा : हेमलाल

लातेहार। भारतीय किसान संघ एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन होटल ब्लिस मे आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में बतौर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय संगठन मंत्री हेमलाल, प्रदेश अध्यक्ष जयकुमार सिंह और महामंत्री दीपक उरांव शामिल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राजू सिंह ने और संचालन जिला मंत्री बबन माझी ने किया। क्षेत्रीय संगठन मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि जब तक देश का किसान समृद्ध नहीं होगा, तब तक देश समृद्ध नहीं होगा. उन्होंने कहा कि आज देश का किसान कई प्रकार की समस्याओं से जूझ रहा है। किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। सरकार के द्वारा किसानों को संसाधन उपलब्ध नहीं कराये जा रहे हैं।

सेरेगड़ा क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक

कई घर व फसलें बर्बाद, ग्रामीणों में दहशत

● ग्रामीण हाथियों के डर से दूसरों के घरों में रहने को विवश

● ग्रामीण रात जाग कर पहरा देने को विवश

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। प्रखंड वन क्षेत्र में जंगली हाथियों का बदस्तूर जारी है। शुक्रवार की रात प्रखंड क्षेत्र के सेरेगड़ा, चेटर और मननडीह गांवों में जंगली हाथियों के झुंड ने जम कर उत्पात मचाया है। ग्रामीणों ने बताया कि रात को 16 जंगली हाथियों का झुंड अचानक गांव में घुस आया और देखते ही देखते कई घर, अनाज और फसलों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया। इस घटना में सेरेगड़ा गांव के मनोज यादव (जाला) के मक्का का फसल और बाउंड्री दीवार को रौंद डाला। चेटर गांव में राजेंद्र गंझू के घर में घुसकर हाथियों ने अनाज, केला और धान की बीड़ा को खा कर तहस-नहस कर दिया। वहीं मननडीह गांव में दामोदर गंझू का घर हाथियों ने पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। जंगली हाथियों के गांव में घुसने की सूचना मिलते ही पूर्व मुखिया सुरेंद्र उरांव ने तत्काल वन विभाग को जानकारी दी। सूचना पाते ही वन विभाग के अधिकारी अमित कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर नुकसान का जायजा लिया। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल मुआवजा और सुरक्षा व्यवस्था की मांग करते हुए जंगली हाथियों से निजात दिलाने की मांग की। बता दें कि जंगली हाथियों का झुंड लगातार क्षेत्र में आतंक मचा रहा है, जिससे लोग दहशत में हैं। रात होते ही लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित दूसरे घरों पर जाकर रात गुजरने को विवश हैं। रात जग कर ग्रामीण पहरा दे रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ने और स्थायी समाधान निकालने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

बारियातू कस्तूरबा गांधी बालिका उच्च विद्यालय में मलेरिया जागरूकता कार्यक्रम

बारियातू। मुख्यालय स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका उच्च विद्यालय में शनिवार को सिविल सर्जन और मलेरिया पदाधिकारी के आदेश अनुसार मलेरिया जागरूकता कार्यक्रम के तहत क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 30 छात्राएं भाग लीं। जिसमें पहला, दूसरा एवं तीसरा कक्षा का चुनाव किया गया। प्रथम स्थान मोनिका कुमारी कक्षा 10, द्वितीय गुंजा कुमारी कक्षा 10 एवं तृतीय स्थान प्रतिमा कुमारी कक्षा 9 । इन सभी को प्रस्सती पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। बाकी सभी को संतावना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ में मलेरिया से बचाव की जानकारी दी गई। मलेरिया रोधी माह के दौरान स्कूली बच्चों को मलेरिया के कारणों और लक्षणों के बारे में विस्तार पूर्वक परामर्श दिया गया। बच्चों से अपने परिवार और समुदाय में जागरूकता फैलाने का आग्रह किया गया। घर के आसपास या कहीं भी पानी जमा न होने दें। बच्चों को बताया गया कि शाम के समय जब मच्छर अधिक सक्रिय होते हैं, तो पूरे बाजू के कपड़े पहनें। अगर बरसात के मौसम में यदि किसी को बुखार हो, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। खून की जांच कराएं। मलेरिया एक गंभीर बीमारी है। जो एक प्रकार के मच्छर के काटने से होती है। मलेरिया का समय पर इलाज न होने पर यह जानलेवा हो सकता है। मौके वार्डन कोटी कुजूर, मालती कुमारी, उदय कुमार पांडे, नीलकुसुम बेक, पंकज कुमार पांडे एमटीएस, एमपीओ बलराम कुमार, संजय गंझु आदि मौजूद थे।

दो बाइक में टक्कर, एक घायल

लातेहार। सदर प्रखंड के धर्मपुर से विशुनपुर जाने वाली सड़क में दो बाइक की आमने सामने भिड़ंत हो गई। इस भिड़ंत में एक व्यक्ति घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल को लातेहार सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल की पहचान विशुनपूर निवासी विजय मिश्रा (55 वर्ष) पिता नर्वदेश्वर मिश्रा के रूप में हुई है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए विजय मिश्रा के पुत्र ने बताया कि लातेहार से अपने गाड़ी बनवाकर घर लौट रहे थे कि तभी धर्मपुर से विशुनपुर जाने वाली सड़क पर स्थित डिग्री कॉलेज के पास विपरीत दिशा से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी और टक्कर मारने के बाद घटनास्थल से बाइक सवार फरार हो गया।

पारंपरिक पड़हा स्वशासन व्यवस्था की बैठक

चंदवा। कुसुमटोली धुमकुड़िया में 'पारंपरिक पड़हा स्वशासन व्यवस्था की बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता पड़हा वेल धनेश्वर उरांव और संचालन पड़हा कोटवार जितेन्द्र सिंह खरवार ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री देव कुमार धान उपस्थित थे। इस मौके पर प्रखंड के विभिन्न पड़हा से आये पदाधिकारियों ने आदिवासी धर्म कोड, पेसा कानून, अखरा झखरा, पहनई जमीन की खरीद बिक्री पर रोक लगाने, विकास के नाम पर भूमि अधिग्रहण, विस्थापन समेत कई मुद्दों पर चर्चा किया गया। मौके पर बानेश्वर उरांव,महेश उरांव,चंद्रदेव उरांव, राकेश लोहरा, अमर उरांव, सुरेंद्र भगत, शंकर उरांव, सुरेश नाथ लोहरा, विकास कुमार भगत, कालेश्वर लोहरा, नरेश लोहरा समेत कई लोग मौजूद थे।

चंदवा में मुहर्रम को लेकर प्रशासन ने निकाला फ्लैग मार्च

चंदवा। मुहर्रम त्योहार के दौरान चंदवा में शांति व्यवस्था कायम रखने को लेकर शनिवार को प्रशासन के द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च चंदवा थाना परिसर से निकल मुख्य बाजार,सुभाष चौक,कंचन नगरी, तिलैयाटांड़ होते थाना परिसर पहुंच कर सम्पन्न हुई।

मुहर्रम को लेकर जिले में निकाली गयी फ्लैग मार्च

लातेहार। मुहर्रम पर्व को ले कर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में शनिवार को फ्लैग मार्च निकाला गया। लातेहार जिला मुख्यालय में अनुमंडल पदाधिकार अजय कुमार रजक और एसडीपीओ अरविंद कुमार के संयुक्त तत्वावधान में फ्लैग मार्च का आयोजन किया गया। फ्लैग मार्च थाना परिसर से शुरू हुई और समाहरणालय जाकर संपन्न हुई। इस दौरान एसडीओ रजक और अजय कुमार ने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से मुर्हरम का पर्व मनाने की अपील की।

अंतिम दिन फॉर्म भरने के बड़ी संख्या में पहुंचे अभ्यर्थी, शाम तक डाकघर में लगी रही भीड़

मेदिनीनगर। पलामू जिले में चतुर्थवर्गीय बहाली को लेकर मुख्य डाकघर में शनिवार को परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि को भी अभ्यर्थियों की भारी भीड़ देखने को मिली। इस दौरान भीड़ को संभालने हेतु लगाए गए होम गार्ड के जवान विधि व्यवस्था बनाते दिखे। हालांकि दोपहर के बाद मुख्य डाकघर में धीरे धीरे अभ्यर्थियों की भीड़ में कमी आ गई। अंतिम समय तक फार्म जमा करते नजर आए। बताते चले कि चतुर्थ वर्गीय बहाली हेतु फॉर्म भरने के लिए 13 जून से लेकर 5 जुलाई तक अंतिम तिथि निर्धारित की गई थी। परीक्षा फॉर्म भरने हेतु प्रतिदिन हजारों अभ्यर्थी मुख्य डाकघर पहुंचे। इस दौरान पोस्टल आर्डर खत्म होने के बाद बीच-बीच में अभ्यर्थियों की संख्या घटती बढ़ती रही परंतु देर रात तक डाकघर को नियत समय से कई घंटे अधिक तक संचालित किया गया।

आस्था पलामू से लगातार 25वें वर्ष कांवरियों की सेवा हेतु रवाना हुए सेवादार

माता हीरामणि देवी सेवा शिविर का कार्य सराहनीय : विधायक

● कांवरियों की सेवा करना सौभाग्य की बात : एसपी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। माता हीरामणि देवी सेवा शिविर के 160 सेवादारों की टीम को श्रावणी मेले में देवघर स्थित बाबा नगरी में कांवरियों की सेवा करने हेतु पलामू से रवाना किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में समाजसेवी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। माता हीरामणि देवी सेवा सिविल के सदस्यों से मिली जानकारी के अनुसार उनके द्वारा विगत 25 वर्षों से इस सेवा शिविर का आयोजन किया जाता है। इस दौरान कांवरियों को जरूरत के अनुसार वहां और चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराना उनके लिए भंडारे का आयोजन करना शिविर का मुख्य उद्देश्य होता है। मौके पर पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि सावन महीने में देवघर जाने वाले कांवरियों की सेवा करना सौभाग्य की बात होती है। इस तरह सेवादारों को यहां से रवाना करना बेहद खुशी का पल है। विधायक आलोक चौरसिया ने भी माता हीरामणि देवी सेवा शिविर के कार्य की सराहना की। मौके पर पूर्व मेयर अरुणार शंकर, बीजेपी नेता विनोद सिंह, झामुमो जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा, बीजेपी जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, अविनाश देव, बीजेपी के महिला मोर्चा के लवली गुप्ता, सहित अन्य गणमान्य लोगों ने मिलकर सेवादारों की टीम को हरी झंडी दिखाकर देवघर के लिए रवाना किया।

शिविर में आकर सेवा करने का मौका दें : प्रमोद

हर साल की तरह इस साल भी शिविर लगाकर भक्ति भाव से सभी कांवरियों की सेवा करेंगे,जो अपने आप में काफी सराहनीय है। माता हीरामणि देवी सेवा शिविर के सदस्य प्रमोद अग्रवाल ने जानकारी दी कि इस बार 25वीं वर्षगांठ मना रहा है। जिसे वे सभी रजत जयंती के तौर पर मना रहे है। प्रमोद अग्रवाल ने सभी कांवरियों से अपील की है कि वे एक बार सेवा शिविर में आकर उन्हें सेवा करने का मौका दें। सेवादारों को विदा करने हेतु आयोजित कार्यक्रम में कई गणमान्य लोग एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

पेज एक के शेष

विश्व बैंक ने...

इसमें अत्यधिक लोक कल्याण वाले अनेक यूरोपीय देश शामिल हैं। इनमें आइसलैंड, नॉर्वे, फिनलैंड और बेल्जियम शामिल हैं। इसमें पोलैंड जैसी बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं और संयुक्त अरब अमीरात जैसे धनी देश भी शामिल हैं। भारत का अधिक समतामूलक समाज की ओर रुख पिछले कुछ वर्षों में इसके गिनी सूचकांक में परिलक्षित होता है। वर्ष 2011 में यह सूचकांक 28.8 पर मापा गया था और वर्ष 2022 में 25.5 पर पहुंच गया। यह स्थिर बदलाव दर्शाता है कि भारत ने आर्थिक विकास को सामाजिक समानता के साथ जोड़ने में लगातार प्रगति की है। गिनी इंडेक्स पर भारत की मजबूत स्थिति कोई संयोग नहीं है। यह ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गरीबी कम करने में देश की निरंतर सफलता से निकटता से जुड़ा हुआ है। विश्व बैंक द्वारा 'स्प्रिंग 2025 पावर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ' ने इस उपलब्धि को हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण में से एक के रूप में उजागर किया है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दशक में 171 मिलियन भारतीयों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया है। प्रतिदिन 2.15 अमेरिकी डॉलर से कम पर जीवन यापन करने वाले लोगों की हिस्सेदारी, जो जून 2025 तक अत्यधिक गरीबी की वैश्विक सीमा थी, 2011-12 के 16.2 प्रतिशत से तेजी से गिरकर वर्ष 2022-23 में केवल 2.3 प्रतिशत रह गई। विश्व बैंक की संशोधित अत्यधिक गरीबी सीमा 3.00 डॉलर प्रतिदिन के तहत, वर्ष 2022-23 की गरीबी दर को 5.3 प्रतिशत पर समायोजित किया जाएगा। आय में समानता की दिशा में भारत की प्रगति को पूरी तरह से केंद्रित अनेक सरकारी पहलों का समर्थन प्राप्त है। इन योजनाओं का उद्देश्य वित्तीय पहुंच में सुधार करना, कल्याणकारी लाभ कुशलतापूर्वक प्रदान करना और कमजोर एवं कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों का समर्थन करना है। साथ मिलकर, उन्होंने अंतर को पाटने, आजीविका को बढ़ावा देने और सुनिश्चित करने में मदद की है कि विकास समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे।

25.5 का गिनी...

पीएम विश्वकर्मा योजना जैसे कार्यक्रम लोगों को अपनी शर्तों पर धन कमाने और आजीविका सुरक्षित करने में मदद कर रहे हैं। दुनिया ऐसे मॉडल तलाश रही है, जो विकास को निष्पक्षता के साथ जोड़ते हों, भारत का उदाहरण सबसे अलग है। इसका अनुभव बताता है कि समानता और विकास अलग-अलग लक्ष्य नहीं हैं। जब ठोस नीति और समावेशी इरादे से समर्थन मिलता है, तो वे एक साथ आगे बढ़ते हैं।

सात लोग गिरफ्तार...

चीनी सर्वर पर भेज देती थी। चीन में बैठे अपराधी इन जानकारियों का उपयोग करके उन खातों का रिमोट एक्सेस प्राप्त कर लेते थे और करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी को अंजाम देते थे। इसमें 60 म्यूल बैंक खातों की जानकारी मिली है।

60 म्यूल बैंक खातों की मिली है जानकारी : साइबर डीएसपी नेहा बाला ने बताया कि सीआईडी को अब तक 60 म्यूल बैंक खातों की जानकारी मिली है, जिनसे पूरे भारत में कुल 68 शिकायतें दर्ज हैं। ये सभी बैंक खाते विभिन्न राज्यों में दर्ज निवेश घोटाले और डिजिटल अरेस्ट से संबंधित शिकायतों से जुड़े हुए हैं, जिनकी रिपोर्ट एनसीआरपी पोर्टल पर उपलब्ध है। झारखंड सीआईडी ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान लिंक, कॉल या निवेश प्रस्ताव से सावधान रहें। किसी भी साइबर अपराध की सूचना तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें।

अवैध कोयला खनन...

कई अधिकारी मौजूद थे। घटना के बाद मृतक के परिजनों व स्थानीय ग्रामीणों ने शवों को पीओ कार्यालय गेट के समक्ष रख दिया और प्रबंधन से मुआवजा की मांग को लेकर अड़े रहे। पुलिस मामले की गंभीरता के मद्देनजर घटनास्थल व पीओ कार्यालय में मुस्तैदी के साथ डटी रही। मौके पर मांडू पुलिस इंस्पेक्टर रजत कुमार, कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह, अनि अख्तर अली, संजय हेंब्रोम, आशीष गौतम,राजेश कुमार, नागेंद्र सिंह आजाद सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल के जवान तैनात हैं।

10 लाख मुआवजा की मांग को ले अड़े ग्रामीण : घटना को लेकर प्रबंधन द्वारा परिजनों व ग्रामीणों के साथ वार्ता का आयोजन किया गया। वार्ता में परिजनों ने प्रत्येक मृतक परिवार को 10 लाख रुपए का मुआवजा देने की मांग की। वहीं, प्रबंधन द्वारा ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया जा रहा था। समाचार लिखे जाने तक पीड़ित परिवारों और प्रबंधन के बीच वार्ता जारी थी।

सैनिक भाइयों को...

भारतीय सेना के इस वीरतापूर्ण कार्य का डंका पूरे विश्व में बज रहा है। पूरे देश में हमारे वीर जवानों की जय-जयकार हो रही है। वैसे हमारा इतिहास गवाह है कि जब-जब हमारे दुश्मन सिर उठाए हैं, हमारे जवान भाइयों ने उनका सिर कुचल डाला। ऐसे हैं हमारे जवान। 'सिर कटा सकते हैं, लेकिन सिर झुका सकते नहीं।' दिल में ऐसा जज्बा लिए हमारे सैनिक देश के हर सीमा पर देश की रक्षा के लिए डटे हुए हैं। ये रातों में जागते हैं, ताकि हम भारतवासी चैन की नींद सो सकें। कितना कुछ करते हैं ये सैनिक भाई हमारे लिए। इन्हें मेरा कोटि-कोटि नमन है। जय हिंद। जय जवान, जय भारत।

ईडी ने जीएसटी...

जांच में पाया गया कि इन कागजी कंपनियों में जीएसटी घोटाले से जुड़े लोगों ने फर्जी निदेशक भी बना रखा था। कुछ कंपनियों में खुद भी निदेशक थे। हालांकि, सभी कंपनियों का नियंत्रण उन्हीं लोगों के पास था।

आरोप है कि व्यापारियों ने गलत तरीके से आईटीसी का लाभ लेने के लिए 5000 करोड़ रुपए फर्जी व्यापार का बिल जारी किया था। जीएसटी घोटाले में छापेमारी के दौरान नौ लाख रुपए नकद जब्त किए गए थे। इसके अलावा, जीएसटी घोटाले में आईटीसी का गलत लाभ लेने के लिए बनाई गईं 135 कंपनियों के खातों में जमा 63 लाख रुपए जब्त किए गए थे। जालसाजी कर आईटीसी का गलत लाभ लेकर मनी लांड्रिंग के सहारे खरीदी गई 5.30 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति भी जब्त कर ली गई है। जीएसटी घोटाले में आगे की जांच जारी है।

ब्राउन शुगर के...

प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि उन्हें गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि गढ़वा की ओर से ब्राउन शुगर लेकर तीन व्यक्ति मोटरसाइकिल से घाघरा की ओर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही एसडीपीओ के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर देवाकी बाबाधाम के पास वाहन चेकिंग अभियान शुरू किया गया। इसी दौरान दो मोटरसाइकिलें चेकिंग देख भागने लगीं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीछा कर देवाकी-नेतरहाट रोड के पास तीनों को धर दबोचा।

जाली नोट के...

चेकिंग के दौरान जैसे ही अर्टिगा कार गेट के पास पहुंची, चालक ने वाहन को तेज गति से पीछे मोड़कर भागने की कोशिश की। लेकिन पुलिस बल की तत्परता से कार को घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पुलिस अधीक्षक हरिश बिन जमां ने इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि गुमला पुलिस प्रतिबंधित गतिविधियों और नकली नोटों की तस्करी के खिलाफ पूरी मुस्तैदी से कार्य कर रही है। आने वाले समय में इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई तेज की जाएगी।

कुत्ते, बिल्ली ने काटा तो 24 घंटे में इंजेक्शन लगवा लें वरना रेबीज का प्राणलेवा खतरा

- प्रमाण है कबड्डी खिलाड़ी बृजेश सोलंकी की मौत
- भारत में रेबीज के कारण हर वर्ष हजारो लोग जान गंवाते हैं
- कुत्ते के काटने पर रेबीज के वायरस शरीर में फैलकर दिमाग, नर्वस सिस्टम व अंत में हृदय प्रणाली पर हमला करते हैं

आरपी सिंह

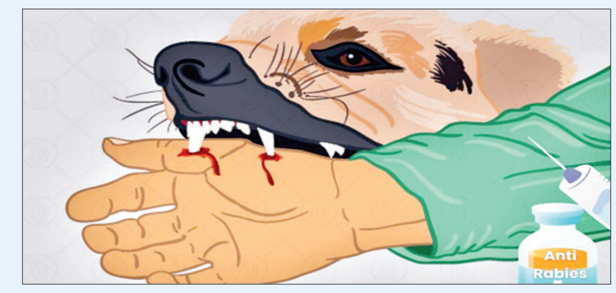

इसके शुरुआती लक्षण

1. घाव के आस-पास झनझनाहट या जलन
2. बुखार, थकान, सिरदर्द
3. पानी से डर लगना
4. चिड़चिड़ापन या आक्रामकता
5. मांसपेशियों में ऐंठन

नई दिल्ली। लोग कुत्ते, बिल्ली का काटना बहुत मामूली घटना मान टाल जाते हैं। लेकिन कुत्ते, बिल्ली के काटने को नजरअंदाज करना कितना खतरनाक व जानलेवा हो सकता है, इसके दुखद उदाहरण हैं हाल ही में उप्र के बुलंदशहर में कुत्ते के काटने से राज्य स्तरीय कबड्डी खिलाड़ी बृजेश सोलंकी की मौत। यह घटना तब हुई जब बृजेश सोलंकी ने लगभग दो महीने पहले एक नाले से एक आवारा पिल्ले को बचाया था, और इस दौरान कुत्ते ने मामूली रूप से उन्हें काटा था, लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज कर दिया और एंटी-रेबीज वैक्सीन नहीं लगवाई। बृजेश सोलंकी को उनकी मौत के कुछ दिन पहले ही लक्षण दिखाई दिए थे। लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट मुताबिक, रेबीज एक वायरल बीमारी है जो कुत्ते, बिल्लियों व जानवरों के काटने या खरोंच से होती है। रेबीज लोगों व जानवरों में लार के माध्यम से फैलता है, आमतौर पर काटने, खरोंचने या म्यूकोसा जैसे आंखें, मुंह या खुले घाव के सीधे संपर्क के माध्यम से। यदि समय रहते रेबीज के लक्षणों की पहचान व इलाज नहीं किया जाए तो रेबीज लगभग 100% घातक हो साबित हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत में हर साल हजारों लोग रेबीज के कारण जान गंवाते हैं, जिनमें से अधिकतर मामले केवल इस वजह से होते हैं कि समय रहते इंजेक्शन नहीं लगाया गया। कुत्ता चाहे पालतू हो या आवारा, उसके काटने पर तुरंत मेडिकल मदद व एंटी-रेबीज इंजेक्शन लेना बेहद जरूरी होता है। यह इंजेक्शन यदि कुछ घंटों के भीतर न दिया जाए, तो शरीर में वायरस फैलकर दिमाग, नर्वस सिस्टम और अंत में हृदय प्रणाली पर हमला करता है, जिससे रोगी की मौत भी हो सकती है। चिकित्सकों का कहना है कि कुत्ते के काटने के बाद 24 घंटे के भीतर पहला इंजेक्शन लेना जरूरी है। ऐसा नहीं किया जाता तो रेबीज का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में जितना जल्दी हो सके इंजेक्शन लेना सबसे सुरक्षित होता है। कुत्ते या बिल्ली के काटने को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि रेबीज के लक्षण एक बार शुरू हो जाएं, तो इलाज नामुमकिन होता है। कुत्ते के काटने से रेबीज वायरस घाव के जरिए शरीर में प्रवेश करता है। जब संक्रमित कुत्ता काटता है, तो उसकी लार में मौजूद वायरस सीधे आपकी स्किन, मांसपेशियों व नसों तक पहुंच जाता है। जिसके बाद यह वायरस स्पाइनल कॉर्ड और ब्रेन तक पहुंचता है, जिससे व्यक्ति में भ्रम, दौरे, चक्कर और अजीब व्यवहार देखने को मिलता है। सही समय में इसका इलाज नहीं किया जाता है तो ये घातक साबित हो सकता है। क्योंकि, एक बार जब लक्षण शुरू हो जाएं, तो इसका कोई इलाज नहीं है। रेबीज के लक्षण शुरू होने पर 10 से 15 दिनों के अंदर मरीज की मौत तक हो सकती है।

यदि किसी को कुत्ता काट ले तो घाव को तुरंत बहते पानी व साबुन से कम से कम 10 मिनट तक धोना चाहिए। इसके बाद एंटीसेप्टिक लगाएं जैसे पोटाश या डेटॉल। फिर तुरंत सरकारी अस्पताल या डॉक्टर के पास जाएं और एंटी-रेबीज वैक्सीन लगवाएं। यदि घाव गहरा है, कुत्ता ने मांस नोच लिया हो तो इम्यूनोग्लोबुलिन इंजेक्शन भी जरूरी हो सकता है।

भाजपा अध्यक्ष महिला हो या पुरुष, अंतिम मुहर मोदी लगाएंगे

कृष्णमोहन सिंह

नई दिल्ली। भाजपा बहुत समय से अपने नये अध्यक्ष लायक़ चेहरा ढूँढ रही है, ऐसा जो मोदी का इशारा समझे। यह है अघोषित पहली शर्त। रही बात आरएसएस की तो वह भी मोदी की चाहत को नहीं टालेगा। फ़िलहाल तो हालत यही है। अभी जो भाजपा अध्यक्ष हैं जेपी नड्डा, उनका कार्यकाल जनवरी, 2023 में ही समाप्त हो गया था, लेकिन कार्यकाल बढ़ते - बढ़ते अब तक विराजमान हैं और केंद्रीय मंत्री भी हैं। एक पत्रिका में छपा है कि निर्मला सीतारमण की हाल ही में मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व पार्टी के संगठन महासचिव बीएल संतोष के साथ भाजपा मुख्यालय में एक हाई प्रोफाइल बैठक हुई। सो इस आधार पर निर्मला सीतारमण को कुछ लोग भाजपा अध्यक्ष पद का सबसे बड़ा दावेदार प्रचारित करने लगे हैं, जबकि निर्मला भले ही केन्द्रीय वित्त मंत्री हैं, लेकिन राज्य सभा सांसद हैं। उनका दक्षिण भारत या देश में कोई आधार नहीं है। जैसे विदेश मंत्री का नहीं है। कुछ लोग दक्षिण भारत की अन्य महिला डी. पुरंदेश्वरी का नाम भी इसमें जोड़ दे रहे हैं। कई लोग कोयंबटूर दक्षिण से विधायक श्रीनिवास का नाम भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए लाइन में बता रहे हैं। तमिलनाडु की वनथी का नाम भी चलाया जा रहा है। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान, प्रहलाद जोशी का नाम भी चलाया जा रहा है। कहा जा रहा है कि जेपी नड्डा ने संघ के दिल्ली कार्यालय में 28 जून को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाहक(संघ के दूसरे नंबर के नेता) दत्तात्रेय होसबोले व संघ के कुछ अन्य प्रमुख नेताओं के साथ बंद कमरे में गुफ़्तगू की। देखिए इस तरह की गुफ्तगू बैठकें कुछ -कुछ समय के अंतराल पर कब तक चलती हैं, और कब जाकर अध्यक्ष पद के लिए वह नाम सामने आ पाएगा जिस पर मोदी मुहर लगा दिए हों।

अर्जेंटीना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य स्वागत

ब्यूनस आयर्स (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि सांस्कृतिक संबंधों के लिए दूरी कोई बाधा नहीं है। यह बात उन्होंने अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में अल्वियर पैलेस होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे और पारंपरिक स्वागत के बाद कही। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, सांस्कृतिक जुड़ाव के मामले में दूरी कोई बाधा नहीं है! ब्यूनस आयर्स में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए शानदार स्वागत से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह देखना वाकई बहुत अच्छा है कि कैसे घर से हजारों किलोमीटर दूर, भारत की भावना हमारे भारतीय समुदाय के माध्यम से चमकती है। अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स स्थित अल्वियर पैलेस होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय ने गर्मजोशी से 'मोदी-मोदी', 'जय हिंद' और 'भारत माता की जय' के नारों के साथ प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किए दस्तखत

बारह देशों को अमेरिका कल भेजेगा टैरिफ पत्र

- जिन देशों को पत्र भेजे जाएंगे, उनके नाम 7 जुलाई को ही बताए जाएंगे
- 'रेसिप्रोकल टैरिफ' कुछ देशों पर 70 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है

वाशिंगटन (आईएएनएस)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 12 देशों से होने वाले निर्यात पर टैरिफ लगाने

से जुड़े पत्रों पर हस्ताक्षर कर दिए हैं, जिन्हें सोमवार को भेजे जाने की उम्मीद है। मीडिया से बातचीत में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि जिन देशों को पत्र भेजे जाएंगे, उनके नाम सोमवार को ही बताए जाएंगे। उन्होंने कहा, मैंने कुछ लेटर्स पर हस्ताक्षर किए हैं। वह सोमवार को भेजे जाएंगे, संभवतः 12 पत्र। अलग-अलग रकम, अलग-अलग टैरिफ। पत्र भेजना बेहतर होता है। एक पत्र भेजना कहीं आसान है। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया है कि 'रेसिप्रोकल टैरिफ' कुछ देशों पर 70 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है। इसे 1 अगस्त से अमल में लाया जाने की उम्मीद है।

अप्रैल में अमेरिकी राष्ट्रपति ने देश में आने वाले अधिकांश सामानों पर 10 प्रतिशत का बेस टैरिफ घोषित किया था। इसके साथ ही कुछ देशों, जैसे चीन के लिए इससे भी ज्यादा दरें तय की गई थीं। हालांकि, इन बढ़े हुए टैरिफ को बाद में 9 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया गया। वहीं, वाशिंगटन ने दो देशों (यूनाइटेड किंगडम और वियतनाम) के साथ 'ट्रेड एग्रीमेंट' किए हैं।

इस बीच, भारत का हाई-लेवल ऑफिशियल डेलिगेशन, वाशिंगटन से बिना किसी अंतरिम समझौते के लौट आया है। इसकी अगुवाई मुख्य वातार्कार राजेश अग्रवाल कर रहे थे। यह समझौता अमेरिका की ओर से दबाव डाले जा रहे संवेदनशील मुद्दे एग्रीकल्चर और डेयरी प्रोडक्ट्स के व्यापार को लेकर होना था। हालांकि, अभी भी उम्मीद की एक किरण है। आशा है कि 9 जुलाई की डेडलाइन से पहले दोनों देशों में उच्चतम राजनीतिक स्तर पर एक अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौता हो सकता है। भारतीय दल 26 जून से 2 जुलाई तक अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए वाशिंगटन में था।

अमेरिका अपने एग्रीकल्चर और डेयरी प्रोडक्ट्स के लिए व्यापक बाजार की मांग कर रहा है, जो एक बड़ी चुनौती है। भारत के लिए, यह देश के छोटे किसानों की आजीविका का मुद्दा है, इसलिए इसे एक संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है।

भारत 9 जुलाई से पहले एक अंतरिम समझौता करके राष्ट्रपति ट्रंप के 26 प्रतिशत टैरिफ से छूट पाने की कोशिश कर रहा है। वह टेक्सटाइल, लेदर और जूते जैसे अपने लेबर-इंटेंसिव एक्सपोर्ट के लिए महत्वपूर्ण टैरिफ कंसेशन पर भी जोर दे रहा है।

डेडलाइन के साथ ट्रेड डील्स पर बातचीत नहीं करता भारत : पीयूष

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार, भारत किसी डेडलाइन के दबाव में 'फ्री ट्रेड एग्रीमेंट' पर हस्ताक्षर करने में जल्दबाजी नहीं करेगा। नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मंत्री पीयूष गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत राष्ट्रीय हित में ट्रेड डील करने के लिए तैयार है, लेकिन वह 'कभी भी डेडलाइन के साथ ट्रेड डील्स पर बातचीत नहीं करता है।'

भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी का भाई नेहल अमेरिका में गिरफ्तार

नई दिल्ली (हि.स)। भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के छोटे भाई नेहल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उसके प्रत्यर्पण का अनुरोध किया था। इन अनुरोध के बाद उसे अमेरिका में गिरफ्तार किया गया। नेहल मोदी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में वांछित है। यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को 4 जुलाई को अमेरिकी अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था। अमेरिकी न्याय विभाग ने उसकी गिरफ्तारी की पुष्टि की है। नेहल मोदी पर न्यूयॉर्क में 2.6 मिलियन डॉलर से अधिक की धोखाधड़ी का भी आरोप है। उसके प्रत्यर्पण कार्यवाही के लिए अगली सुनवाई की तारीख 17 जुलाई निर्धारित की गई है। अमेरिकी अभियोजन पक्ष की ओर से दर्ज शिकायत के मुताबिक नेहल मोदी की प्रत्यर्पण की कार्यवाही दो मामलों में की जा रही है। पहला मामला धनशोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) की धारा 3 के तहत मनी लॉन्ड्रिंग का है, जबकि दूसरा मामला भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120-बी और 201 के तहत आपराधिक साजिश का है।

राज ठाकरे व उद्धव के एक मंच पर आने से चिंतित भाजपा हुई हमलावर

कृष्णमोहन सिंह

नई दिल्ली। जगह है देश की आर्थिक राजधानी मुंबई, जो महाराष्ट्र की राजधानी भी है। जहां शनिवार 5 जुलाई को राज ठाकरे व उनके चचेरे भाई उद्धव ठाकरे ने 20 साल बाद एक मंच पर आकर साझा रैली की।यह हुआ राज्य में 'मराठी भाषा बचावो' मुद्दे पर। मराठी भाषा के मुद्दे ने दोनों भाइयों के कई सालों के दुराव को दूर करके कर दिया । अब यदि ये एक होकर आगे मुंबई सहित राज्य के प्रमुख शहरों में नगर निगम चुनाव लड़े तो इसका सबसे ज़्यादा नुक़सान भाजपा को होगा। इसी से चिंतित भाजपा ने राज ठाकरे व उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला किया है। कई भाजपा नेताओं ने इस रैली को एक 'राजनीतिक फायदे के लिए की गई पारिवारिक मुलाकात' बताया और कहा कि यह सिर्फ नगर निगम चुनावों से पहले अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन को वापस पाने की बेताब कोशिश थी। मालूम हो कि 'आवाज मराठिचा' नाम से मुंबई के वर्ली में आयोजित इस रैली में शिवसेना-यूबीटी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे व मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे पहली बार लगभग 20 साल बाद एक मंच पर आए। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार की उस नीति को रद्द कराने की सफलता का जश्न मनाया जिसमें प्राथमिक स्कूलों में तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को लागू किया गया था। इस रैली में उद्धव ठाकरे ने कहा कि वे व उनके चचेरे भाई राज ठाकरे अब एकजुट हैं और भविष्य में साथ मिलकर चुनाव लड़ सकते हैं। वहीं, राज ठाकरे ने भाजपा नेता व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने वह कर दिखाया जो शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे भी नहीं कर पाए — यानी देवेंद्र ने राज्य में हिंदी थोपने की कोशिश कर दोनों भाइयों को एक मंच पर आने को मजबूर किया । भाजपा नेता अशीष शेलार ने कहा- यह भाषा प्रेम नहीं, बल्कि सिर्फ एक राजनीतिक ड्रामा था। 'जो भाई कभी घर से निकाला गया, अब उसे वापस गले लगाया जा रहा है – ये सब सिर्फ भाजपा से डर और आगामी चुनावों की चिंता के चलते किया गया।' उन्होंने आरोप लगाया कि ठाकरे बंधु बीएमसी (मुंबई नगर निगम) की सत्ता दोबारा हासिल कर 'भ्रष्ट शासन' शुरू करना चाहते हैं। इसी तरह से भाजपा के कई अन्य नेताओं व विधायकों ने भी उद्धव व राज ठाकरे के विरूद्ध बोला है। शिवसेना को तोड़कर भाजपा के साथ मिल राज्य में सरकार बनाये उप मुख्यमंत्री शिंदे भी राज व उद्धव के एक मंच पर आने से बौखला गये हैं। वह भी दोनों के विरूद्ध तरह-तरह की बातें कहने लगे हैं। उनको भी डर अपने वोट व समर्थक खोने का होने लगा है। चर्चा है कि दोनों के एकजुट होने से भाजपा के केंद्रीय हुक्मरान भी सतर्क हो गए हैं।

गाजा व ईरान में निर्दोष लोगों को निशाना बनाए जाने की भी निंदा की

अजरबैजान में शहबाज शरीफ ने भारत पर लगाया बेबुनियाद आरोप

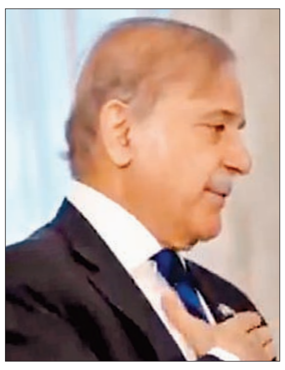

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत पर पहलगाम में हुए दुर्भाग्यपूर्ण आतंकी हमले का इस्तेमाल देश के प्रति बिना उकसावे और लापरवाह शत्रुता के माध्यम से क्षेत्रीय शांति को अस्थिर करने के लिए करने का आरोप लगाया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का समर्थन करने वाले देशों में से एक, अजरबैजान में आर्थिक सहयोग संगठन (ईसीओ) शिखर सम्मेलन में बोलते हुए शरीफ ने फिर से कश्मीर मुद्दा उठाया और केंद्र शासित प्रदेश में निर्दोष लोगों के खिलाफ बर्बर कृत्यों की निंदा की। इसी क्रम में उन्होंने इजरायल पर परोक्ष प्रहार करते हुए गाजा और ईरान में निर्दोष लोगों को निशाना बनाए जाने की भी निंदा की।

शहबाद शरीफ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद पाकिस्तान के प्रति भारत की अकारण और लापरवाह शत्रुता क्षेत्रीय शांति को अस्थिर करने का एक और प्रयास था। 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में 25 पर्यटक और एक स्थानीय व्यक्ति मारे गए थे - यह हाल के वर्षों में कश्मीर में हुए सबसे घातक आतंकवादी हमलों में से एक था। पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। आतंकवादियों को पनाह देने के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराते हुए भारत ने कुछ दिनों बाद ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें देश के अंदर नौ आतंकी शिविरों को नष्ट कर दिया गया।

इससे व्यापक शत्रुता भड़क उठी क्योंकि पाकिस्तान ने ड्रोन हमलों की एक लहर शुरू कर दी, जिसका भारत ने प्रभावी ढंग से मुकाबला किया। 10 मई को संघर्ष समाप्त हो गया जब पाकिस्तान ने अपने सैन्य ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमलों के बाद भारत से युद्ध विराम के लिए संपर्क किया।

क्या फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप को अमेरिका से डिपोर्ट किया जाएगा?

ट्रंप की नई नागरिकता स्कीम ने फंसाया

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका में इन दिनों मेलेनिया ट्रंप को देश निकाला देने की मांग उठ रही है। आखिर अमेरिकी नागरिक अपनी ही फर्स्ट लेडी के लिए देश निकाला क्यों मांग रहे हैं, ये समझने के लिए आपको इसका थोड़ा सा बैकग्राउंड जानना होगा। सबसे पहले आपको बताते हैं कि अमेरिका के एक सामाजिक अधिकार संगठन मूव ऑन ने मेलेनिया ट्रंप को लेकर एक सिग्नेचर कैंपेन शुरू किया। इस अभियान के जरिए मांग उठाई जा रही है कि डोनाल्ड ट्रंप के विदेश मूल के लोगों की नागरिकता खत्म करने की योजना में सबसे पहले मेलेनिया ट्रंप की नागरिकता खत्म होनी चाहिए। इस कैंपेन पर अब तक हजारों साइन हो चुके हैं और ट्रंप विरोधी डेमोक्रेटिक पार्टी के कुछ नेता भी मेलेनिया को देश निकाला देने की मांग कर रहे हैं। मेलेनिया ट्रंप को देश से बाहर भेजने की मांग के पीछे वजह है अमेरिका के नैचरुलाइज नागरिकों के लिए डॉनल्ड ट्रंप की एक स्कीम इस स्कीम के फेरे में मेलानिया ट्रंप कैसे फंस गईं। आलोचक कह रहे हैं कि अगर ट्रम्प आव्रजन नियमों का लाभ उठाने के लिए प्राकृतिक नागरिकों की जांच करना और उन्हें निर्वासित करना चाहते हैं, तो उन्हें अपनी पत्नी के मामले को अनदेखा नहीं करना चाहिए। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट में बताया गया है कि मेलानिया का जन्म पूर्व यूगोस्लाविया (अब स्लोवेनिया) में हुआ था और 2006 में वह अमेरिकी नागरिक बन गईं। वह पहली अमेरिकी प्रथम महिला हैं जो प्राकृतिक नागरिक हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने 2018 में बताया कि प्रथम महिला ने अपने माता-पिता, जो वर्तमान स्लोवेनिया से थे, को ग्रीन कार्ड और फिर नागरिकता के लिए प्रायोजित किया, क्योंकि उन्होंने खुद नागरिकता हासिल कर ली थी।

'रामायण' का रोंगटे खड़े करने वाला टीजर रिलीज

रणबीर व यश की टक्कर ने जीता दिल

रामायण की पहली झलक देखने का इंतज़ार खत्म हुआ! नितेश तिवारी की पौराणिक महाकाव्य का परिचय वीडियो रिलीज़ हो गया है, और इसे भारत के प्रमुख शहरों में दिखाया गया है। रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश की मुख्य भूमिकाओं वाली रामायण भाग 1 सबसे मनमोहक दृश्यों का वादा करती है। कुछ समय पहले ही सोशल मीडिया पर रामायण भाग 1 की आधिकारिक झलक सामने आई थी। कहने की ज़रूरत नहीं है कि इसे शानदार प्रतिक्रिया मिली है और दर्शकों में 2026 की दिवाली के लिए उत्साह है।

प्रशंसक अपनी उत्सुकता को कम नहीं कर पा रहे हैं। रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश, सनी देओल और रवि दुबे की मुख्य भूमिकाओं वाली यह फ़िल्म शानदार और शानदार होने का वादा करती है। फ़िल्म की पहली झलक को हर तरफ़ से प्यार मिलने के साथ ही, प्रशंसकों ने वीडियो से अपने अनुभव साझा किए। जहाँ कुछ लोगों ने कपूर की झलक की प्रशंसा की, वहीं कुछ लोग बैकग्राउंड म्यूज़िक से प्रभावित हुए।

एक एक्स यूजर ने टीजर पर अपनी राय साझा की और लिखा, "सबसे महान महाकाव्य #रामायण के सबसे महान अभिनेता द्वारा बनाई गई सबसे महान फिल्म। मेरे शब्दों पर ध्यान दें, यह 10,000 करोड़ पार करने वाली पहली बॉलीवुड फिल्म होगी," जबकि दूसरे ने लिखा, "श्री राम के रूप में रणबीर कपूर। प्रचार वास्तविक है।"